



पं. द्वारका प्रसाद मिश्र
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन
एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर
(संसदीय अधिनियम द्वारा स्थापित राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)

वार्षिक प्रतिवेदन

2016-17

विषय सूची

क्र.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	निदेशक का प्रतिवेदन	01
2.	संस्थान का संक्षिप्त परिचय	11
3.	संस्थान एक नजर में	13
4.	प्रशासन	14
	(अ) संचालक मंडल	
	(ब) वित्त समिति	
	(स) भवन एवं निर्माण समिति	
	(द) सीनेट	
	(i) संस्थान स्तर की स्थायी समितियाँ/सेल	
5.	शैक्षणिक/प्रशासनिक	23
	(अ) संकायगण	
	(ब) अतिथि संकाय	
	(स) तकनीकी अधिकारी	
	(द) कार्यालय प्रशासन	
	(ई) नियुक्तियाँ/सेवानिवृत्ति/त्यागपत्र	
6.	शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियाँ	38
	(अ) शैक्षणिक कार्यक्रम	
	(ब) शैक्षणिक एवं छात्र नामांकन	
	(स) शोध परियोजनायें	
	(द) शोध प्रकाशन	
	(ई) संकाय सदस्यों की उपलब्धियाँ/सम्मेलन, आयोजन/पेटेंट	
7.	दीक्षांत समारोह 2016	76
8.	प्लेसमेंट (स्थानन)	79
9.	छात्रवृत्ति, निःशुल्कता, वित्तीय सहायता	81
10.	विद्यार्थी कार्यक्रम एवं उत्सव	84
11.	अन्य गतिविधियाँ	89
12.	आई.आई.आई.टी.डी.एम. जबलपुर एवं जापान सहभागिता	93
13.	पुस्तकालय	94
14.	कार्यशाला एवं सम्मेलन	102
15.	अधोसंरचना विकास	107
16.	प्रमुख उपकरण खरीदी	116
17.	वार्षिक लेखा (वित्त वर्ष 2016-17)	117
18.	सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 : प्रतिवेदन	127



निदेशक का प्रतिवेदन

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित ऐसे पहले संस्थान होने का गौरव प्राप्त है जिसका मूल उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित अभिकल्पन एवं विनिर्माण को बढ़ावा देना है। हमारे संस्थान का अभिलक्षित उद्देश्य भारतीय विनिर्माण प्रक्षेत्र के विकास के अनुरूप नवीन जानकारी से लैस प्रतिभाशाली एवं कुशल मानव संसाधन तैयार कराना है। हमारा संस्थान सृजनात्मकता तथा नवाचार के लिये अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराता है। शिक्षक, विद्यार्थी एवं भूतपूर्व-विद्यार्थी समुदाय सभी मिलकर भारतीय उद्योग के साथ स्थाई भागीदारी और व्यावसायिक अवसर की संभावना सुनिश्चित करने के प्रयास कर रहे हैं।



हमें यह तथ्य साझा करने में खुशी हो रही है कि संस्थान ने 7 फरवरी 2017 को अपनी स्थापना के 12 वर्ष पूरे कर लिए हैं। सौभाग्यवश, संस्थान को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम 2014 द्वारा स्थापित राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में भी मान्यता मिली है। मेरे लिए वास्तव में यह गर्व की बात है कि मुझे इस ऐतिहासिक वर्ष में संस्थान की प्रगति और उपलब्धियों को प्रतिवेदित करने एवं वर्ष 2016-17 के दौरान संस्थान में हुई मुख्य गतिविधियों एवं समारोहों में से कुछ के बारे में संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करने का सुअवसर मिला है।

शैक्षिक पाठ्यक्रम

वर्ष 2005 में स्थापित यह संस्थान तीन मूल क्षेत्रों में यथा- कम्प्यूटर साईंस एवं इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। इन अध्ययन अनुशासनों में स्नातक, परास्नातक एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रमों के साथ-साथ संस्थान, अभिकल्पन में स्नातक, परास्नातक तथा प्राकृतिक विज्ञान (गणित/भौतिक शास्त्र /अंग्रेजी) में पीएच.डी. उपाधि पाठ्यक्रम भी संचालित करता है।

हमारा स्नातक पाठ्यक्रम सतत् रूप से एक प्रतिष्ठित अध्ययन अनुशासन बना हुआ है और इसकी भारी मांग है। इस कार्यक्रम में प्रवेश जेईई (मुख्य) परीक्षा के आधार पर दिया जाता है। अभिकल्पन स्नातक पाठ्यक्रम (बैचलर इन डिजाईन) में यूसीईईडी के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। शैक्षिक सत्र 2016-17 में 291 स्नातक, 113 परास्नातक एवं 17 पीएच.डी. छात्रों को प्रवेश दिया गया।

गुणवत्ता उन्नयन कार्यक्रम (क्यू.आई.पी.)— गुणवत्ता उन्नयन कार्यक्रम का लक्ष्य देश में स्नातक स्तर के संस्थानों के संकाय सदस्यों की क्षमता और विशेषज्ञता को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के तत्वावधान में उन्नत करना है।



पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर ने यह कार्यक्रम 6 पीएच.डी. शोध अध्येताओं को प्रवेश देकर शुरू किया है और इस वर्ष 6 लघु अवधि पाठ्यक्रमों को शुरू करने की योजना बनाई जा रही है।

प्रायोजित शोध एवं विस्तार

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा प्रायोजित शोध एवं विकास परियोजनाओं तथा पीएच.डी. उपाधि हेतु शैक्षिक अनुसंधान को उच्च प्राथमिकता देता है। राष्ट्रीय शोध संस्थाओं से प्राप्त शोध निधि शैक्षिक एवं शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने एवं उन्हें उत्तरोत्तर बनाये रखने में अत्यधिक सहायक होती है। वर्ष 2016-17 में संस्थान द्वारा रु. 2766.95 लाख वित्तीय परिव्यय की 4 संस्थागत परियोजनायें, कुल रु. 819.13 लाख वित्तीय परिव्यय की 18 शोध परियोजनायें तथा कुल रु. 17.49 लाख की 11 कन्सलटेन्सी परियोजनायें संचालित की गईं।

सम्मेलन एवं कार्यशालाएँ

विगत वर्ष की तरह ही संस्थान द्वारा अपने उद्देश्य के अनुरूप विभिन्न संगोष्ठियों सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन सभी आयोजनों में अच्छी उपस्थिति रही और कई जाने माने विशेषज्ञों को अतिथि व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। संस्थान के संकाय सदस्य इन आयोजनों में गहन रुचि लेते हैं। वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा डाटा माइनिंग, आई.ओ.टी., प्रोडक्ट डिजाइन तथा विनिर्माण बौद्धिक संपत्ति अधिकार, स्मार्ट सिटी, इन्टेलिजेंट सिस्टम आदि विविध विषयों पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इन आयोजनों में संकाय सदस्यों ने समन्वयक, संयोजक, कार्यक्रम एवं सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।

एनआईआरएफ

संस्थान ने नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2017 में अभियांत्रिकी अनुशासन में भाग लिया और 39.46 अंको के साथ 69वां स्थान प्राप्त किया। अभियांत्रिकी अनुशासन में संस्थानों की रैंकिंग के लिए पांच मापदण्ड रखे गये थे यथा: टीचिंग एवं लर्निंग रीसोर्स (टी.एल.आर.), रिसर्च एवं प्रोफेशनल प्रैक्टिस (आरपीसी), ग्रेजुएशन आउटपुट (जी.ओ.), आउटरीच एवं इन्क्लुसिविटी (ओ.आई) एवं पर्सेप्शन।

संस्थान द्वारा प्रत्येक मापदण्ड के अंतर्गत प्राप्त अंक निम्न तालिका में दर्शाये गये हैं :-

टीएलआर (100)	आरपीसी (100)	जीओ (100)	ओ आई (100)	पर्सेप्शन
45.09	20.91	62.10	69.27	3.13



इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी अकादमी

संस्थान में तीन राज्यों— मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी अकादमी भी शुरू की गई हैं जो डेईटी (कम्पजल) द्वारा प्रायोजित है यह अकादमी संकाय सदस्यों को प्रशिक्षण देने एवं समसामायिक अभिरूचि के विविध विषयों पर प्रशिक्षक को प्रशिक्षण कार्यक्रम की पहल करने की दिशा में अग्रणी अकादमी बनेगी। वर्ष 2016–17 के दौरान इस अकादमी के अंतर्गत निम्न पाठ्यक्रम संचालित किए गये हैं –

1. अभियंताओं, शोधार्थियों एवं सूचना प्रौद्योगिकी समुदाय हेतु न्यूमेरिकल पद्धति पर न्यूमेरिक पाठ्यक्रम (जुलाई 4–9, 2016) 24 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।
2. एडवान्स्ड डेटा माइनिंग एल्गोरिदम्स एण्ड देयर स्केलेबिलिटी फॉर बिग डेटा (अगस्त–16–21, 2016) 139 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।
3. कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग एण्ड एपीजी डेवलपमेंट यूजिंग मैटलेब (अक्टूबर 10–14, 2016) 43 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।
4. मेकाट्रानिक्स, एमईएमएस एवं माइक्रो फैब्रिकेशन (दिसम्बर 19–23, 2016) 40 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।
5. एडवान्स्ड डेटा माइनिंग एल्गोरिदम्स एण्ड देयर स्केलेबिलिटी फॉर बिग डेटा (जनवरी 2–07, 2017) 17 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।
6. एडवान्सेज इन प्रोडक्ट डिजाइन एण्ड मैनुफैक्चरिंग (एपीडीएम) (जनवरी 03–08, 2017), 37 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।
7. न्यूमेरिकल मेथड्स एण्ड प्रोग्रामिंग इन मैटलेब (फरवरी 04–09, 2017) पाठ्यक्रम में 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
8. नेटवर्क सिम्यूलेशन एण्ड टूल्स (एन 53 एण्ड ओमनेट) (फरवरी 04–09, 2017) पाठ्यक्रम में 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संकाय सदस्यों की उपलब्धियाँ

संकाय सदस्य संस्थान के ज्ञान समुदाय के केन्द्रीय तत्व का निर्माण करते हैं। भारत एवं विदेश से आने वाले ये संकाय सदस्य – शोध, अध्ययन एवं संस्थान निर्माण में उत्कृष्टता हासिल करने का प्रयत्न करते हैं। संस्थान के संकाय सदस्य अभियांत्रिकी, विज्ञान, अभिकल्पन, प्रबंधन एवं मानविकी के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं। इस वर्ष 05 नये संकाय सदस्य ट्रिपल आई.टी. जबलपुर परिवार से जुड़े हैं जिसके फलस्वरूप संकाय सदस्यों की कुल संख्या 49 हो



गई है। इसके अलावा संस्थान में 05 शोध अभियंता हैं जो प्रयोगशालाओं के विकास, प्रायोगिक सत्रों, अभिकल्पन एवं अन्य परियोजनाओं में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं। साथ ही संस्थान शैक्षणिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों के नामचीन वक्ताओं को भी आमंत्रित करता है जो संस्थान में शिक्षा की पार-सांस्थानिक प्रकृति को समृद्ध करते हैं। देश और जापान से कई प्रख्यात विद्वानों का संस्थान में आगमन हुआ है जिन्होंने संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया है। संकाय सदस्यों की कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियों का विवरण यहां दिया जा रहा है।

- (क) प्रोफेसर पुनीत टंडन, सम्पादक, एमएटीईसी वेब आफ कान्फरेंसेज, वाल्यूम 95 (2017), 2016 मेकाट्रानिक्स एवं मेकेनिकल इंजीनियरिंग (आईसीएमएमई 2016), शंघाई, चीन, अक्टूबर 23, 2016 (सम्पादक: एच.एल. युवान, आर.के. अग्रवाल, पी टंडन एवं ई.एस. वांग)
- (ख) डॉ. प्रबीर मुखोपाध्याय, दि जर्नल ई-क्रोनिकान आर्थोपीडिक्स ई-क्रोनिकान सोसाइटी, यूनाईटेड किंगडम के सम्पादक मंडल के सदस्य चुने गये।
- (ग) डॉ. नीरज कुमार जायसवाल, अप्लाइड सरफेस साइंस, एल्सेलियर के उत्कृष्ट समीक्षक घोषित किये गये।
- (घ) डॉ. विश्वजीत मुखर्जी को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन डिवीजन में युवा अभियंता सम्मान दिया गया।
- (ङ) डॉ. अयान सील को इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी में विश्वेश्वरैया पीएच.डी. स्कीम के तहत युवा संकाय सदस्य शोध फेलोशिप प्राप्त हुई।
- (च) डॉ. मुकेश कुमार रॉय को सर्वोत्कृष्ट प्रेरक शिक्षक के रूप में चुना गया। परिणामस्वरूप उन्होंने भारत के महामहिम राष्ट्रपति के अतिथि के रूप में राष्ट्रपति भवन में 23-29 अप्रैल 2016 तक 7 दिनों का प्रवास किया।

छात्र गतिविधियाँ एवं उनके द्वारा अर्जित ख्याति

शैक्षणिक गतिविधियों पर ध्यान केन्द्रित करने के अलावा विद्यार्थियों के सम्यक विकास पर भी संस्थान बल देता है। इस उद्देश्य से संस्थान ने विविध प्रकार के गतिविधियों के लिए उत्कृष्ट अधोसंरचना का निर्माण किया है। यथा-विद्यार्थी गतिविधि केन्द्र, टेनिस एवं खेल मैदान, सांस्कृतिक तकनीकी, रोबोटिक्स तथा कल्याणकारी गतिविधियाँ आदि।

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों में परस्पर संवाद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंटर ट्रिपल आईटी उत्सव आयोजित करने संबंधी मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं ट्रिपल आईटी परिषद् द्वारा लिए गये निर्णय के अनुसार ट्रिपल आई.टी.डी.एम. जबलपुर ने 23-26 मार्च 2017 तक इंटर ट्रिपल आईटी टेक्नो कल्चरल फेस्ट के प्रथम संस्करण का आयोजन किया। इस उत्सव के आयोजन का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य ट्रिपल आई टी संस्थानों के बीच परस्पर संवाद एवं आदान प्रदान का उपयुक्त वातावरण बनाना तथा आज के युवा वर्ग की प्रतिभाओं की अभिव्यक्ति



को रोबोटिक्स प्रोग्रामिंग, भौतिकी एवं खगोलविज्ञान, साहित्य, कला और नृत्य, संगीत एवं नाट्य आदि विद्याओं में सुनिश्चित करना है। पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर के वार्षिक खेल उत्सव का आयोजन 27 से 29 जनवरी 2017 तक किया गया। ट्रिपल आईटी डीएम कांचीपुरम में 12-15 दिसम्बर 2016 तक आयोजित प्रथम इंटर ट्रिपल आई टी खेल उत्सव में संस्थान के 42 छात्रों के समूह ने भाग लिया। हमारे छात्रों ने ओवरआल चैंपियनशिप, पुरुष वर्ग चैंपियनशिप एवं महिला वर्ग चैंपियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त कर हमें गौरवान्वित किया। हमारे विद्यार्थियों ने विभिन्न संस्थानों/उद्योगों में आयोजित विविध उत्सवों/प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेकर और पुरस्कार जीतकर संस्थान को ख्याति दिलाई है। उनमें से कुछ का विवरण यहाँ दिया जा रहा है :-

- ◆ विद्यार्थी जिमखाना के जज्बात क्लब के 17 विद्यार्थियों की टीम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की गयी और वहाँ 21 से 23 अक्टूबर 2016 तक आयोजित थाम्सो 16 (Thomso'16) में भाग लिया। इस टीम ने नुक्कड़ नाटक प्रतिस्पर्धा में उपविजेता का पुरस्कार प्राप्त किया। 3 विद्यार्थियों की टीम को एक दिन विशेष का सर्वोत्तम प्रदर्शन पुरस्कार दिया गया।
- ◆ गौरव प्रजापति और अभिषेक सिंह राजपूत का चयन उन्नत भारत अभियान द्वारा नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी नई दिल्ली में 7 से 11 सितम्बर 2016 तक आयोजित द्वितीय आई.आई.एस.एफ में स्मार्ट स्ट्रीट लाईट संबंधी अपने प्रोजेक्ट का प्रदर्शन करने हेतु किया गया।
- ◆ यू. स्नेहलेखा ने वर्ष 2017 में आई.सी.टी. अकादमी द्वारा आयोजित अभिनव प्रतिस्पर्धा 'डिजिटल बेटी' में द्वितीय स्थान अर्जित किया।

प्लेसमेंट स्थानन

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट, संस्थान की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट एकक मुख्यतः पूर्व स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों की उपाधि प्राप्त करने संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के लिए जिम्मेदार होता है। साथ ही इस एकक की जिम्मेदारी पूर्व स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों को स्नातक उपाधि प्राप्त करने के बाद उद्योगों एवं विभिन्न निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं में विश्वस्तरीय प्लेसमेंट के अवसर सुलभ कराना भी है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट एकल विद्यार्थियों के लिए न केवल प्रभावी ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण की व्यवस्था करने में सफल रहा बल्कि कई छात्रों को छात्रवृत्ति एवं अन्य सुविधायें दिलाने में भी सफलता अर्जित की। जहाँ तक प्लेसमेंट का प्रश्न है, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट एकक ने संस्थान परिसर में छात्रों हेतु प्लेसमेंट पूर्व वार्ता, कार्यशाला और समूह चर्चा में भाग लेने के लिए बड़े औद्योगिक संगठनों के वरिष्ठ कार्यपालकों को आमंत्रित किया जिससे छात्रों को कैम्पस साक्षात्कार प्रारंभ होने के पूर्व विभिन्न संगठनों के बारे में बेहतर जानकारी प्राप्त करने में मदद मिली। यह प्रक्रिया विभिन्न कम्पनियों को संस्थान आने हेतु आमंत्रण के साथ जुलाई 2016 में शुरू की गई।



भर्ती प्रक्रिया का अंतिम चरण 01 सितम्बर 2016 एवं उसके बाद से शुरू हुआ। कंपनियों का संस्थान में आगमन हुआ जिसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों को 131 प्लेसमेंट प्रस्ताव मिले। कुछ छात्रों को तो कई प्लेसमेंट प्रस्ताव मिले। प्लेसमेंट के दौरान समग्र उद्योग क्षेत्र यथा मैनेजमेंट, कन्सल्टिंग, इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण क्षेत्रों के नियोक्ताओं की अभिरूचि देखने को मिली। इनमें से अधिकांश अपने अपने क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व प्रदान करने वाले संगठन हैं यथा— इटॉन, भारत ओमान रिफाइनरीज लिमिटेड, एडोब, लावा इन्टरनेशनल, डायरेक्टी, ओरेकल, सैमसंग आर एण्ड डी बेंगलोर, क्यूमिन्स, कैपजेमिनी, नोकिया, एचएसबीसी, पयूचर फर्स्ट, स्मार्ट प्रिक्स, कोवियम टेक्नोलॉजीज, वस्सार लैब्स इत्यादि।

उद्योग जगत में प्लेसमेंट सुनिश्चित कराने के लिए छात्रों को समग्र रूप से तैयार कराना इस वर्ष प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट एकक का प्रमुख लक्ष्य है। इस वर्ष छात्रों के प्लेसमेंट की तैयारी संबंधी विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की गईं। इन गतिविधियों में उन तैयारी कार्यक्रमों को शामिल किया गया जिनसे छात्रों के संप्रेषण कौशल, साक्षात्कार कौशल तथा समूह चर्चा कौशल में अभिवृद्धि हो। वर्ष 2016-17 के दौरान सफल छात्र प्लेसमेंट से स्पष्ट संकेत मिला कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के नियोक्ताओं के बीच पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर की मांग बढ़ी है। नियोक्ताओं ने हमारे विद्यार्थियों के उच्चस्तरीय ज्ञान एवं प्रशिक्षण की सराहना की। विगत वर्ष हमारे अधिकांश नियोक्ताओं ने हमारे छात्रों की योग्यता पर विश्वास किया और वे भर्ती करने के उद्देश्य से हमारे संस्थान आये। इस वर्ष कई नये संगठनों का पहली बार हमारे संस्थान में आगमन हुआ। हम इन सभी संगठनों के साथ, दूरगामी संबंध स्थापित करने के प्रति आशावान हैं। प्लेसमेंट प्रयासों की सफलता का श्रेय हमारे छात्रों की उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ-साथ संस्थान प्रशासन, शैक्षणिक एककों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों एवं अन्य शुभचिंतकों के अगाध सहयोग को जाता है। प्लेसमेंट कार्यालय उन सभी के प्रति आभारी है और उनसे निरंतर सहयोग की आशा करता है।

जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी का नवप्रवर्तित एशिया कार्यक्रम (जापान इंटरनेशनल को-आपरेशन एजेंसी)

जापानी कैबिनेट द्वारा जून 2016 में अनुमोदित जापान रीवाइटेलाइजेशन स्ट्रेटजी की तरह ही जापान सरकार विविध सरकारी संसाधनों को गतिशील करने के उपायों को उन्नत कर रहा है। ऐसा इसलिए ताकि विकासशील/उभर रहे देशों के सक्षम मानव संसाधन सर्वोत्तम जापानी कम्पनियों के गहन कार्य अनुभवों के माध्यम से अपने अपने देशों की औद्योगिक प्रगति में और सक्रिय भूमिका निभा सकें तथा वे यह भी जान सकें कि जापान में किस तरह नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुझे आपको सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि हमारा संस्थान इस कार्यक्रम हेतु भारत से चुने गये 09 संस्थानों में से एक है। नवप्रवर्तित एशिया परियोजना के प्रथम बैच में 15 भारतीय विद्यार्थी शोध अध्येता के रूप में हैं जिनमें से 07 विद्यार्थी पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर से चयनित किए गए हैं।



जापान एवं भारत सरकारों के बीच हस्ताक्षरित संधि के अंतर्गत संस्थान का जापान के साथ एक विशेष संबंध है। इस संधि से हमारे संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों को शानदार अवसर प्राप्त होते हैं जिससे वे अपने जापानी समकक्षों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करते हैं। इस संयुक्त सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत हमारे संकाय सदस्य डॉ. अतुल गुप्ता, विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग ने 13 से 20 दिसम्बर 2016 तक जापान का भ्रमण किया। जे.ई.एन.ई.एस.वाय.एस. कार्यक्रम के तत्वावधान में जापान भ्रमण कार्यक्रम के दौरान 10 विद्यार्थी भी उनके साथ थे। इसी तरह संस्थान के 04 छात्रों को ट्रिपल आईटीडीएम जबलपुर एवं जापान सहभागिता के अंतर्गत 6 माह के इंटर्नशिप का प्रस्ताव दिया गया। सत्र 2016-17 के दौरान 16 जापानी प्रोफेसर हमारे शैक्षणिक कार्यक्रम में योगदान करने के उद्देश्य से संस्थान आये।

ट्रिपल आई.टी.डी.एम.जे. एवं जापान संयुक्त सहभागिता के अंतर्गत ट्रिपल आई.टी.डी.एम. जबलपुर के विकास हेतु जापान के निम्नलिखित कन्सोर्टियम सहयोगी हैं :-

(अ) विश्वविद्यालय / संस्थान

- | | |
|---|-----------------------------------|
| I. टोकियो विश्वविद्यालय (राष्ट्रीय विश्वविद्यालय) | ii. टोकियो प्रौद्योगिकी संस्थान |
| iii. टोहोकू विश्वविद्यालय | iv. कियुशू विश्वविद्यालय |
| v. कानागावा प्रौद्योगिकी संस्थान | vi. शिबामुरा प्रौद्योगिकी संस्थान |
| vii. चिबा विश्वविद्यालय जापान | |

(ब) उद्योग

- | | |
|-------------------|---------------------|
| I. हिटाची | ii. तोशिबा |
| iii. जीई (एनर्जी) | iv. सुमितोयो मेटल्स |
| v. आमाडा | vi. ओकुमा |

वर्ष के दौरान संस्थान में निम्नलिखित एमओयू (सहमति पत्र) हस्ताक्षरित किए गये हैं :-

1. स्मार्ट सिटी लैब जी.एम.बी. एच.आई.जी. जर्मनी के साथ एम.ओ.यू.

कई दौर की बातचीत और ज्ञान के आदान प्रदान के बाद ट्रिपल आई टी डीम जबलपुर, एफ.आई. वेयर (फ्यूचर इन्टरनेट वेयर) की वैश्विक पहल के साथ संबद्ध हुआ। इस वैश्विक पहल की भारत में शुरुवात स्मार्ट सिटीज लैब के माध्यम से हुई। ट्रिपल आई.टी.डी.एम. जबलपुर एवं स्मार्ट सिटी लैब जर्मनी के बीच



स्मार्ट सिटी एप्लिकेशन संबंधी सूचना प्रौद्योगिकी औजार विकसित करने तथा सहयोग हेतु एक सहमति पत्र (एम ओ यू) हस्ताक्षरित किया गया है ।

2. अल्फा टी. के. जी. कार्पोरेशन लिमिटेड जापान के साथ एम.ओ.यू.

अल्फा टी.के.जी. कार्पोरेशन लिमिटेड एवं पीडीपीएम ट्रिपल आई.टी.डी. एम. जबलपुर ने दोनों संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 12 दिसंबर 2016 को एक करार पर हस्ताक्षर किये। इस करार का लक्ष्य स्मार्ट सिटी के क्षेत्र में छात्र एवं संकाय सदस्यों के आदान-प्रदान, छात्र इंटरनशिप तथा प्लेसमेंट, कार्यशालाओं / सम्मेलनों / संगोष्ठियों के आयोजन सहित संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों को विकसित करना और उन्हें बढ़ावा देना है ।

पिछले वर्षों में हस्ताक्षरित सहमति पत्रों/करारों से भी अनुसंधान एवं विकास, शैक्षणिक गतिविधियों, इंटरनशिप, प्लेसमेंट, प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में सार्थक योगदान जारी हैं। इन सहमति पत्रों/करारों में भारत फोर्ज लिमिटेड, आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड कोलकाता, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के साथ हस्ताक्षरित एमओयू शामिल हैं। जबलपुर एकेडेमिया इनिशियेटिव के तत्वावधान में जबलपुर के विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के साथ भी हमने कार्य संबंध स्थापित किया है।

स्टाफ

संस्थान को अपने प्रतिबद्ध स्टाफ पर गर्व है। स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। संस्थान द्वारा स्टाफ और अधिकारियों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया जाता है ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेकर वे अपने कौशल को बढ़ा सकें तथा गुणवत्तापूर्ण सेवा दे सकें। कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र संबंधी कौशल को समयानुकूल बनाने तथा उनमें और निखार लाने के उद्देश्य से आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता है ।

1. वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिये संस्थान को योजना अनुदान के रूप में रु. 2200.34 लाख की राशि स्वीकृत की गई। वित्तीय वर्ष 2016-17 में संस्थान को रु. 891.50 लाख की आंतरिक आय हुई जिसे संस्थान की समग्र निधि (कोर्पस फण्ड) में अंतरित किया गया।
2. वित्तीय वर्ष 2016-17 की समाप्ति पर संस्थान की समग्र निधि (कोर्पस फण्ड) रु. 3131.74 लाख थी जिसमें से रु. 1039.56 लाख की राशि संस्थान को सामान्य अनुदान की राशि कम पड़ने की स्थिति में प्रतिपूर्ति हेतु ऋण के रूप में दी गई ।



अनुदान की स्वीकृति एवं उसके उपयोग का मदवार विवरण निम्नानुसार है -

विवरण	मद 36 (वेतन)	मद 31 (सामान्य व्यय)	मद 35 (पूँजीगत परिसम्पत्तियों का निर्माण)	योग (लाख रुपये में)
1.4.2016 को रोकड़ जमा	133.87	-431.51	42.59	-255.05
वित्तीय वर्ष 2016-17 में प्राप्त अनुदान	1306.74	893.60	निरंक	2200.34
कुल उपलब्ध राशि	1440.61	462.09	42.59	1945.29

उपलब्ध कुल निधि में से रु. 2663.61 लाख का निम्न मदों में उपयोग किया गया :-

विवरण	मद 36 (वेतन)	मद 31 (सामान्य व्यय)	मद 35 (पूँजीगत परिसंपत्तियों का निर्माण)	योग (लाख रुपये में)
उपलब्ध अनुदान	1440.61	462.09	42.59	1945.29
व्यय राशि	1120.75	1509.64	41.22	2663.61
31.3.2017 को रोकड़ शेष	319.86	-1039.55	1.37	-718.32

- i- मूल्यहास की प्रतिपूर्ति एवं शेष राशि:- मूल्यहास रु. 608.04 लाख का हुआ जिसकी प्रतिपूर्ति संस्थान की समग्र निधि से ऋण लेकर की गई। वित्तीय वर्ष 2015-16 में ऋण के रूप में ली गई रु. 27.37 लाख की राशि संस्थान की आंतरिक निधि में जमा की गई।
- ii. संस्थान के पास कुल रोकड़ जमा के रूप में रु. 1861.59 लाख की समग्र निधि थी जिसमें आंतरिक आय से रु. 871.50 की राशि की वृद्धि हुई। इसमें से रु. 608.04 लाख की राशि संस्थान को सामान्य खर्च हेतु ऋण के रूप में दी गई। 31.3.2017 की समाप्ति पर संस्थान की आंतरिक समग्र निधि में कुल 2173.08 लाख की राशि जमा थी।



आधारभूत संरचना

संस्थान ने अपनी परिकल्पित योजनाओं के अनुरूप विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आधारभूत संरचना निर्माण के सतत प्रयास किए हैं। आगंतुक आवास, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और बॉस्केटबाल खेल संकुल को कार्य रूप दिया गया है।

अन्य गतिविधियाँ

- ✦ 14 से 28 सितम्बर 2016 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवधि में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए यथा— संभाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, हास्य—व्यंग्य कविता पाठ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- महिला प्रकोष्ठ द्वारा महिला अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर संस्थान की छात्राओं हेतु 8 मार्च 2017 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका विषय “आत्मरक्षा” रखा गया था।
- ✦ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 16 से 21 जून 2016 तक एक योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।
- ✦ संस्थान का प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संस्थान से जुड़े लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवायें मुहैया करा रहा है जिसमें परामर्श भी शामिल हैं। विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण, डायग्नोसिस संचालित किए जा रहे हैं।
- ✦ संस्थान द्वारा अपने परिसर तथा निकटवर्ती गाँवों में साल भर स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान में विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागेदारी रही।
- ✦ संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना टीम आसपास के 05 गाँवों में सक्रियता से काम कर रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक ग्रामवासियों के बीच सफाई, प्रौढ़ साक्षरता और पानी की समस्या के बारे में जागरूकता पैदा कर रहे हैं।
- ✦ वर्ष 2010 से संस्थान के विद्यार्थी “जागृति” नामक विद्यार्थी क्लब के अंतर्गत निकटवर्ती गाँवों के बच्चों को शिक्षित करने के लिए अपना समय और अपनी ऊर्जा समर्पित कर रहे हैं। हमारे विद्यार्थी परिसर में प्रतिदिन नियमित रूप से कक्षायें संचालित कर रहे हैं। ये स्वयंसेवी छात्र इन बच्चों को उनके समग्र विकास हेतु विविध कौशल यथा—संगीत, रंगोली बनाने एवं नाट्य विद्या आदि की भी शिक्षा प्रदान करते हैं।

यह वर्ष उपलब्धियों का वर्ष रहा है और संस्थान परिसर प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति का साक्षी बना है। विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने संस्थान की परम्पराओं तथा संस्कृति निर्माण में सार्थक योगदान किया है।

(प्रमोद कुमार जैन)
निदेशक



संस्थान

संक्षिप्त ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान (पीडीपीएम, आईआईआईटीडीएम जबलपुर) की स्थापना, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा, मध्यप्रदेश सोसायटी पंजीयन अधिनियम 1973 के अंतर्गत 24 जनवरी, 2005 को की गई थी। संस्थान की नींव का पत्थर तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री स्व. श्री अर्जुनसिंह द्वारा 7 फरवरी 2005 को रखा गया। पीडीपीएम, आईआईआईटीडीएम जबलपुर का पहला शैक्षिक सत्र अगस्त 2005 से प्रारंभ हुआ। संस्थान ने अपना कार्य, अस्थायी परिसर के तौर पर जबलपुर इंजीनियरिंग महाविद्यालय के आईटी भवन से प्रारंभ किया। आईआईटी कानपुर के निदेशक, प्रोफेसर संजय जी. धांडे को संस्थान के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। साथ ही साथ संस्थान के लिए उपयुक्त भूमि की खोज का प्रयत्न भी चलता रहा जिसमें नए संस्थान का परिसर विकसित किया जा सके। 3 मई, 2006 को डुमना एयरपोर्ट के पास 250 एकड़ उपयुक्त भूमि की पहचान कर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संस्थान को सुपुर्द की गई। इमारतों के पहले चरण का निर्माण कार्य 2007 में प्रारंभ हुआ।

विज्ञान

पीडीपीएम, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर, अभिकल्पन एवं विनिर्माण के विस्तृत क्षेत्र में, क्रॉस डिसिप्लिनेरी, नवाचार, भविष्यवादी, एवं स्फूर्त दृष्टिकोण के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण अध्यापन एवं शोध के लिए एक वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में उभरेगा।

मिशन

उच्च स्तरीय शोध एवं प्रशिक्षण का वातावरण तैयार करना जो –

- ✦ बौद्धिक एवं सृजनात्मक विकास के लिए अधिकतम अवसर उपलब्ध करे।
- ✦ इंटर डिसिप्लिनेरी दृष्टिकोण से जीवन की वास्तविक समस्याओं पर निदान उपलब्ध करे।
- ✦ छात्रों को कक्षा के अध्यापन मात्र से ज्ञान के अंतरण की अपेक्षा प्रश्न पूछकर एवं वास्तविक अनुभव से सीखने हेतु प्रोत्साहित करना।

मूल्य

संस्थान की सतत चलते रहने वाली गतिविधियों के अलावा संस्थान से यह अपेक्षा की गई कि भविष्य की योजना बनाते समय वह गहरी जड़ों तक व्याप्त जीवन मूल्यों की आपसी समझ एवं आकांक्षा से मार्गदर्शित हो कर कार्य करे। इस प्रकार की मजबूत चौखट के अंतर्गत कार्य करते समय संस्थान :



- (ए) से अपेक्षित है कि वह ऐसे वातावरण की स्थापना एवं संधारण करें, जिसमें शैक्षिक समुदाय के लिए बौद्धिक एवं सृजनात्मक जोखिम लेना संभव हो एवं वह आने वाले वर्षों में तकनीकी अनुसंधानों एवं विकास हेतु होने वाले बदलावों को समाहित कर सके।
- (बी) से अपेक्षित है कि वह बौद्धिक जिज्ञासा को बढ़ावा देकर एवं शैक्षिक स्वतंत्रता के मूल सिद्धांतों को सुरक्षित रखते हुए, सीखने में उत्कृष्ट कार्यप्रदर्शन, अध्यापन, छात्रवृत्तियां, शोध एवं अन्य सृजनात्मक गतिविधियों की पहचान, प्रोत्साहन, एवं पुरस्कृत करें।
- (सी) ऐसा वातावरण उपलब्ध कराएं, जिसमें प्रकृति एवं पर्यावरण, संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों के लिए आदर परिलक्षित हो।
- (डी) से आकांक्षा है कि सहनशीलता एवं तर्कपूर्ण बहस के ऐसे वातावरण को बनाएं, जिसमें लिंग, जाति, धर्म या प्रांतीयता के पूर्वाग्रह के बिना, एक सभ्य परिसर वातावरण बनाने हेतु योगदान करते हुए, संस्थान के प्रत्येक घटक सदस्य के व्यक्तिगत सम्मान एवं महत्व की पुष्टि करें।



संस्थान एक नजर में

संकाय सदस्यों की कुल संख्या	48+5 तकनीकी अधिकारी																		
अधिकारियों की कुल संख्या	7																		
सहायक कर्मचारियों की कुल संख्या	44																		
विद्यार्थियों की कुल संख्या	1364 (1056 स्नातक + 200 स्नात्कोत्तर + 108 शोधार्थी)																		
शैक्षणिक कार्यक्रम	<table><tr><td>1. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में स्नातक</td><td>9. डिजाइन स्नात्कोत्तर</td></tr><tr><td>2. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युटेशन इंजीनियरिंग में स्नातक</td><td>10. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में शोधार्थी</td></tr><tr><td>3. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक</td><td>11. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युटेशन इंजीनियरिंग में शोधार्थी</td></tr><tr><td>4. डिजाइन में स्नातक</td><td>12. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में शोधार्थी</td></tr><tr><td>5. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर</td><td>13. डिजाइन शोधार्थी</td></tr><tr><td>6. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युटेशन इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर</td><td>14. प्राकृतिक विज्ञान (गणित) शोधार्थी</td></tr><tr><td>7. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर</td><td>15. प्राकृतिक विज्ञान (भौतिक) शोधार्थी</td></tr><tr><td>8. मैकैट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर</td><td>16. प्राकृतिक विज्ञान (अंग्रेजी) शोधार्थी</td></tr></table>			1. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में स्नातक	9. डिजाइन स्नात्कोत्तर	2. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युटेशन इंजीनियरिंग में स्नातक	10. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में शोधार्थी	3. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक	11. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युटेशन इंजीनियरिंग में शोधार्थी	4. डिजाइन में स्नातक	12. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में शोधार्थी	5. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर	13. डिजाइन शोधार्थी	6. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युटेशन इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर	14. प्राकृतिक विज्ञान (गणित) शोधार्थी	7. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर	15. प्राकृतिक विज्ञान (भौतिक) शोधार्थी	8. मैकैट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर	16. प्राकृतिक विज्ञान (अंग्रेजी) शोधार्थी
1. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में स्नातक	9. डिजाइन स्नात्कोत्तर																		
2. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युटेशन इंजीनियरिंग में स्नातक	10. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में शोधार्थी																		
3. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक	11. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युटेशन इंजीनियरिंग में शोधार्थी																		
4. डिजाइन में स्नातक	12. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में शोधार्थी																		
5. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर	13. डिजाइन शोधार्थी																		
6. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युटेशन इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर	14. प्राकृतिक विज्ञान (गणित) शोधार्थी																		
7. मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर	15. प्राकृतिक विज्ञान (भौतिक) शोधार्थी																		
8. मैकैट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नात्कोत्तर	16. प्राकृतिक विज्ञान (अंग्रेजी) शोधार्थी																		
दीक्षांत समारोह 2016	प्रदान की गई उपाधियाँ: स्नातक-247, स्नात्कोत्तर -69, शोधार्थी -10																		
कैम्पस	1000000 वर्ग कि.मी.																		
निर्मित भवन (न्यायाधार क्षेत्रफल)	69966 वर्ग कि.मी.																		
निर्माणाधीन भवन (न्यायाधार क्षेत्रफल)	56812 वर्ग कि.मी.																		
प्रमुख अधिकृत भवन	3 छात्रावास (क्षमता 1400) 1 मैस एवं डायनिंग हॉल 1 आगंतुक छात्रावास - (36 डबल बैड रुम) 1 व्याख्यान कक्ष एवं ट्यूटोरियल परिसर (7 कक्ष और 16 कक्षा कक्ष) 1 कोर लैब कॉम्प्लेक्स + कार्यशाला एनेक्सी 1 नर्मदा निवास-II (55 2BHK फ्लेट)																		
विद्यार्थी गतिविधि केन्द्र	1 बॉस्केट बॉल परिसर 1 लॉन टेनिस कोर्ट 1 वॉलीबॉल मैदान 1 सार्वजनिक खेल परिसर + 400 मीटर ट्रैक. 1 विद्यार्थी गतिविधि केन्द्र - निर्माणाधीन भवन																		
आय (2016-17) राशि लाख में	प्राप्त अनुदान	वित्त वर्ष 2015-16 का अव्ययित शेष																	
	220034	19977																	
व्यय (2016-17) राशि लाख में	पूँजी (मद 35)	सामान्य (मद 31)	वेतन (मद 36)																
	41.22	1501.64	1120.75																



प्रशासन

प्रशासन और शासन – यह संस्थान अब आई.आई.आई.टी. एक्ट 2014 के अंतर्गत संचालित है उक्त एक्ट के तहत संस्थान की प्रशासनिक संरचना निम्नवत है:

- संचालक मंडल (बी.ओ.जी.)
- वित्त समिति (एफ.सी.)
- विद्या परिषद (सीनेट)
- भवन एवं निर्माण समिति (बी.डबल्यू.सी.)

संचालक मंडल (बी. ओ. जी.)

सदस्य के नाम

पद

डॉ कोटा हरिनारायणा

अध्यक्ष

श्री डी एम गुप्ता, आई.ओ.एफ.एस.(सेवानिवृत्त)
पूर्व डीजीओएफ एवं अध्यक्ष,
आयुध निर्माणी बोर्ड

सदस्य (06.03.2017 से)

प्रोफेसर सुधीर के. जैन
निदेशक, आईआईटी गांधीनगर

सदस्य

प्रोफेसर हरीश कार्निंक
प्रोफेसर, आईआईटी-कानपुर

सदस्य

श्री अजय कुमार (आईएएस)
संयुक्त सचिव,
इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
भारत सरकार

सदस्य (1.4.2016 से 1.9.2016 तक)

श्री संजीव मित्तल,
संयुक्त सचिव (एच.आर.डी.)
इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
भारत सरकार

सदस्य (02.09.2016 से)

श्री संजीव शर्मा
निदेशक (एनआईटी), मा.स.वि.म. भारत सरकार

सदस्य (पदेन)



श्री मनीष रस्तोगी (आईएएस) सचिव, आईटी विभाग, म.प्र. सरकार	सदस्य (पदेन) (1.4.16 से 1.12.16)
श्री मो. सुलेमान (आईएएस) सचिव, आईटी विभाग, म.प्र. सरकार	सदस्य (पदेन) (2.12.16 से)
डॉ शंकर कुमार पाल विशिष्ट वैज्ञानिक और पूर्व निदेशक, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता	सदस्य
प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन निदेशक पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन)
प्रोफेसर जनत शाह निदेशक आईआईएम उदयपुर	सदस्य
प्रोफेसर पी एन कोंडेकर पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य
प्रोफेसर विजय कुमार गुप्ता पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य
श्री आर पी द्विवेदी कुलसचिव पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सचिव (पदेन)

वर्ष 2016-17 में संचालक मंडल की चार बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।



वित्त समिति

सदस्य के नाम	पद
डॉ कोटा हरिनारायण	अध्यक्ष
प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन निदेशक पीडीपीएम— आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन)
सुश्री तृप्ति गुरहा निदेशक (आईआईआईटी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय	सदस्य (पदेन)
श्री राजेश सिंह निदेशक (आईएफडी), मानव संसाधन विकास मंत्रालय	सदस्य (पदेन) (1.4.2016 से 28.11.2016 तक)
श्री अशोक महेश्वरी निदेशक (वित्त), मानव संसाधन विकास मंत्रालय	सदस्य (पदेन) (29.11.2016 से)
श्री डी एम गुप्ता, आईओएफएस (सेवानिवृत्त) पूर्व डीजीओएफ एवं अध्यक्ष, आयुध निर्माणी बोर्ड	सदस्य
श्री मुनीश मलिक वित्त अधिकारी आई.आई.टी. कानपुर	सदस्य
श्री नरेश जोशी सहायक कुलसचिव (वित्त एवं लेखा)	सचिव (पदेन)

वित्त समिति की दो बैठकें 2016-17 के दौरान आयोजित की गईं।



भवन एवं निर्माण समिति

सदस्य के नाम	पद
प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन निदेशक पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन)
श्री डी एम गुप्ता, आईओएफएस (सेवानिवृत्त) पूर्व डीजीओएफ एवं अध्यक्ष, आयुध निर्माणी बोर्ड	सदस्य (26.12.2016 से)
श्री एन वर्मा एस.ई. (सिविल) आईआईटी इंदौर	सदस्य (01.04.2016 से 30.09.2016 तक)
प्रो. पुनीत टंडन अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (01.04.2016 से 31.05.2016 तक)
प्रो. पी. एन. कोंडेकर अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (01-06-2016 से)
श्री अजय सिंह मुख्य अभियंता, डीआरडीओ, नई दिल्ली	सदस्य
श्री अनिल कुमार पांडेय एस ई (इलेक्ट्रिकल), एमपीपीकेवीवीसीएल जबलपुर	सदस्य
श्री आर पी द्विवेदी रजिस्ट्रार और ओ आई/सी एस्टेट पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सचिव (पदेन)

भवन एवं निर्माण समिति की दो बैठकें 2016-17 के दौरान आयोजित की गई थी।



भवन एवं निर्माण समिति

सदस्य के नाम	पद
प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन निदेशक पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन)
श्री डी एम गुप्ता, आईओएफएस (सेवानिवृत्त) पूर्व डीजीओएफ एवं अध्यक्ष, आयुध निर्माणी बोर्ड	सदस्य (26.12.2016 से)
श्री एन वर्मा एस.ई. (सिविल) आईआईटी इंदौर	सदस्य (01.04.2016 से 30.09.2016 तक)
प्रो. पुनीत टंडन अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (01.04.2016 से 31.05.2016 तक)
प्रो. पी. एन. कोंडेकर अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (01-06-2016 से)
श्री अजय सिंह मुख्य अभियंता, डीआरडीओ, नई दिल्ली	सदस्य
श्री अनिल कुमार पांडेय एस ई (इलेक्ट्रिकल), एमपीपीकेवीवीसीएल जबलपुर	सदस्य
श्री आर पी द्विवेदी रजिस्ट्रार और ओ आई/सी एस्टेट पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सचिव (पदेन)

भवन एवं निर्माण समिति की दो बैठकें 2016-17 के दौरान आयोजित की गई थी।

विद्या परिषद

सदस्य के नाम	पद
प्रो. प्रमोद कुमार जैन निदेशक पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	अध्यक्ष (पदेन)



प्रो. पुनीत टंडन अधिष्ठाता (आरएसपीसी) पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन) (01.06.2016 से)
प्रो. पुनीत टंडन अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन) (31.05.2016 तक)
प्रो. पी एन कोंडेकर अधिष्ठाता (नियोजन एवं विकास), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन) (01.06.2016 से)
प्रो. तनुजा शेवडे अधिष्ठाता (विद्यार्थी कार्यकलाप), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन) (01.04.2016 से 31.05.2016 तक)
डॉ. प्रशांत कुमार जैन अधिष्ठाता (विद्यार्थी कार्यकलाप), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन) (01.06.2016 से)
प्रो. विजय कुमार गुप्ता अधिष्ठाता (अकादमिक), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन) (01.04.2016 से 31.05.2016 तक)
डॉ. प्रबीन कुमार पाधी अधिष्ठाता (अकादमिक), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन) (01.06.2016 से)
डॉ. प्रशांत कुमार जैन विषय प्रमुख (मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन) (01.04.2016 से 19.06.2016 तक)
प्रो. विजय कुमार गुप्ता विषय प्रमुख (मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन) (20.06.2016 से)
प्रो. पी एन कोंडेकर विषय प्रमुख (ई.सी.ई. विभाग), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन) (01.04.2016 से 19.06.2016 तक)
डॉ. दिनेश कुमार विश्वकर्मा विषय प्रमुख (ई.सी.ई. विभाग), पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर	सदस्य (पदेन) (20.06.2016 से)



डॉ प्रवीर मुखोपाध्याय
विषय प्रमुख (डिजाइन विभाग)
पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर

सदस्य (पदेन)

डॉ अतुल गुप्ता
विषय प्रमुख (सी.एस.ई. विभाग)
पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर

सदस्य (पदेन) (01.04.2016 से 30.11.2016 तक)

डॉ प्रिती खन्ना
विषय प्रमुख (सी.एस.ई. विभाग)
पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर

सदस्य (पदेन) (01.12.2016 से)

डॉ एम के रॉय
विषय प्रमुख (प्राकृतिक विज्ञान विभाग)
पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर

सदस्य (पदेन) (01.04.2016 से 30.11.2016 तक)

डॉ सुबीर सिंह लांबा
विषय प्रमुख (प्राकृतिक विज्ञान विभाग)
पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर

सदस्य (पदेन) (01.12.2016 से)

प्रो. अपराजिता ओझा
पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर

सदस्य

प्रो. तनुजा शेवड़े
पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर

सदस्य

प्रो. वी एम गदरे
आईआईटी बॉम्बे

सदस्य

प्रो. पी.वी.एम. राव
आईआईटी दिल्ली

सदस्य

प्रो. अमिताभ मुखर्जी
आई आई कानपुर

सदस्य

डॉ. देबानिक रॉय
भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई

सदस्य

डॉ एस सी बोस
(सीरी), पिलानी, राजस्थान

सचिव (पदेन)

श्री रामफल द्विवेदी
कुलसचिव,
पीडीपीएम- आईआईआईटीडीएम, जबलपुर

शिक्षण सत्र 2016-17 के दौरान विद्या परिषद की तीन बैठकें आयोजित की गईं।



सीनेट की विभिन्न स्थायी समितियां

सीनेट छात्र सलाहकार समिति (एसएसएस) 01.04.2016 से 03.07.2016

प्रो. तनुजा शेवडे अधिष्ठाता (विद्यार्थी कार्यकलाप)	-	संयोजक (पदेन)
प्रोफेसर पी एन कोंडेकर प्रधान, परामर्श सेवा	-	सदस्य (पदेन)
डॉ. सुबीर सिंह लांबा	-	सदस्य (नामिति प्राकृतिक विज्ञान विभाग)
डॉ. गौतम दत्ता	-	सदस्य (नामिति मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग)
डॉ. श्रवण कुमार मोहंती	-	सदस्य (नामिति सी.एस.ई. विभाग एवं वार्डन छात्रावास-IV)
डॉ. सचिन कुमार जैन	-	सदस्य (नामिति ई.सी.ई. विभाग एवं एसोसिएट वार्डन छात्रावास -IV)
डॉ. संगीता पंडित	-	सदस्य (नामिति डिजाइन विभाग एवं एसोसिएट वार्डन छात्रावास -I)
श्री संतोष कुमार राय स्नात्कोत्तर छात्र (छात्र सीनेट)	-	सदस्य (पदेन)
श्री आशीष जैन स्नातक छात्र (छात्र सीनेट)	-	सदस्य (पदेन)
श्री अनुराग प्रकाश - सदस्य (पदेन)		

सीनेट छात्र सलाहकार समिति (एसएसएस) 04.07.2016 से 31.03.2017

डॉ. प्रशांत कुमार जैन अधिष्ठाता (विद्यार्थी कार्यकलाप)	-	संयोजक (पदेन)
प्रोफेसर पी एन कोंडेकर प्रधान, परामर्श सेवा	-	सदस्य (पदेन)
डॉ. विनोद कुमार जैन	-	सदस्य (वार्डन, छात्रावास - IV)
डॉ. मातादीन बंसल	-	सदस्य (वार्डन, छात्रावास - III)
डॉ. संगीता पंडित	-	सदस्य (एसोसिएट वार्डन, छात्रावास - I)
डॉ. पवन कुमार कांकर	-	वार्डन के अतिरिक्त संकाय सदस्य
श्री गौरव पाण्डेय प्रतिनिधि, परामर्श सेवा	-	सदस्य



सीनेट छात्र पुरस्कार समिति (एसपीएसीएस)

डॉ. सुबीर सिंह लांबा	—	संयोजक
डॉ. सुजॉय मुखर्जी	—	सदस्य
डॉ. सुनील अग्रवाल	—	सदस्य (पदेन)
डॉ. अतुल गुप्ता	—	सदस्य
डॉ. प्रबीर मुखोपाध्याय	—	सदस्य
डॉ. पवन कांकर	—	सदस्य

सीनेट अकादमिक प्रोग्राम समिति (एपीसीएस)

डॉ. प्रबीन कुमार पाधी अधिष्ठाता (अकादमिक)	—	संयोजक (पदेन)
डॉ. अतुल गुप्ता	—	सदस्य
डॉ. भूपेन्द्र गुप्ता	—	सदस्य
डॉ. मो. जाहिद अंसारी	—	सदस्य
डॉ. मातादीन बंसल	—	सदस्य
डॉ. संगीता पंडित	—	सदस्य



शैक्षणिक/प्रशासनिक स्टाफ

संकाय

एक शैक्षणिक संस्थान की मुख्य क्षमता उसके संकाय सदस्य होते हैं जो युवा मस्तिष्क को महान उपलब्धिकर्ता बनने तथा उनकी श्रेष्ठ होने की पिपासा को आकार देते हैं। संस्थान के पास एक मजबूत संकाय सदस्यों का आधार है, जो राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से पी.एच.डी.धारी हैं। नियमित संकाय सदस्यों एवं शोध अभियंताओं के अतिरिक्त संस्थान में तकनीकी तथा विज्ञान के नवीन उभरने क्षेत्रों एवं सामयिक शिक्षा जो आम आदमी के दैनिक जीवन में प्रभाव डालते हैं।

संकाय सदस्यों, शोध अभियन्ताओं एवं उनकी विशेषताओं की सूची निम्नानुसार है:-

नाम एवं पद

प्रोफेशनल विवरण

कार्यक्षेत्र एवं विशेषज्ञता

प्राध्यापक



प्रो. प्रमोद कुमार जैन

रूड़की विश्वविद्यालय
से शोध उपाधि

कैड/कैम, सी.ए.पी.पी., कॉनकरन्ट
इंजीनियरिंग: डिजाइन फॉर
असेम्बली, टॉलेरेन्स डिजाइन
मैनुफेक्चरिंग सिस्टम्स, मॉडलिंग एवं
सिमुलेशन, एफ. एम.एस., सी.एम.
एस., आर.एम.एस, एजेन्ट बेस्ड
सिस्टम्स, शेड्यूलिंग ऑपरेशन
मैनेजमेंट, कैपेसिटी प्लानिंग, लोडिंग
एवं शेड्यूलिंग, रिसोर्स प्लानिंग
मशीनिंग साइंस, कन्वेन्सनल एवं
अनकन्वेन्सनल बोथ (ई.डी.एम.,
डब्लू.ई.डी.एम., ई.सी.एम., ई.सी.एच.
इत्यादि) सरफेस इंजीनियरिंग,
कोटिंग्स



प्रो. अपराजिता ओझा

रा.दु.वि.वि., जबलपुर
से शोध उपाधि

सी.ए.जी.डी., फाइनाइट ऐलीमेन्ट्स,
स्पलाइन थ्योरी, एप्रोक्सिमेशन
थ्योरी, वेवलेट एनालिसिस



प्रो. पुनीत टंडन

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, कानपुर से
शोध उपाधि

कम्प्यूटर एडेड डिजाइन, कम्प्यूटर
एडेड मैनुफेक्चरिंग, रेपिड प्रोटो-
टाइपिंग एण्ड टूलिंग टेक्नोलोजीस,
रिवर्स इंजीनियरिंग, प्रोडक्ट
इनोवेशन, डिजाइन एवं डेवलपमेंट



प्रो. तनुजा शेवडे

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, कानपुर से
शोध उपाधि

सी. एफ. डी., एल्गोरिदम
डेवलपमेंट, पैरलल कम्प्यूटेशन



प्रो. विजय कुमार गुप्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, बाम्बे से
शोध उपाधि

मैकेनिकल इंजीनियरिंग
(डिजाइन)



प्रो. पी. एन. कोंडेकर

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, बाम्बे से
शोध उपाधि

माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स, वी.एल.एस.
आई.- सी.एम.ओ.एस. लेवल
डिजाइन, नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स
डिजाइन एवं सेमीकंडक्टर पावर
डिवाइस, टेक्नोलॉजी फॉर
एजुकेशन

सह-प्राध्यापक



डॉ. प्रिती खन्ना

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
से शोध उपाधि

कम्प्यूटर ग्राफिक्स, डाटाबेस
मैनेजमेंट सिस्टमस्, डेटा स्ट्रक्चर,
एल्गोरिदमस्, कम्प्यूटर इनेबल्ड
प्रोडक्ट डिजाइन



डॉ. अतुल गुप्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, कानपुर से
शोध उपाधि

सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, ऑब्जेक्ट
ओरियेन्टेड सिस्टम्स, इम्पीरियल
सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर
टेस्टिंग



डॉ. प्रबीन कुमार पाधी

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, गुवाहाटी से
शोध उपाधि

कन्ट्रोल सिस्टम



डॉ. सुनील अग्रवाल

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, कानपुर से
शोध उपाधि

इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, प्रोडक्सन
एण्ड ऑपरेशन मेनेजमेंट,
प्रोबेबिलिटी एण्ड स्टेटिक्स, टाइम
सिरीज एनालिसिस एण्ड क्वालिटी
कन्ट्रोल



डॉ. प्रशान्त कुमार जैन

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, दिल्ली से
शोध उपाधि

रेपिड प्रोटोटाइपिंग टूलिंग सीएनसी
मशीनिंग, ज्योमेट्रिक मॉडलिंग,
कैड/कैम इन्टीग्रेशन, कम्प्यूटेशनल
ज्यामेट्री, नैनो टेक्नोलॉजीस इन
मैनुफैक्चरिंग



डॉ. गौतम दत्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, बाम्बे से शोध
उपाधि

थर्मल एवं फ्लूइड इंजीनियरिंग
(मैकेनिकल)



डॉ. दिनेश कुमार
विश्वकर्मा

भारतीय विज्ञान
संस्थान, बँगलौर से
शोध उपाधि

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स, एन्टेना,
माइक्रोवेव, एप्लाइड फोटोनिक्स,
फोटोटॉनिक क्रिस्टल्स एवं
आप्टिकल कम्युनिकेशन



डॉ. प्रबीर मुखोपाध्याय

लिमेरिक
विश्वविद्यालय,
आयरलैण्ड से शोध
उपाधि

इरगोनॉमिक्स



डॉ. जावर सिंह

ब्रिस्टल विश्वविद्यालय,
यूके से शोध उपाधि

वीएलएसआई, लो पॉवर सिस्टम
डिजाइन, बायोमेडिकल सिस्टम
डिजाइन, इन्ट्रुमेन्टेशन



डॉ. आशीष कुमार
कुन्दू

जे.एन.सी.ए.एस.आर.
से शोध उपाधि

ठोस अवस्था भौतिकी

सहायक प्राध्यापक



डॉ. सुबीर सिंह लाम्बा

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, कानपुर से
शोध उपाधि

पैरेलल कम्प्यूटिंग, स्पेक्ट्रल मेथड,
कम्प्यूटेशनल पलीड डायनेमिक्स



डॉ. मुकेश कुमार रॉय

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, कानपुर से
शोध उपाधि

न्यूक्लियर फिजिक्स टेक्नीक,
मटेरियल साइंस



डॉ. भूपेन्द्र गुप्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, कानपुर से
शोध उपाधि

प्रोबेबिलिटी थ्योरी



डॉ. एच. चेलादुइई

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, गुवाहाटी से
शोध उपाधि

डिजाइन एवं मैनुफेक्चरिंग



डॉ. एम. अमरनाथ

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, मद्रास से शोध
उपाधि

कन्डीसन बेस्ड मैन्टेनेंस,
ट्रिबोलॉजी



डॉ. लोकेन्द्र कुमार

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, कानपुर से
शोध उपाधि

स्पैक्ट्रल मैथड्स, हाइ परफॉरमेंस
कम्प्यूटिंग, कम्प्यूटेशनल लाइनर
एल्जेब्रा



डॉ. अनिल कुमार

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, रूड़की से
शोध उपाधि

डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग
(डी.एस.पी.), मल्टीरेट सिग्नल
प्रोसेसिंग (एम.एस.पी.)



डॉ. श्रबन कुमार मोहन्ती

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, गुवाहाटी से
शोध उपाधि

आई/ओ एफिसिएंट एल्गोरिदम
फॉर मेट्रिक्स कम्प्यूटेशन, आउट –
ऑफ – कोर/एक्सटर्नल मेमोरी
एल्गोरिदम, क्रिप्टोग्राफी



डॉ. ममता आनन्द

वनस्थली विद्यापीठ से
अंग्रेजी साहित्य में शोध
उपाधि

कल्चरल स्टडीज, अमेरिकन एवं
इंडियन राइटिंग इन इंग्लिश में
ट्रांसेन्डेन्टिज्म एवं स्पीजवचुआलिज्म



डॉ. पवन कुमार
कांकर

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, रुड़की से
शोध उपाधि

वाइब्रेशन बेस्ड कंडीशन
मॉनिटरिंग, मशीन डिजाइन



डॉ. निहार रंजन जेना

काशी हिन्दू
विश्वविद्यालय से शोध
उपाधि

डीएनए डायनामिक्स, डीएनए-
प्रोटीन इन्टरेक्सन, एन्जाइम
कैटालिसिस, प्रोटीन-इन्हीबिटर
बाइन्डिंग थ्योरेटिकल कैमिकल
फिजिक्स, मॉलिक्यूलर मॉडलिंग
ऑफ स्ट्रक्चर्स एंड इंटरेक्सन ऑफ
बायोमॉलिक्यूल्स, कॉम्प्लेक्स एंड
क्लस्टर



डॉ. सुजाय मुखर्जी

भारतीय विज्ञान
संस्थान, बैंगलौर से
शोध उपाधि

स्मार्ट मैटेरियल्स एवं स्ट्रक्चर्स,
स्ट्रक्चरल डॉयनेमिक्स,
एयरोइलास्टीसिटी, विंग एम.ए.व्ही.



डॉ. अमरेश चंद्र मिश्र

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, खड़गपुर से
शोध उपाधि

पारटिकल फिजिक्स, सॉलिड स्टेट
टेक्नोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल
कन्डेन्सड मैटर फिजिक्स,
इलेक्ट्रोडिपोसिटेड मैग्नेटिक फिल्म
कोटेड वायर्स फॉर जी.एम.आई.
(जाइंट मैग्नेटो-इंफेडेन्स) सेंसर
एप्लीकेशंस



डॉ. मनोज सिंह
परिहार

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
दिल्ली से शोध उपाधि

रेडियो फ्रीक्वेन्सी एवं
माइक्रोवेव इंजीनियरिंग,
रिफॉर्मिंग जेबल प्रिंटेड
सर्किट्स



डॉ. सचिन कुमार
जैन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
कानपुर से शोध उपाधि

पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स,
इलेक्ट्रिक ड्राइव्स पावर
सिस्टम्स



डॉ. विनोद कुमार
जैन

ए बी वी-आई आई आई टी एम
ग्वालियर से शोध उपाधि

कम्प्यूटर नेटवर्कस्, लोकेशन
एस्टीमेशन इन इंडोर
वायरलैस नेटवर्कस्, मशीन
लर्निंग



डॉ. मातादीन
बंसल

ए बी वी-आई आई आई टी एम
ग्वालियर से शोध उपाधि

वायरलैस संचार एवं
नेटवर्किंग



डॉ. निहार कुमार
महातो

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
खड़गपुर से शोध उपाधि

एप्लाइड फंक्शनल
एनालिसिस एवं
ऑप्टिमाइजेशन



डॉ मनोज कुमार पांडा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
कानपुर से शोध उपाधि

तरल गतिविज्ञान एवं
न्यूमेरिकल एनालिसिस,
मैथेमेटिकल मॉडलिंग ऑफ
बायो-फ्लूड डायनामिक
(फोटोटेक्टिक बायोकाँवेक्शन),
सी.एफ.डी.,



डॉ नीरज कुमार
जायसवाल

ए बी वी-आई आई आई
टी एम ग्वालियर से शोध
उपाधि

एपलाईड फिसिक्स



डॉ वरुण बजाज

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
इंदौर से शोध उपाधि

बायोमेडिकल सिग्नल
प्रोसेसिंग,
माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, व्ही एल
एस आई डिजाइन, एप्लाइड
सिग्नल प्रोसेसिंग



डॉ मनीष कुमार बाजपेई

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
कानपुर से शोध उपाधि

पैरेलल एलगोरिधम, इमेज
रिकंस्ट्रक्शन



डॉ मो. जाहिद अंसारी

इन्हा विश्वविद्यालय, कोरिया
से शोध उपाधि

एम.ई.एम.एस., बायोसेंसर,
मेकेनिकल, डिजाइन,
ऑप्टीमाइजेशन सॉलिड
मेकेनिक्स, विनिर्माण



डॉ. संगीता पंडित

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
गुवाहाटी से शोध उपाधि

डिजाइन एरगोनामिक्स एवं
वर्क फिजियोलॉजी



डॉ. रुचिर गुप्ता

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
कानपुर से शोध उपाधि

कम्प्यूटर नेटवर्क्स



डॉ. अयान सील

जादवपुर विश्वविद्यालय
से शोध उपाधि

थरमल फेस रिकॉग्निशन फॉर
बायोमेट्रिक सिक्यूरिटी सिस्टम
(इमेज प्रोसेसिंग एवं कम्प्यूटर
विज्ञान)



डॉ. विश्वजीत मुखर्जी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
इंदौर से शोध उपाधि

माइक्रोवेव एवं एन्टीना
इंजीनियरिंग



डॉ. धीरज शर्मा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
इंदौर से शोध उपाधि

माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स एवं वी.एल.
एस.आई. डिजाइन, मॉडलिंग एवं
एनालिसिस ऑफ क्वाड्रूपल एवं
सिलेंड्रिकल गेट गेट – ऑल
अराउण्ड एम.ओ.एस.एफ.ई.टी.



डॉ. कुसुम कुमारी
भारती

ए बी वी-आई आई आई
टी एम ग्वालियर से शोध
उपाधि

टेस्ट क्लरटरिंग



डॉ. दीपमाला

पं. रविशंकर शुक्ल
विश्वविद्यालय, रायपुर
से शोध उपाधि

फिक्सड प्वाइंट थ्योरी एवं
एप्लीकेशंस, डायनेमिक
प्रोग्रामिंग, इंटेगरल इक्वेशन,
नॉनलाइनर एनालिसिस



डॉ. यशपाल सिंह कठारिया

जवाहरलाल नेहरू
विश्वविद्यालय / अंतर
विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र,
नई दिल्ली से शोध उपाधि

एक्सपेरिमेंटल कंडेस्ट
मैटर फिजिक्स



डॉ. सम्राट रॉव

भारतीय विज्ञान संस्थान,
बैंगलूर से शोध उपाधि

एटमोस्फेरिक डायनेमिक्स
(एस्पेक्ट्स ऑफ ट्राॅपिकल
इस्टरली जेट यूजिंग ए
जनरल सर्कुलेशन मॉडल
(मैकेनिकल इंजीनियरिंग)



डॉ. सचिन कुमार

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान रुड़की से शोध
उपाधि

मशीन डिजाइन,
कम्पोजिट्स, फ्रैक्चर
मैकेनिक्स

अतिथि संकाय



प्रो. विनीता कौर सलूजा
विजिटिंग प्रोफेसर
(03.06.2016 तक)

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय
से शोध उपाधि

अंगेजी भाषा एवं साहित्य



डॉ. शेखर चटर्जी

गुजरात विश्वविद्यालय से
शोध उपाधि

ड्रॉइंग एवं रिप्रेसेन्टेशन,
डिजाइन स्किल, सॉफ्ट
मटेरियल एक्सप्लोरेशन,
पैटर्न डेवलेपमेन्ट, लाईफ
स्टाईल ऐसेसरी प्रॉडक्ट्स,
इंडियन कल्चर/आर्ट,
एस्थेटिक एवं विजुअल
कल्चर



तकनीकी अधिकारी



श्री अवधेश कुमार सिंह

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ
टेक्नोलॉजी, थाईलैंड से
अभियांत्रिकी परास्नातक

मैक्रॉट्रॉनिक्स



डॉ. के. के. सौन्दरा
पान्डियन

भारतीय प्रौद्योगिकी
संस्थान, पटना से शोध
उपाधि

इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड
कम्यूनिकेशन,



श्री डी. एस. रामटेके

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
इंदौर से पी.एच.डी. कर रहे हैं

मशीन डिजाइन



श्री साकेत सौरव

आई.आई.आई.टी. हैदराबाद से
पी.एच.डी. कर रहे हैं

रोबोटिक्स, एम्बेडेड सी/सी
एण्ड वीबी/वीबी डॉट नेट
प्रोग्रामिंग, नैनोसैटेलाइट एवं
सिस्टम इंजीनियरिंग



मोहम्मद शारिक हुसैन

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय, भोपाल से
अभियांत्रिकी स्नातक

डाटाबेस मैनेजमेन्ट सिस्टम



कार्यालय प्रशासन

प्रथम श्रेणी अधिकारी



श्री आर. पी. द्विवेदी
एम.सी.ए., एम.पी.एम.,
एल.एल.बी.



श्रीमति एस. डी. गडेकर
एम.बी.ए.



श्री विजय कुमार दुबे
सिविल अभियांत्रिकी,
एम.बी.ए.



श्री नरेश जोशी
एम.एस.सी.



श्री रिजवान अहमद
एम.एस.सी.



श्री संतोष महोबिया
एम.बी.ए.



श्रीमती मेनिका पटेल
एम.लिब.

कुलसचिव
सचिव (प्रशासक मंडल)
प्रथम अपीलीय अधिकारी
(आर.टी.आई.)

उप कुलसचिव
अकादमिक
विद्यार्थी कार्य

कार्यपालक अभियंता
(सिविल)

सहायक कुलसचिव
वित्त एवं लेखा
सामान्य प्रशासन

सहायक कुलसचिव
स्थापना
क्रय एवं भण्डार
जन सूचना अधिकारी

सहायक कुलसचिव
निदेशालय
फैकल्टी अफेयर्स
आंतरिक अंकेक्षण
राजभाषा अधिकारी

सहायक कुलसचिव
पुस्तकालय



कर्मचारी

द्वितीय श्रेणी कर्मचारी

क्रमांक	नाम	पद
1	श्री आर. के. मिश्रा	जूनियर इंजीनियर (सिविल)
2	श्री सुनील जाट	जूनियर इंजीनियर (सिविल)
3	श्री अशोक कुमार	अवर अधीक्षक
4	श्री एलॉयशियस बीनू माइकल	अवर अधीक्षक
5	कु. मेघा कुशवाहा	अवर अधीक्षक

तृतीय श्रेणी कर्मचारी

क्रमांक	नाम	पद
1	श्री सन्दीप अवस्थी	वरिष्ठ सहायक
2	श्री अनिल कुमार	वरिष्ठ सहायक
3	श्री शैलेश शर्मा	वरिष्ठ सहायक
4	श्री प्रवीण आर्मी	वरिष्ठ सहायक
5	श्री देव कृष्ण झा	वरिष्ठ सहायक
6	श्रीमती सपना टायाडे	वरिष्ठ सहायक
7	श्री कमलेश सिंह बरकडे	वरिष्ठ सहायक
8	श्री जितेन्द्र बहादुर सिंह	वरिष्ठ सहायक
9	श्री अखिलेश श्रीवास्तव	वरिष्ठ तकनीशियन
10	श्री आलोक कुलकर्णी	वरिष्ठ तकनीशियन
11	श्रीमती भारती केवट	वरिष्ठ तकनीशियन
12	श्री पियूष कुमार उसरेटे	वरिष्ठ तकनीशियन
13	श्री अनूप बाजपेयी	वरिष्ठ तकनीशियन
14	श्री घनश्याम मेशराम	वरिष्ठ तकनीशियन
15	श्री मयूर एस. मंगोले	वरिष्ठ तकनीशियन
16	श्री अनुपम शुक्ला	वरिष्ठ तकनीशियन



17	श्री वरुण दुबे	कनिष्ठ तकनीशियन
18	श्रीमती आयशा बेगम मंसूरी	कनिष्ठ तकनीशियन
19	श्री राम दुलारे विश्वकर्मा	कनिष्ठ तकनीशियन
20	श्री मिलिन्द पी. बोपडे	कनिष्ठ तकनीशियन
21	श्री जगत सिंह	कनिष्ठ तकनीशियन (29.12.2016 तक)
22	श्री रॉबिन्सन जॉर्ज मरकाम	कनिष्ठ तकनीशियन
23	श्री अनूप कुमार गुप्ता	कनिष्ठ तकनीशियन
24	श्री ताबिश खान	कनिष्ठ तकनीशियन
25	श्री मनोज तिग्गा	कनिष्ठ तकनीशियन
26	श्री पंकज प्रजापति	कनिष्ठ सहायक
27	श्री सीमान्ता कार गुप्ता	कनिष्ठ सहायक
28	श्री प्रशांत अग्निहोत्री	कनिष्ठ सहायक
29	श्री राजेश कुमार	कनिष्ठ सहायक
30	श्री आदेश कुमार	कनिष्ठ सहायक
31	श्री कन्हैया लाल बरमैया	कनिष्ठ सहायक
32	श्री राजेश	कनिष्ठ सहायक
33	श्री अभिषेक बावने	कनिष्ठ सहायक
34	श्री रिचर्ड सबेरियो	कनिष्ठ सहायक
35	श्री राहुल कुमार देशमुख	कनिष्ठ सहायक
36	श्री एश्वर्या प्रधान	कनिष्ठ सहायक
37	श्री निशांत कारडा	कनिष्ठ सहायक
38	मो. इजराइल खान	ड्राइवर
39	श्री गणेश प्रसाद कश्यप	ड्राइवर



नियुक्तियाँ एवं त्यागपत्र

01 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 के दौरान नियुक्तियाँ

क्र.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
01	डॉ. कुसुम कुमारी भारती	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	09.09.2016
02	डॉ. दीपमाला	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	07.11.2016
03	डॉ. यशपाल सिंह कठारिया	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	08.11.2016
04	डॉ. सम्राट रॉव	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	19.12.2016
05	डॉ. सचिन कुमार	सहायक प्राध्यापक (संविदा)	28.12.2016

01 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 के दौरान त्यागपत्र

क्र.	नाम	पद	त्यागपत्र की तिथि
01	श्री जगत सिंह	कनिष्ठ तकनीशियन	29.12.2016



शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियाँ

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर की स्थापना सन् 2005 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा की गई थी जिसका प्राथमिक उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सूचना तकनीक समर्थित डिजाईन एवं विनिर्माण हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना है। संस्थान अपने विशिष्ट पाठ्यक्रम के साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण एवं योजना आधारित अभ्यास उपलब्ध कराता है जिसके द्वारा संस्थान उच्च शिक्षा का केन्द्र माना जाता है। सभी संकायों में शिक्षण उपलब्ध कराना शिक्षण व्यवस्था का मुख्य घटक है जो शोध व विकास में सहायक है। हाल ही में संस्थान को आई.आई.आई.टी. अधिनियम 2014 द्वारा शराष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया है।

शुरुआत से ही संस्थान भारतीय मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र के दीर्घकालीन एवं विस्तृत विकास हेतु उच्च कोटि के मानव संसाधन उपलब्ध कराने में महती भूमिका निभा रहा है। संस्थान का उद्देश्य मैन्यूफैक्चरिंग शिक्षा व शोध के क्षेत्र में ऐसी ज्ञान शक्ति प्रदान करता है जो कि सूचना प्रौद्योगिकी, डिजाईन एवं मैन्यूफैक्चरिंग में पूर्णतः निपुण हो। औद्योगिक इकाईयों के सहयोग द्वारा संस्थान भारतीय मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में नवप्रवर्तन एवं नई पीढ़ी की तकनीक को प्रदान करने व विकसित करने हेतु प्रयत्नशील है।

साररूपेण, पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ाने और मजबूत करने के लिए इन लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध है –

लक्ष्य

- (अ) सामाजिक परिवर्तन के लिए आवश्यक नव प्रवर्तनकारी उत्प्रेरकों के निर्माण हेतु अभिकल्पन एवं विनिर्माण क्षेत्र में अनुसंधानात्मक एवं विकासशील प्रवृत्तियों को प्रोत्साहित करना।
- (ब) संस्थान एवं अन्य उच्चस्तरीय संस्थानों के मध्य अभिकल्पन एवं विनिर्माण के क्षेत्रों में सहयोग में वृद्धि करना।
- (स) रचनात्मक व्यावसायिक अवसरों की उत्पत्ति करना एवं दीर्घकालिक औद्योगिक सहयोग का निर्माण करना।

उद्देश्य

- (अ) भारत एवं एशिया के बाजार हेतु स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उपभोग्य उत्पादों में नयी खोजें करना।
- (ब) देश की कृषि उत्पादकता बढ़ाने एवं विविध करने हेतु नई तकनीक विकसित करना।
- (स) हरित ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ाना।
- (द) पार एवं अंतः विषय कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देकर बाजार के अनुसार अनुसंधान करना एवं बाजार में नये विचारों को जन्म देना।
- (ड) एक महत्वपूर्ण वक्ता के रूप में अपने आपको संस्थाओं अभिकल्पन व्यावसायिकों एवं औद्योगिक जगत के एक सार्थक सहभागिता फोरम के रूप में निर्मित करना एवं अनुरूप कार्य करना।



शैक्षणिक कार्यक्रम

स्नातक पाठ्यक्रम— निम्नलिखित अभियांत्रिकी एवं अभिकल्पन के विषयों में शिक्षा के लिए संस्थान के पास अद्वितीय पाठ्यक्रम है —

प्रौद्योगिकी स्नातक — कम्प्यूटर साईंस एवं इंजीनियरिंग

प्रौद्योगिकी स्नातक — इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग

प्रौद्योगिकी स्नातक — मकैनिकल इंजीनियरिंग

अभिकल्पन स्नातक — डिजाईन

परास्नातक पाठ्यक्रम— संस्थान निम्न विषयों से एम.टेक. एवं पी.एच.डी. पाठ्यक्रम संचालित करता है—

प्रौद्योगिकी परास्नातक — कम्प्यूटर साईंस एवं इंजीनियरिंग

प्रौद्योगिकी परास्नातक — इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग

प्रौद्योगिकी परास्नातक — मकैनिकल इंजीनियरिंग

प्रौद्योगिकी परास्नातक — मैकाट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

अभिकल्पन परास्नातक — डिजाइन

पी.एच.डी. — कम्प्यूटर साईंस एवं इंजीनियरिंग

पी.एच.डी. — इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग

पी.एच.डी. — मकैनिकल इंजीनियरिंग

पी.एच.डी. — डिजाइन

पी.एच.डी. — प्राकृतिक विज्ञान (गणित)

पी.एच.डी. — प्राकृतिक विज्ञान (भौतिकी)

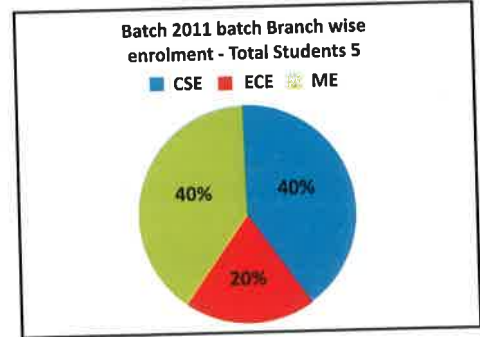
पी.एच.डी. — प्राकृतिक विज्ञान (अंग्रेजी)



शैक्षणिक एवं छात्र नामांकन प्रौद्योगिकी स्नातक

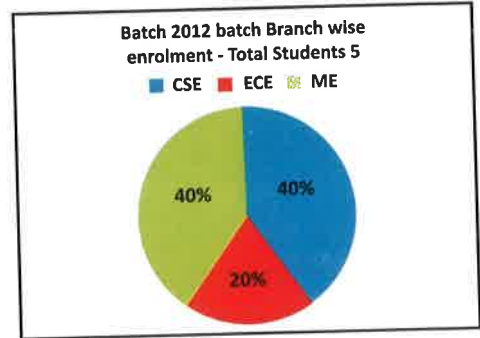
(1) प्रौद्योगिकी स्नातक : छात्र नामांकन 2011 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	0	1	0	1	2
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	0	0	0	1	1
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	0	1	0	1	2
कुल	0	2	0	3	5



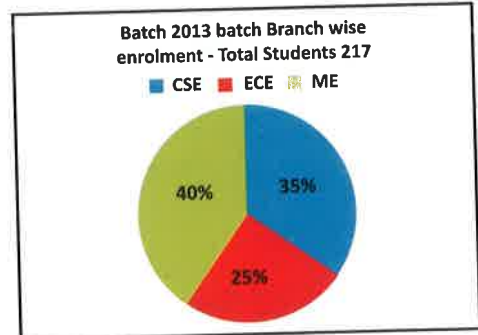
2012 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	0	1	0	1	2
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	0	0	0	1	1
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	0	1	0	1	2
कुल	0	2	0	3	5



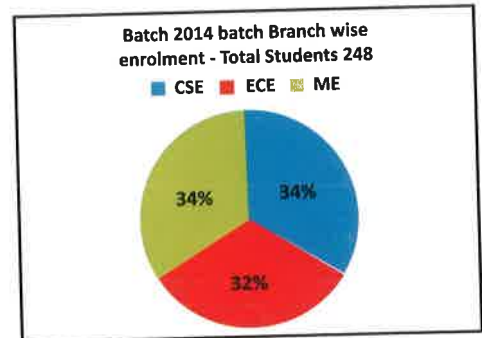
2013 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	40	26	6	4	76
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	25	13	11	5	54
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	41	27	12	7	87
कुल	106	66	29	16	217



2014 बैच

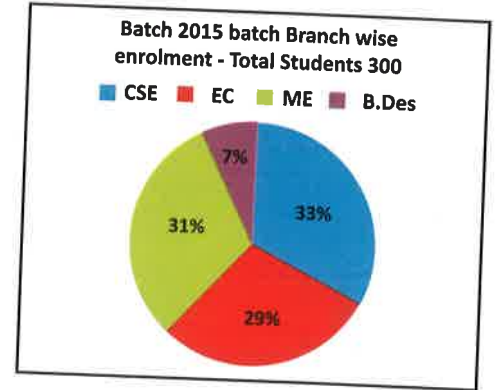
शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	41	25	11	7	84
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	45	20	10	5	80
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	36	28	15	5	84
कुल	122	73	36	17	248





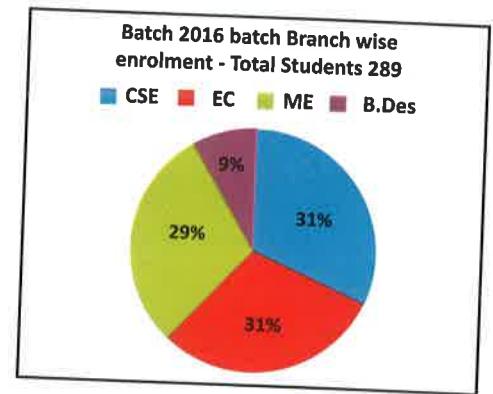
2015 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	47	29	15	7	98
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	39	27	14	7	87
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	44	26	15	8	93
बी. डेस	14	5	1	2	22
कुल	144	87	45	24	300



2016 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	45	24	14	7	91
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	38	27	12	8	89
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	42	21	11	7	84
बी. डेस	12	6	5	2	25
कुल	137	78	42	24	289



(II) प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम – अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति की रिपोर्ट स्नातक द्वितीय सेमेस्टर बैच (2015-16)

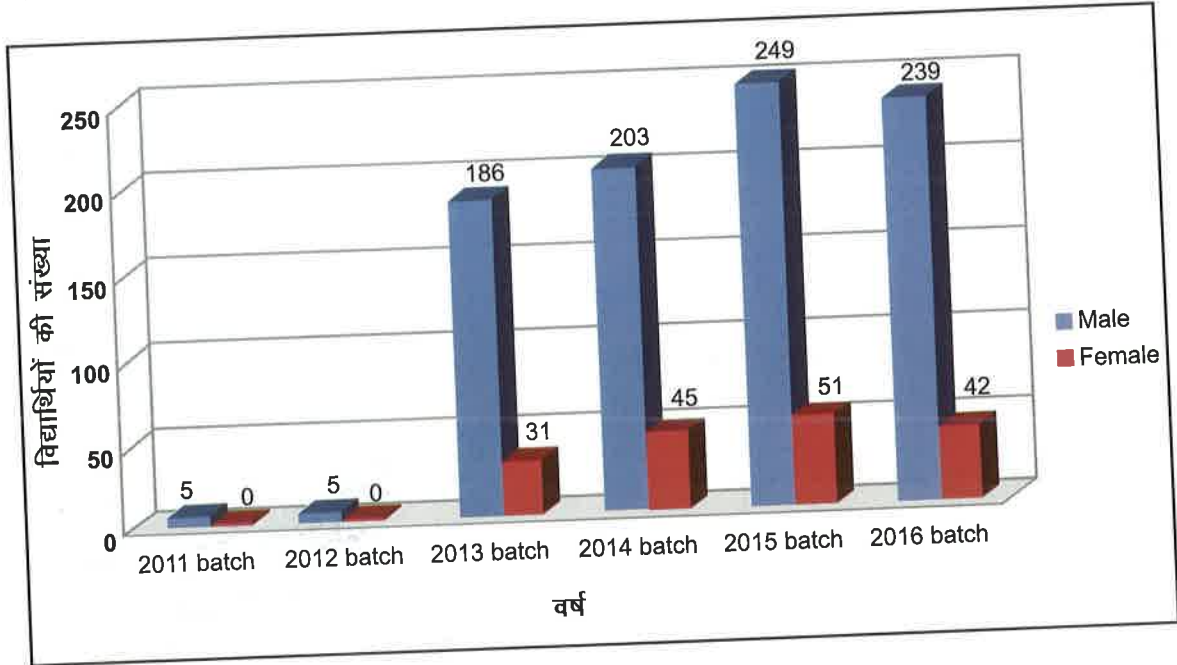
बैच	छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्र	प्रतिबंधित छात्र
2013	219	219	0
2014	248	248	0
2015	308	307	1(withdrwal)

स्नातक प्रथम सेमेस्टर (2016-17)

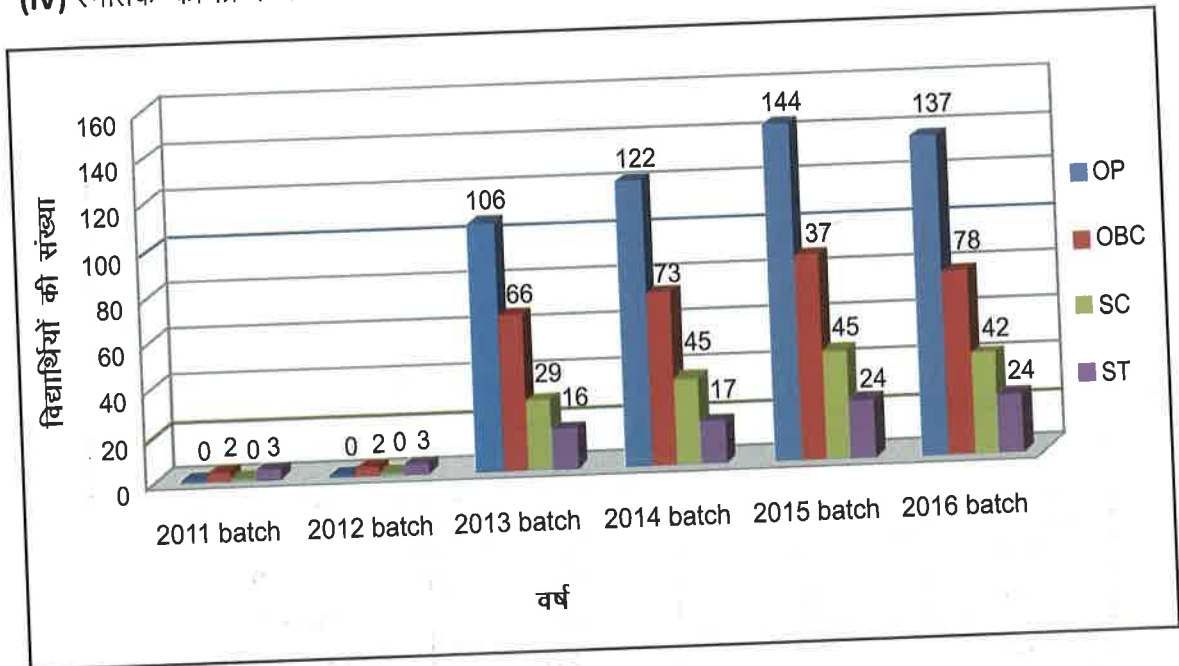
बैच	छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्र	प्रतिबंधित छात्र
2013	219	219	0
2014	248	248	0
2015	307	306	1(terminated)
2016	282	270	12(Withdrwal)



(III) स्नातक कार्यक्रम में छात्र एवं छात्राओं का विवरण प्रदर्शित करते हुए ग्राफ प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम



(IV) स्नातक कार्यक्रम में वर्गवार विद्यार्थियों का विवरण प्रदर्शित करते हुए ग्राफ





परास्नातक कार्यक्रम

संस्थान निम्न विषयों में परास्नातक डिग्री प्रदान करता है:

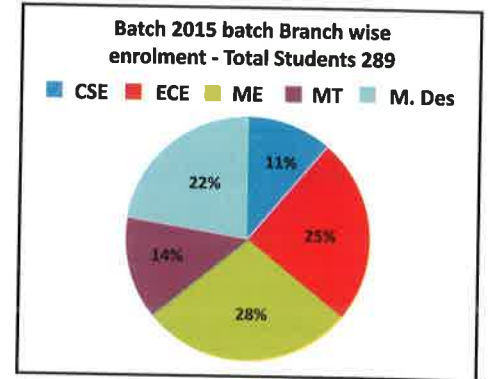
(क) प्रौद्योगिकी परास्नातक (एम.टेक)

- (अ) कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
- (ब) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग
- (स) मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- (द) मैकाट्रॉनिक्स

(ख) अभिकल्पन परास्नातक (एम.डिस – मास्टर ऑफ डिजाइन)

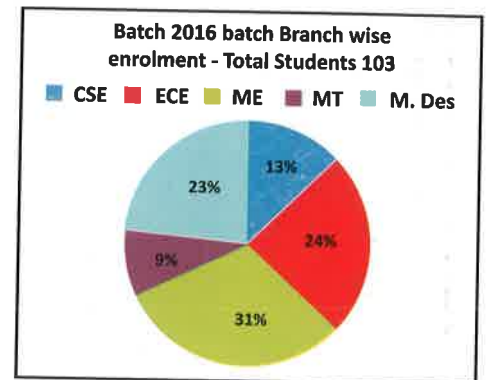
2015 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	5	3	1	0	9
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	5	12	3	0	20
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	7	10	5	1	23
मैकाट्रॉनिक्स	4	4	2	1	11
एम.डिस	8	5	3	2	18
कुल	29	34	14	4	81



2016 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	6	1	5	1	13
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	12	8	3	2	25
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	12	13	5	2	32
मैकाट्रॉनिक्स	3	4	2	0	9
एम.डिस	13	5	6	0	24
कुल	46	31	21	5	103





(I) परास्नातक कार्यक्रम – अकादमिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति की रिपोर्ट
परास्नातक द्वितीय सेमेस्टर (2015–16)

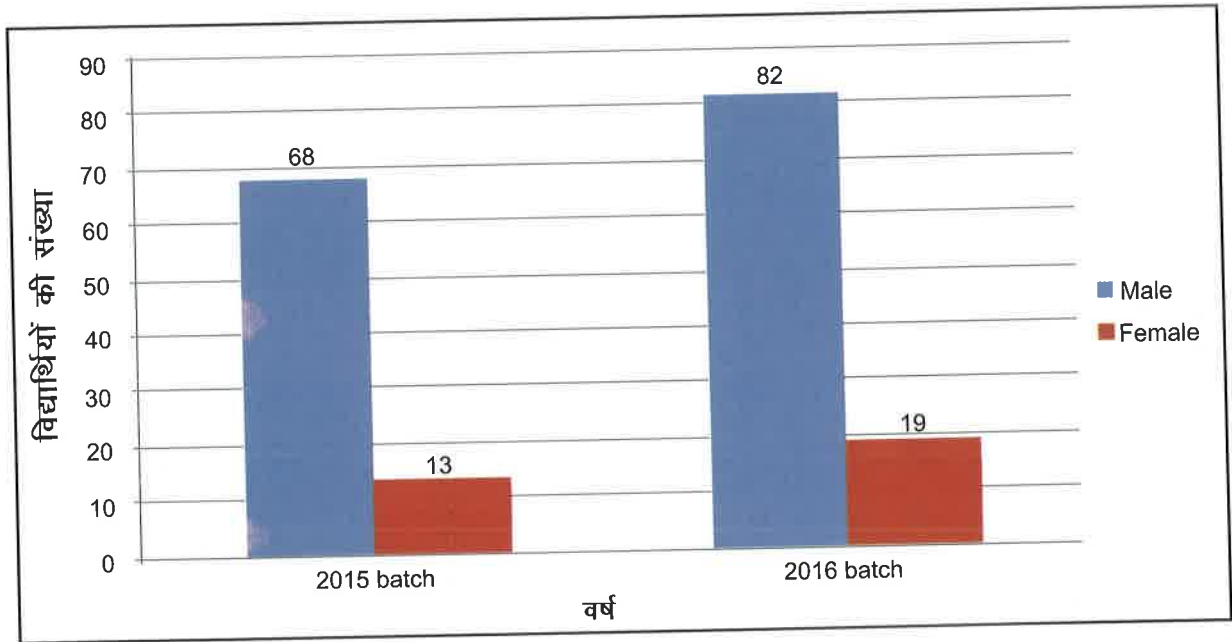
बैच	छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्र	प्रतिबंधित छात्र
2014	70	69	1
2015	80	80	0

परास्नातक प्रथम सेमेस्टर (2016–17)

बैच	छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्र	प्रतिबंधित छात्र
2015	80	78	2 (Withdrwal)
2016	104	101	3 (Withdrwal)

(II) परास्नातक कार्यक्रम में छात्र एवं छात्राओं का विवरण प्रदर्शित करते हुए ग्राफ

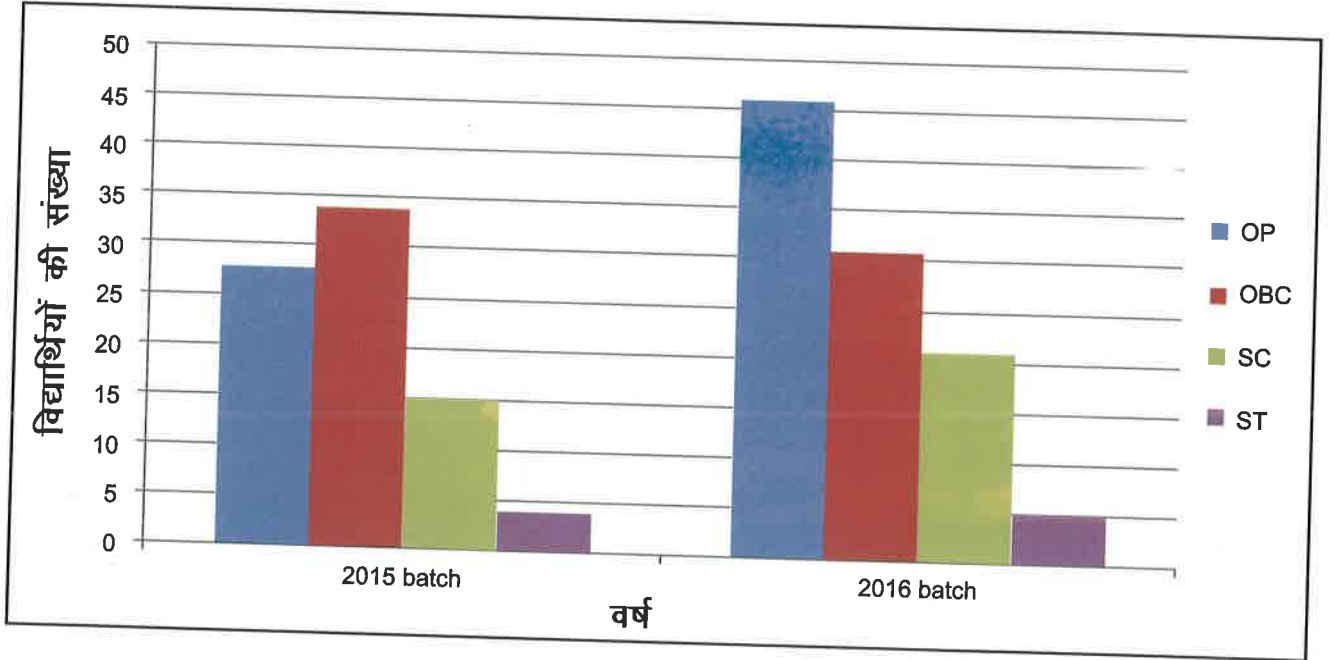
परास्नातक कार्यक्रम





(IV) परास्नातक कार्यक्रम में वर्गवार विद्यार्थियों का विवरण प्रदर्शित करते हुए ग्राफ

परास्नातक कार्यक्रम





शोध उपाधि (पीएच.डी.) कार्यक्रम

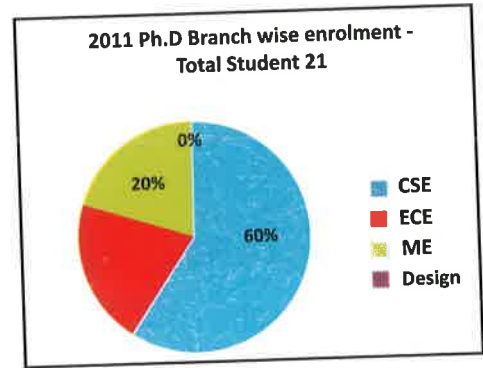
संस्थान में निम्न विषयों में पी.एच.डी. करायी जाती है:

- (क) कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग
- (ख) इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग
- (ग) मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- (घ) अभिकल्पन
- (ङ) प्राकृतिक विज्ञान (गणित, भौतिकी एवं अंग्रेजी)

(II) शोध उपाधि (पी.एच.डी.) कार्यक्रम में नामांकन

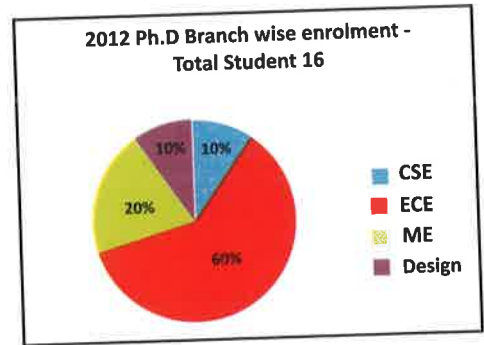
2011 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	2	1	0	0	3
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	0	0	1	0	1
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	0	1	0	0	1
अभिकल्पन	0	0	0	0	0
कुल	2	2	1	0	5



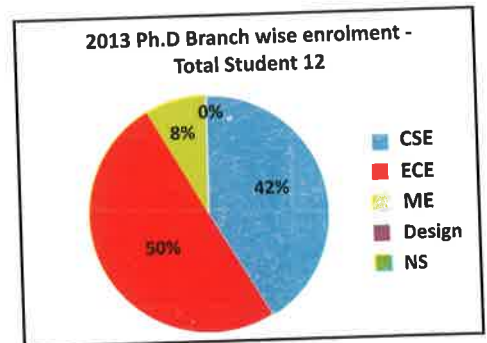
2012 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	1	0	0	0	1
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	3	2	1	0	6
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	2	0	0	0	2
अभिकल्पन	1	0	0	0	1
कुल	7	2	1	0	10



2013 बैच

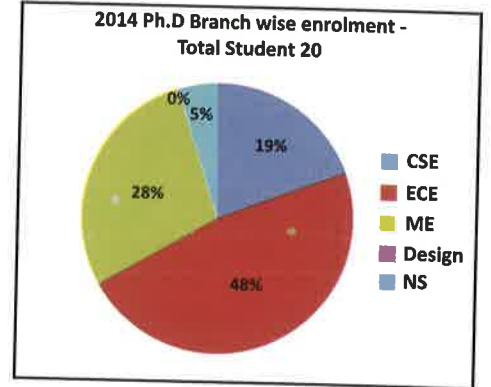
शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	4	1	0	0	5
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्युनिकेशन इंजीनियरिंग	4	1	1	0	6
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	1	0	0	0	1
अभिकल्पन	0	0	0	0	0
प्राकृतिक विज्ञान	0	0	0	0	0
कुल	9	2	1	0	12





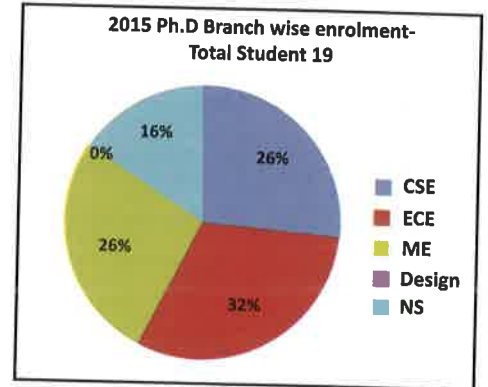
2014 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	4	0	0	0	4
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	7	1	2	0	10
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	3	3	0	0	6
अभिकल्पन	0	0	0	0	0
प्राकृतिक विज्ञान	1	0	0	0	1
कुल	5	4	2	0	21



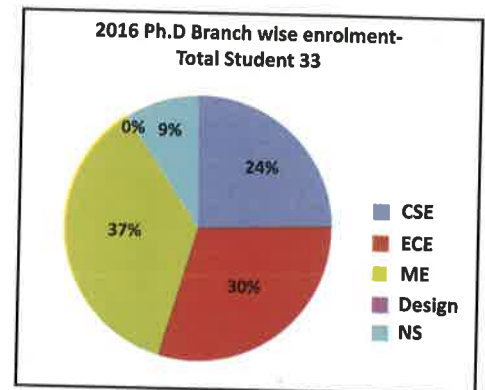
2015 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	4	1	0	0	5
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	4	1	0	1	6
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	3	1	1	0	5
अभिकल्पन	0	0	0	0	0
प्राकृतिक विज्ञान	3	0	0	0	3
कुल	14	3	1	1	19



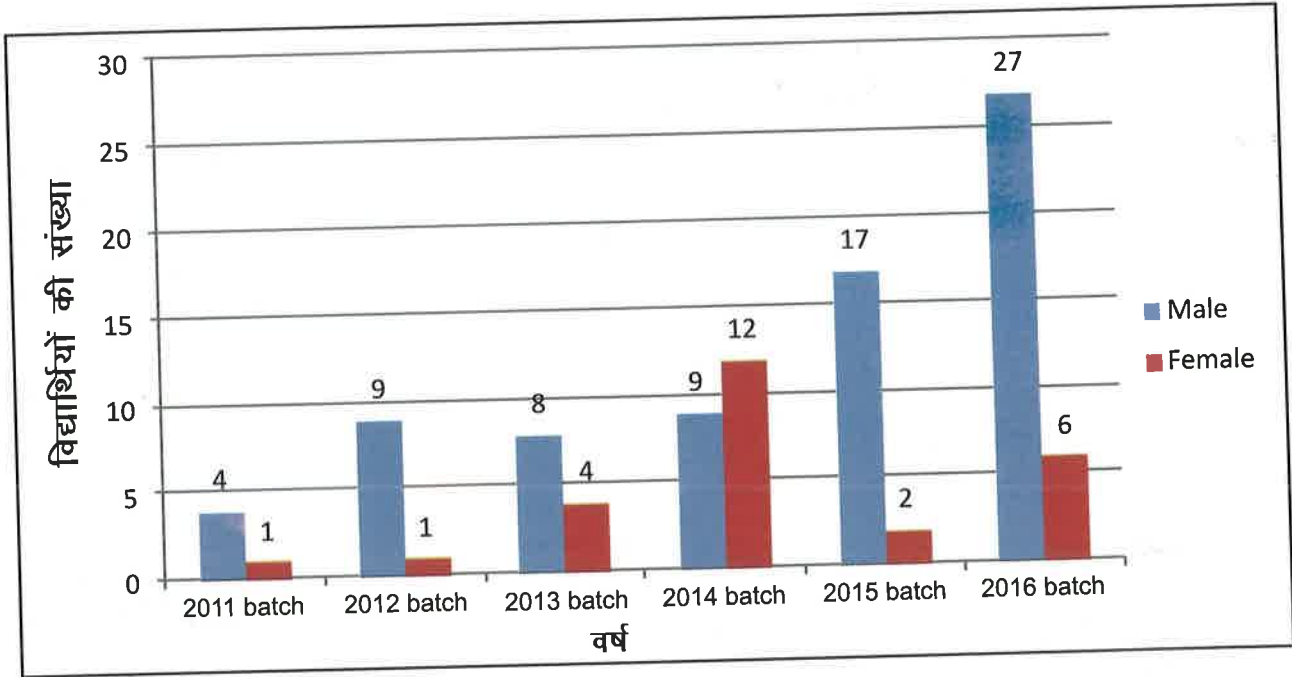
2016 बैच

शाखा	अ.ना.	अ.पि.व.	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	4	2	2	0	8
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	6	4	0	0	10
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	8	2	1	1	12
अभिकल्पन	0	0	0	0	0
प्राकृतिक विज्ञान	2	1	0	0	3
कुल	20	9	3	1	33

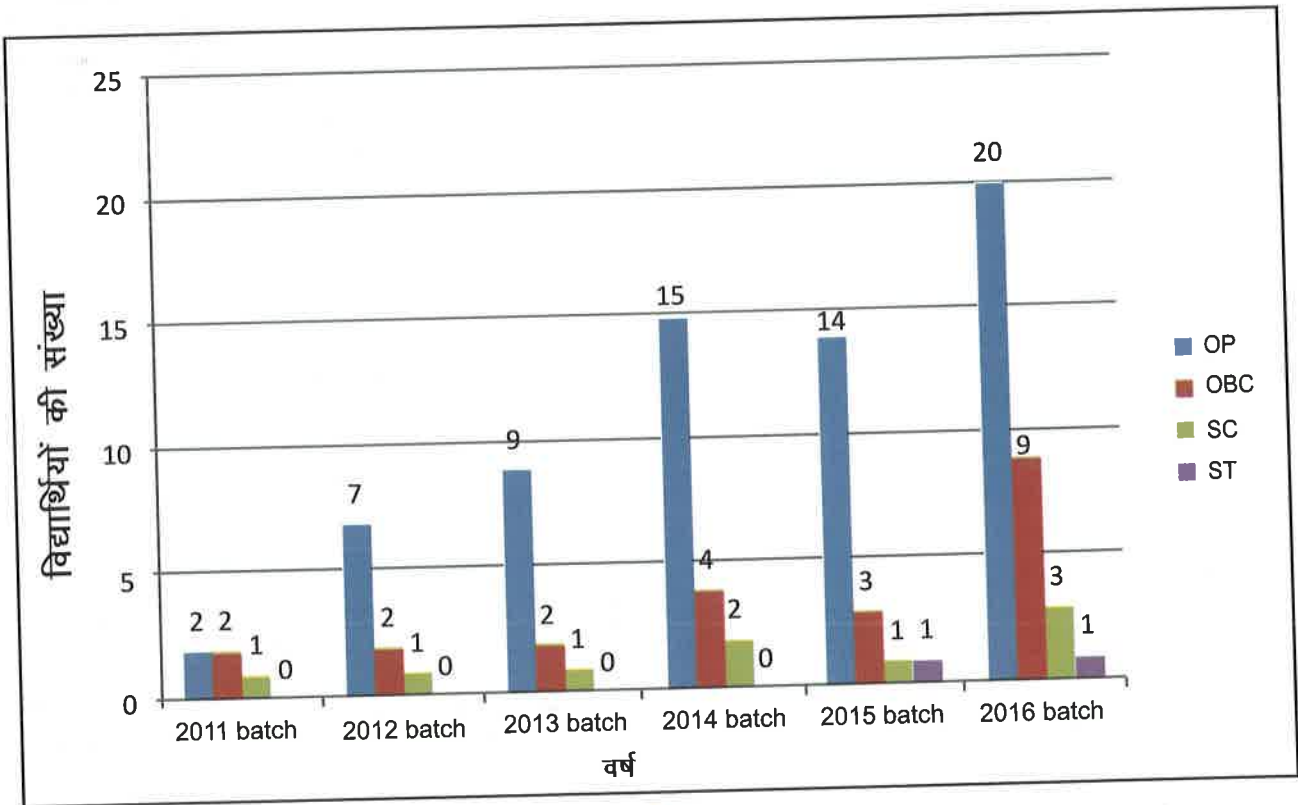




(II) शोध उपाधि (पी.एच.डी.) कार्यक्रम में छात्र एवं छात्राओं का विवरण प्रदर्शित करते हुए ग्राफ.



(III) शोध उपाधि (पी.एच.डी.) कार्यक्रम में वर्गवार विद्यार्थियों का विवरण प्रदर्शित करते हुए ग्राफ





परियोजनाएं

(I) संस्थागत परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना शीर्षक	समयावधि	अन्वेषक	वित्तपोषक संस्थान	कुल अनुमोदित राशि	स्थिति
1	Start Up Centre, IIITDM Jabalpur	2016-19	समन्वयक : प्रो . पुनीत टंडन, डॉ. श्रबन कुमार गोहन्ती एवं डॉ . सचिन कुमार जैन	मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार	150 लाख	कार्य प्रगति पर
2	Electronics and ICT Academy	2015-20	मुख्य अन्वेषक: प्रो. अपराजिता अपराजिता ओझा, सह मुख्य अन्वेषक: प्रो.वी.के. गुप्ता, प्रो.पी.एन.कोंडेकर, डॉ. अतुल गुप्ता, गुप्ता, डॉ. पी. के. जैन	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आई.सी.टी. विभाग, भारत सरकार	2500 लाख	कार्य प्रगति पर
3	Design and Innovation Centre	2016-18	समन्वयक : प्रो . तनुजा शेवडे एवं डॉ . अतुल गुप्ता	रा.दु.वि.वि. जबलपुर के माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	100 लाख	कार्य प्रगति पर
4	Special Manpower Development Programme for Chips to system design	2015-19	पी.आई. प्रो. पी.एन. कोंडेकर को. पी. आई. डॉ. जावर सिंह, डॉ . धीरज शर्मा	सी.ई.ई.आर.आई., पिलानी (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग)	16.95 लाख	कार्य प्रगति पर

(II) शोध परियोजनाएँ

1	Development of Adaptive Double Sided Incremental Forming Process for Dieless Manufacturing	2017-20	पी.आई. प्रो. पुनीत टंडन को.पी.आई. : डॉ . प्रशांत कुमार जैन एवं पी . के. कांकर	आईएमपीआरआई एनटी. इंडिया, मानव संसाधन विकास मंत्रालय	252.12 लाख	कार्य प्रगति पर
2	Exploration of 8/9 nano meter process variation immune doping and junction-free devices and their circuits	2017-20	पी.आई. डॉ. जावर सिंह	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड नई दिल्ली (SERB), DST	31.45 लाख	कार्य प्रगति पर
3	Privacy Enhancing Revocable Biometric Identities (PERBI)	2016-19	पी.आई. डॉ. प्रिती खन्ना, को पी .आई. मनीष कुमार बाजपेई एवं डॉ. अयान सील	बी.आर.एन.एस., परमाण्विक ऊर्जा विभाग, भारत सरकार	28.78 लाख	कार्य प्रगति पर
4	Computational Design of Functional Nucleotides for Artificial Life	2016-19	पी.आई. डॉ. एन.आर. जेना	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड नई	50.00 लाख	कार्य प्रगति पर



5	Development of low cost science experiments/ demonstration for strengthening the activity based science learning in tribal school	2016-17	पी.आई. डॉ. मुकेश रॉय	विज्ञान प्रसार	12.60 लाख	कार्य प्रगति पर
6	Design and Analysis of Multiplierless Multirate Filterbank with Low Complexity	2016-19	पी. आई. डॉ ए. कुमार	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड नई दिल्ली (SERB), DST	18.80 लाख	कार्य प्रगति पर
7	Implementation of Sigma Delta Modulator Using Nanowire Electrically Doped Hetero Material Tunnel Field Effect Transistor (TFET) for Ultra Low Power Applications	2016-19	पी.आई. डॉ. धीरज शर्मा	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड नई दिल्ली (SERB), DST	43.49 लाख	कार्य प्रगति पर
8	High Sensitive MEMS Piezoresistive Microcantilever	2016-19	पी.आई. मो. जाहद अंसारी	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड नई दिल्ली (SERB), DST	30.17 लाख	कार्य प्रगति पर
9	Fractal based Dielectric Resonator Antennas for Compact, Wideband and High Gain Applications	2015-18	पी.आई. डॉ. विश्वाजीत मुखर्जी	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड नई दिल्ली (SERB), DST	30.76 लाख	कार्य प्रगति पर
10	Investigation of Compact and Miniaturized Dielectric Resonator Antenna loaded with Metamaterial based structures for wireless applications	2016-18	पी.आई. डॉ. विश्वाजीत मुखर्जी	मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद	7.00 लाख	कार्य प्रगति पर
11	Design and Development of RF Energy Harvesting Circuits for Low - Power electronics Devices	2015-19	पी.आई. डॉ जावर सिंह	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड (SERB), नई दिल्ली/DST	54.52 लाख	कार्य प्रगति पर
12	Electrodeposition of magnetic film in the presence of external magnetic field	2015-18	पी.आई डॉ अमरेश चंद्र मिश्र	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड नई दिल्ली (SERB), DST	27.43 लाख	कार्य प्रगति पर
13	Electronics and Spintronics properties of Halogen Functionalized Graphene Nanoribbons	2015-18	पी.आई. डॉ. नीरज कुमार जयसवाल	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड (SERB), नई दिल्ली/DST	19.93 लाख	कार्य प्रगति पर
14	Development of Additive Subtractive Integrated RP System for Improved Part	2014-17	पी.आई डॉ प्रशांत कुमार जैन	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध	19.50 लाख	कार्य प्रगति पर
15	Time - Varying Harmonics and Interharmonics Estimation In Real Time for Online Applications	2013-16	पी.आई डॉ सचिन कुमार जैन	विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड (SERB), नई दिल्ली	19.75 लाख	कार्य प्रगति पर



16	Process Development for the Fabrication of Free Form Component Through Incremental Sheet forming	2012-15	पी.आई प्रो. पुनीत टंडन को.पीआई डॉ. प्रशांत कुमार जैन	बी.आर.एन.एस., परमाण्विक ऊर्जा विभाग, भारत सरकार	87.83 लाख	कार्य प्रगति पर
17	Virtual Laboratory on Automated System	2010-17	पी.आई-प्रो. तनुजा शेवड़े को.पी.आई-प्रो. विजय कुमार गुप्ता, प्रो. पुनीत टंडन	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	41 लाख	कार्य प्रगति पर
18	Virtual Laboratory on Manufacturing	2010-17	पी.आई – प्रो. विजय कुमार गुप्ता को.पी.आई – प्रो. तनुजा शेवड़े, प्रो. पुनीत टंडन	मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार	44 लाख	कार्य प्रगति पर

कंसलटेंसी प्रोजेक्ट

क्र.	कंसलटेंसी कार्य का नाम	सी.आई.	वित्तपोषक संस्थान	राशि
1.	Assistance of IITDM in Design of Twin Barrel Air Defense Gun as per scope of work	प्रो. पुनीत टंडन, को पी. आई.: डॉ पवन कुमार कांकर डॉ. प्रशांत कुमार जैन	ओ.डी.सी., गन कैरिज फैक्ट्री जबलपुर	6,90,000/-
2.	Data analysis and Prototype Manufacturing	प्रो. पुनीत टंडन	मे. पूजा इंडस्ट्रीज	19,550/-
3.	Experimental work done on abrasive waterjet machine	प्रो. वी. के. गुप्ता	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जलंधर	1,965/-
4.	Fabrication of Die Components	प्रो. वी. के. गुप्ता	मे. एम.के इंडस्ट्रीज	1,150/-
5.	To measure surface roughness	प्रो. वी. के. गुप्ता	हितकारिणी डेंटल कॉलेज	4,830/-
6.	Geometric model validation, part program generation and machining of Embossing Dies on okuma machine	डॉ. पी. के. जैन	मे. आर. एस. इंटरप्राइजेस, जबलपुर	8,395/-
7.	Geometric model validation, part program generation and machining of Embossing Dies on okuma machine	डॉ. पी.के.जैन	मे. पूजा इंडस्ट्रीज, जबलपुर	12,075/-
8.	Geometric model validation, part program generation and machining of Embossing Dies on okuma machine	डॉ. पी.के. जैन	मे. यू.एस. इंजीनियर्स, जबलपुर	6,900/-
9.	A New scheme for Enhancement of dark Image	डॉ. अनिल कुमार	लॉजिक फ्रूट टेक्नोलॉजी	10,000/-
10.	Electrical and Electronics based solution	डॉ. वरुण बजाज	सिया कंसलटेंसी	10,000/-
11.	Theoretical Formulations and Analytical Modelling for Buckling Analysis of Hydraulic Cylinder	पी.आई. : डॉ. पवन कुमार कांकर, को पी. आई. : डॉ. प्रशांत कुमार जैन, प्रो. विजय कुमार गुप्ता	रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान	9,84,960/-



अनुसंधान प्रकाशन

(i) Journal Publication

1. Mr. Abhay Khalatkar and Prof Vijay Kumar Gupta, Piezoelectric Energy Harvester for Low Engine Vibrations (2017), Journal of Renewable and Sustainable Energy, Vol. 9 (2).
2. N. Agrawal, A. Kumar, V. Bajaj, Design of Digital IIR Filter with Low Quantization Error using Hybrid Optimization Technique (2017), Soft computing, pp. 01-19.
3. Anju, S. Tirkey, K. Nigam, S. Pandey, D. Sharma and P. N. Kondekar, Investigation of gate material engineering in junctionless TFET to overcome the trade-off between ambipolarity and RF/Linearity metrics (2017), Superlattices and Microstructures, pp. 01-09.
4. Kumar, A., A. Ojha and P.K. Padhy, Anticipated trajectory based proportional navigation guidance scheme for intercepting high maneuvering targets (2017), International Journal of Control Automation and Systems, Vol. 15(3), pp. 1351-1361.
5. K Singh, PK Padhy, Second order sliding mode PI-PD controller for inverted pendulum (2017), International Journal of Systems, Control and Communications, Vol. 8(3), pp. 217-229.
6. A. Wafi, N. Rao, Deepmala, On Kantorovich form of generalized Sz (2017), Korean J. Math., Vol. 25(1), pp. 99-116.
7. Kaushal Nigam, S. Pandey, P.N. Kondekar, D. Sharma, M. Verma, A. Gedam, Performance Estimation of Polarity Controlled Electrostatically Doped Tunnel Field Effect (2017), Transistor Micro & Nano Letters, IET, Vol. 12(4), pp. 239–244.
8. P Kumar, S Nema, PK Padhy, Fuzzy-cuckoo controller for nonlinear system (2017), International Journal of Systems, Control and Communications, Vol. 8(1), pp. 41-56.
9. Nipun K. Mishra, Soma Das, Dinesh K. Vishwakarma, Low-profile circularly polarized cylindrical dielectric resonator antenna coupled by L-shaped resonating slot (2017), Microwave and optical technology letters, Vol. 59(5), pp. 996-1000.
10. Anuj Kumar Sahoo, Ravi Dutt Gupta and Manoj Singh Parihar, Highly Selective Integrated Filter Antenna for UWB Application (2017), Wiley Microwave and Optical Technology Letters, Vol. 59(05).
11. B. R. Raad, S. Tirkey, D. Sharma and P. N. Kondekar, A New Design Approach of Dopingless Tunnel FET for Enhancement of Device Characteristics (2017), IEEE TRANSACTIONS ON ELECTRON DEVICES, Vol. 64(4), pp. 1830-1836.
12. N. Agrwal, A. Kumar, and V. Bajaj, Design of Digital IIR Filter with Low Quantization Error using Hybrid Optimization Technique (2017), Soft Computing.



13. Gupta Nidhi, Bhatele P., and Khanna Pritee, Identification of Gliomas from Brain MRIs through Adaptive Segmentation and Run Length of Centralized Patterns (2017), Journal of Computational Science.
14. Ravi Dutt Gupta and Manoj Singh Parihar, Differentially Fed Wideband Rectangular DRA with High Gain using Short Horn (2017), IEEE Antennas and Wireless Propagation Letters, Vol. 16(01), pp. 1804-1807.
15. Achin Srivastav & Sunil Agrawal, Multi-Objective Optimization of Slow Moving Inventory System Using Cuckoo Search (2017), Intelligent Automation & Soft Computing, pp. 01-07.
16. Antriksh Goswami, Ruchir Gupta, Gopal Sharan Parashari, Reputation-Based Resource Allocation in P2P Systems: A Game Theoretic Perspective (2017), IEEE Communications Letters.
17. R. Upadhyay, P.K. Padhy, P.K. Kankar, Application of S-Transform for Automated Detection of Vigilance Level using EEG signals (2017), Journal of Biological Systems, Vol. 24 (01), pp. 01-27.
18. Aditya Sharma, M. Amarnath, P.K. Kankar, Novel Ensemble Techniques for Classification of Rolling Element Bearing Faults (2017), Journal of the Brazilian Society of Mechanical Sciences and Engineering, Vol. 39(3), pp. 709-724.
19. B. R. Raad, D. Sharma, K. Nigam, P. Kondekar, Utility of II-V group ternary compound semiconductor materials for unipolar conduction in tunnel field-effect transistor (2017), Journal of computational electronics, Vol. 16(01), pp. 24-29.
20. Nirala, H.K., Jain, P.K., Roy, J.J., Samal, M.K., Tandon, Puneet, An approach to eliminate stepped features in Multistage Incremental Sheet Forming Process: Experimental and FEA Analysis (2017), Journal of Mechanical Science and Technology, Vol. 31(2), pp. 599-604.
21. Gupta, Vikas and Tandon, Puneet, Heterogeneous Composition Adaptation with Material Convolution Control Features (2017), ASME Journal of Computer and Information Science in Engineering, Vol. 17, pp. 021008-1-10.
22. Vandana Solanki, Saptarshi Das, Satendra Kumar, Md. Motin Seikh, Bernard Raveau, Asish K. Kundu, Crucial role of sol-gel synthesis in the structural and magnetic properties of LaFe_{0.5}(Co/Ni)_{0.5}O₃ perovskites (2017), Journal of Sol-Gel Science and Technology, Vol. 82, pp. 536-540.
23. V. K Mishra, V. Bajaj, A. Kumar, D. Sharma and G. K. Singh, An efficient method for analysis of EMG signals using improved empirical mode decomposition (2017), AEU-International Journal of Electronics and Communications, Vol. 72, pp. 200-209.
24. I Sharma, A Kumar, GK Singh, H. N. Lee, Design of multiplierless prototype filter for two-channel filter bank using hybrid method in FCSO space (2017), IET Circuits, Devices & Systems, Vol. 11(01), pp. 29-40.



25. Ayan Seal, Debotosh Bhattacharjee and Mita Nasipuri, Predictive and Probabilistic Model for Cancer Detection using Computer Tomography Images (2017), Multimedia Tools and Applications, pp. 01-20.
26. S.Ahish, Dheeraj Sharma, Nithin Kumar Y.B, and Vasantha M.H., Effect of Drain Doping and Temperature Variation on the Performance of Heterojunction Double Gate Tunnel Field Effect Transistor (2017), Journal of Nanoelectronics and Optoelectronics, Vol. 12(2), pp. 162-170.
27. V. Vakharia, V.K. Gupta, P.K. Kankar, Efficient Fault Diagnosis of Ball Bearing Using Relief and Random Forest Classifier (2017), Journal of the Brazilian Society of Mechanical Sciences and Engineering, Vol. 39 (8), pp. 2969-2982.
28. Tiwari, Varun, Jain, P.K. and Tandon, Puneet, A Bijective soft set theoretic approach for concept selection in design process (2017), Journal of Engineering Design, Vol. 28(2), pp. 100-117.
29. K. K. Soundra Pandian and K. C. Ray, An algorithm and architecture for non-recursive pseudorandom sequence generation using sequence folding technique (2017), Int. J. of Computers and Applications, Vol. 39(1), pp. 45-56.
30. Sangeeta Singh, Arun Pratap Singh, P.N. Kondekar, A novel self-aligned charge plasma Schottky barrier tunnel FET using work function engineering (2017), Elsevier Microelectronics Engineering, Vol. 168, pp. 67-75.
31. Bhupendra Gupta, Tarun Kumar Agarwal, Linearly quantile separated weighted dynamic histogram equalization for contrast enhancement (2017), Computers & Electrical Engineering.
32. Varun Bajaj, K. Rai, A. Kumar and D. Sharma, Time-frequency image based features for classification of epileptic seizures from EEG signals (2017), Biomedical Physics and Engineering Express, IOP, Vol. 3(1), pp. 01-11.
33. P. Venkatesh, K. Nigam, S. Pandey, D. Sharma and P. N. Kondekar, Impact of Interface Trap Charges on Performance of Electrically Doped Tunnel FET with Heterogeneous Gate Dielectric (2017), IEEE Transactions on Device and Materials Reliability, Vol. 17(1), pp. 245-252.
34. S.Ahish, D. Sharma, N. Kumar Y.B, and Vasantha M.H., Performance analysis of InGaAs/GaAsP heterojunction double gate tunnel field effect transistor (2017), Superlattices and Microstructures Elsevier, Vol. 103, pp. 93-101.
35. Pachaury, Yash and Tandon, Puneet, An Overview of Electric discharge machining of ceramics and Ceramic based composites (2017), Journal of Manufacturing Processes, Vol. 25, pp. 369-390.
36. Shweta Jain, Mitul Kumar Ahirwal, Anil Kumar, Varun Bajaj, and G. K. Singh, QRS Detection using Adaptive Filters: A Comparative Study (2017), ISA Transactions, Vol. 66, pp. 362-375.



37. T. Bajpei, H. Chelladurai and M.Z. Ansari, Experimental investigation and numerical analyses of residual stresses and distortions in GMA welding of thin dissimilar AA5052-AA6061 plates (2017), *J. Manuf. Process.*, Vol. 25, pp. 340-350.
38. A. Naugarhiya, P. Wakhradkar, P. N. Kondekar and R. Patrikar, Analytical model for 4H-SiC superjunction drift layer with anisotropic properties for ultrahigh-voltage applications (2017), *Journal of computational electronics*, Vol. 16(01), pp. 190-201.
39. M. Verma, D. Sharma, S. Pandey, K. Nigam, P.N. Kondekar, Performance Comparison of Single and Dual Metal Dielectrically Modulated TFETs for the Application of Label Free Biosensor (2017), *Elsevier Superlattices and Microstructures*, Vol. 101, pp. 219-227.
40. M. K. Panda et al., Effects of both diffuse and collimated incident radiation on phototactic bioconvection (2016), *PHYSICS OF FLUIDS*, Vol. 28, pp. (124104) 1-19.
41. Pawar Nikhil, Sugumaran V, Singh Ameet, Amarnath M., Fault diagnosis of helical gear box using vibration signals through J-48 graft algorithm and wavelet features (2016), *INDIAN JOURNAL OF SCIENCE AND TECHNOLOGY*, Vol. 9 (47), pp. 01-08.
42. Pravin N. Kondekar, Kaushal Nigam, Sunil Pandey, Dheeraj Sharma, Design and Analysis of Polarity Controlled Electrically Doped Tunnel FET With Bandgap Engineering for Analog/RF Applications (2016), *IEEE TRANSACTIONS ON ELECTRON DEVICES*, Vol. 64(2), pp. 412-418.
43. D. Singh, S. Pandey, K. Nigam, D. Sharma, D. S. Yadav, P. N. Kondekar, A Charge Plasma based Dielectric Modulated Junctionless TFET for Biosensor Label Free Detection (2016), *IEEE Transactions on Electron Devices*, Vol. 64(1), pp. 271-278.
44. D. Sharma, B. R. Raad, D. S. Yadav, P. Kondekar, and K. Nigam, Two-dimensional potential, electric field and drain current model of source pocket hetero gate dielectric triple work function tunnel field-effect transistor (2016), *Micro and Nano letters*, Vol. 12 (01), pp. 11-16.
45. S. Dubey and P. N. Kondekar, Asymmetrically doped stacked channel strained SOI FinFET (2016), *Elsevier Superlattices and Microstructures*, Vol. 102, pp. 74-78.
46. V. Mishra, V. Bajaj, A. Kumar, D. Sharma and G. K. Singh, An Efficient Method for Analysis of EMG Signals using Improved Empirical Mode (2016), *AEU-International Journal of Electronics and Communications*, Vol. 72(1), pp. 200-209.
47. J. Metsebo, N. Upadhyay, P.K. Kankar, B.R. Nana Nbandjo, Modelling of a rotor-ball bearings system using Timoshenko beam and effects of rotating shaft on their dynamics (2016), *Journal of Mechanical Science and Technology*, Vol. 30(12), pp. 5339-5350.
48. Kane Lalit and Khanna Pritee, Real-time recognition of medial structures within hand postures through Eigen-space and geometric skeletal shape features (2016), *Multimedia Tools and Applications*, pp. 01-28.



49. Joshuva A, Sugumaran V, Amarnath M, Lee Sang-Kwon, Remaining life-time assessment of gear box using regression model (2016), INDIAN JOURNAL OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, Vol. 9(47), pp. 01-08.
50. Shukla, D., Ojha, A., and Jha, R. K., A new composite multi-constrained differential-radon warping approach for digital video affine motion stabilization (2016), Computer Vision and Image Understanding, Vol. 155, pp. 83-105.
51. Rohit Ahuja, Sraban Kumar Mohanty and Kouichi Sakurai, A scalable attribute-set-based access control with both sharing and full-fledged delegation of access privileges in cloud computing (2016), Computers & Electrical Engineering, Vol. 57, pp. 241-256.
52. Khan Yasir, Abraham Siju, Sugumaran V, Amarnath M, Fault diagnostics of a gearbox with acoustic signals using wavelets and decision tree (2016), INDIAN JOURNAL OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, Vol. 9(48), pp. 01-09.
53. Varun Sharma, Pankaj Srivastava and Neeraj K. Jaiswal, Prospects of asymmetrically H-terminated zigzag germanene nanoribbons for spintronic application (2016), Applied Surface Science, Vol. 396, pp. 1352.
54. Dr. Tripti Singh, Digital Art Fabric Prints the Bridge Between Art and Design (2016), International Journal of Advanced Information Science and Technology (IJAIST), Vol. 5(11), pp. 18.
55. K. K. Soundra Pandian and K. C. Ray, Dynamic Hash key-based stream cipher for secure transmission of real time ECG signal (2016), Security and Communication Networks, Vol. 9 (17), pp. 4391-4402.
56. Bhagwan Ram Raad, D. Sharma, P. N. Kondekar, and K. Nigam, Group III---V ternary compound semiconductor materials for unipolar conduction in tunnel field-effect transistors (2016), Journal of Computational Electronics (JCEL), Springer, Vol. 16(1), pp. 24-29.
57. Lalit Kumar and Manoj Singh Parihar, Compact Hexagonal Shape Elliptical Low Pass Filter with Wide Stop Band (2016), IEEE Microwave and Wireless Components Letters, Vol. 26(12), pp. 978-980.
58. Deepika singh, D. Sharma, S. Pandey, K. Nigam, D. S. Yadav, and P. N. Kondekar., A Charge-Plasma-Based Dielectric-Modulated Junctionless TFET for Biosensor Label-Free Detection (2016), IEEE Transaction on Electron Device, Vol. 64(1), pp. 271 – 278.
59. Vipin K Mishra, Varun Bajaj, and Anil Kumar, and G. K. Singh, Analysis of ALS and normal EMG signals based on empirical mode decomposition (2016), IET Science, Measurement & Technology, Vol. 10(8), pp. 963 – 971.
60. Neeraj K. Jaiswal, Neha Tyagi, Amit Kumar and Pankaj Srivastava, Inducing half-metallicity with enhanced stability in zigzag graphene nanoribbons via fluorine passivation (2016), Applied Surface Science, Vol. 396, pp. 471.



61. M Amarnath, Local fault assessment in a helical geared system via sound and vibration parameters using multiclass SVM classifiers (2016), Archives of Acoustics, Vol. 41(3), pp. 559-571.
62. Satyajit Mondal, Sraban Kumar Mohanty, Sukumar Nandi, Energy Efficient Secure Communication Architecture for Wireless Sensor Network (2016), Security and Communication Networks, Vol. 9(16), pp. 3314-3323.
63. Vandana, Deepmala, N. Subramanian, V.N. Mishra, Riesz Triple Probabilistic of Almost Lacunary Cesàro $\{A\}$ and $C_{\{111\}}$ statistical convergence of χ^3 defined by a Musielak Orlicz function (2016), Boletim da Sociedade Paranaense de Matemática (SCOPUS INDEXED), Vol. (3s.) v. 36 4 (2018), pp. 23-32.
64. Maurya, Sonam; Jain, V. K., Fuzzy Based Energy Efficient Sensor Network Protocol for Precision Agriculture (2016), Computers and Electronics in Agriculture, Elsevier, Vol. 130, pp. 20-37.
65. A. Mehta, B. Mukhoty, R. Gupta, Controlling Spread of Rumor Using Neighbor Centrality (2016), ACTA PHYSICA POLONICA B, Vol. 47(10), pp. 2325-2339.
66. Kumar, Prabhat and Tandon, Puneet, A paradigm for customer-driven product design approach using extended axiomatic design (2016), Journal of Intelligent Manufacturing, pp. 01-15.
67. S. Jain, M. K. Ahirwal, A. Kumar, Varun Bajaj, and G. K. Singh, QRS Detection using Adaptive Filters (2016), ISA Transactions, Vol. 66(1), pp. 362-375.
68. D.Jhodkar , M. Amarnath, H. Chelladurai, J. Ramkumar, An overview of robust digital image watermarking (2016), Journal of Brazilian society of Mechanical engineering, Vol. 14 (06), pp. 40-43.
69. Chetna Sharma and Dinesh Kumar V., Miniaturization of Spiral Antenna based on Fibonacci sequence using Modified Koch Curve (2016), IEEE Antennas and Wireless Propagation Letters, Vol. 16, pp. 932–935.
70. Dharmendra Singh Yadav, B. R. Raad, D. Sharma, A novel gate and drain engineered charge plasma tunnel field-effect transistor for low sub-threshold swing and ambipolar nature (2016), Superlattice and Microstructure, Elsevier, Vol. 100, pp. 266-273.
71. R. B. Gandhi, Deepmala and V. N. Mishra, Local and global results for modified Szasz-Mirakjan operators (2016), Mathematical Methods in the Applied Sciences.
72. Ravi Dutt Gupta and Manoj Singh Parihar, Investigation of an asymmetrical E-shaped DRA with Wideband Characteristics (2016), IET Microwaves, Antennas & Propagation, Vol. 10(12), pp. 1292-1297.
73. Gupta Shantanu, Abraham Siju K, Sugumaran V, Amarnath M, Fault diagnostics of a gearbox via acoustic signal using wavelet features, J48 decision tree and random tree classifier (2016), INDIAN JOURNAL OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, Vol. 9 (33), pp. 01-08.



74. Pawar Nikhil, Sugumaran V, Singh Ameet, Amarnath M, Fault diagnosis of helical gearbox using vibration signals through K-Star algorithm and wavelet features (2016), INDIAN JOURNAL OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, Vol. 9(33), pp. 01-09.
75. Abraham Siju K, Sugumaran V, Amarnath M, Acoustic signal based condition monitoring of gearbox using wavelets and decision tree classifier (2016), Indian Journal of Science and Technology, Vol. 9(33), pp. 01-09.
76. Gaikwad Abhijit D, Sugumaran V, Amarnath M, A Fault diagnosis of roller bearings with sound signals using wavelets and decision tree algorithm (2016), Indian Journal of Science and Technology, Vol. 9(33), pp. 01-07.
77. Srivastava Abhi, Singh Ameet, Sugumaran V, Amarnath M, Fault diagnosis of helical gear box using vibration signals through random tree and wavelet features (2016), Indian Journal of Science and Technology, Vol. 9(33), pp. 01-11.
78. Amaresh Chandra Mishra, Micromagnetic simulation of hysteresis loop of elliptic permalloy nanorings (2016), International Journal of modern Physics B, Vol. 28, pp. 124104.
79. Ömer F. ALÇIN, Siuly SIULY, Varun BAJAJ, Yanhui Guo, Abdulkadir SENGÜR, Yanchun Zhang, Multi-category EEG signal classification developing Time-Frequency Texture Features based Fisher Vector encoding method (2016), Neurocomputing, Vol. 218, pp. 251-258.
80. R Dey, S Jain, P Padhy, Robust Closed Loop Reference MRAC with PI Compensator (2016), IET Control Theory & Applications, Vol. 10(18), pp. 2378-2386.
81. B. R. Raad, D. Sharma, P. Kondekar, K. Nigam, and D. S. Yadav, Drain Work Function Engineered Doping-Less Charge Plasma TFET for Ambipolar Suppression and RF Performance Improvement: A Proposal, Design, and Investigation (2016), IEEE Transactions on Electron Devices, Vol. 63(10), pp. 3950-3957.
82. Sachin Kumar, I. V Singh, B. K. Mishra, Kamal Sharma, I. A. Khan, A Homogenized Multigrid XFEM to Predict the Crack Growth Behavior of Ductile Materials in the Presence of Multiple Defects (2016), Engineering Fracture Mechanics.
83. Saurabh Kumar, and Dinesh Kumar V., Miniaturization of microstrip patch antenna using an artificial planar magneto-dielectric meta-substrate (2016), IET Microwaves, Antennas & Propagation, Vol. 10 (09), pp. 1235–1241.
84. Kaushal Nigam, P. N. Kondekar, D. Sharma, Approach for ambipolar behaviour suppression in tunnel FET by workfunction engineering (2016), Micro and Nano Letters, IET, Vol. 11(8), pp. 460–464.
85. S. Alish, Dheeraj Sharma, Nithin Kumar Y. B., and Vasantha M. H., DC and analogue/radio frequency performance optimisation of heterojunction double-gate tunnel field-effect transistor (2016), Micro and Nano Letters, IET, Vol. 11(8), pp. 407–411.



86. Singh, Ravindra and Tandon, Puneet, User Values based Evaluation Model to Assess Product Universality (2016), International Journal of Industrial Ergonomics, Vol. 55, pp. 46-59.
87. Deepak Kumar Jha, Bhupendra Gupta & Subir Singh Lamba, L2-norm-based prior for haze-removal from single image (2016), IET.
88. K. Nigam, P. Kondekar, D. Sharma, and B. R. Raad, A New Approach for Design and Investigation of Junction-Less Tunnel FET Using Electrically Doped Mechanism (2016), Superlattices and Microstructures, Vol. 98, pp. 01-07.
89. Kaushal Nigam, S. Pandey, P. N. Kondekar, D. Sharma, Temperature sensitivity analysis of polarity controlled electrostatically doped tunnel field-effect transistor (2016), Superlattice and Microstructure, Elsevier, Vol. 97, pp. 598-605.
90. Ayan Seal, Debotosh Bhattacharjee and Mita Nasipuri, Human Face Recognition using Random Forest based Fusion of A-trous Wavelet Transform Coefficients from Thermal and Visible Images (2016), International Journal of Electronics and Communications, Vol. 70(8), pp. 1041-1049.
91. Patel, Divyansh and Tandon, Puneet, Experimental investigations of Gelatin enabled abrasive water slurry jet machining (2016), International Journal of Advanced Manufacturing Technology, Vol. 89(1-4), pp. 1193-1208.
92. S. Dubey and P. N. Kondekar, Performance comparison of conventional and strained FinFET inverters (2016), Microelectronics Journal, Vol. 55, pp. 108-115.
93. Tamrakar Deepti and Khanna Pritee, Kernel Discriminant Analysis of Block-wise Gaussian Derivative Phase Pattern Histogram for Palmprint Recognition (2016), Journal of Visual Communication and Image Representation, Vol. 40, pp. 432-448.
94. B. Raad, D. Sharma, K. Nigam, and P. Kondekar, Physics Based Simulation Study of High Performance GaAsP-InGaAs TFET (2016), Micro & Nano Letters, Vol 11(07), pp. 366–368.
95. Bhagwan Ram Raad, D. Sharma, K. Nigam, and P. N. Kondekar, Physics-based simulation study of high-performance gallium arsenide phosphide-indium gallium arsenide tunnel field-effect transistor (2016), Micro and Nano Letters, IET, Vol. 11(7), pp. 366–368.
96. Kaur Harkeerat and Khanna Pritee, Cancelable features using log-Gabor filters for biometric authentication (2016), Multimedia Tools and Applications, Vol. 76(4), pp. 4673-4694.
97. Nipun K. Mishra, Soma Das, Dinesh K. Vishwakarma, Bandwidth Enhancement of Cylindrical Dielectric Resonator Antenna Using Thin Dielectric Layer Fed by Resonating Slot Frequency (2016), Journal of RF-Engineering and Telecommunications, Vol. 70(3), pp. 381-388.
98. S. Jain, V. Bajaj, and A. Kumar, Efficient algorithm for classification of electrocardiogram beats based on artificial bee colony-based least-squares support vector machines classifier (2016), Electronics Letters, Vol. 52(14), pp. 1198-1200.



99. Deepmala, Piscoran Laurian-loan, Approximation of signals (functions) belonging to certain Lipschitz classes by almost Riesz means of its Fourier series (2016), Journal of Inequalities and Applications, Vol. 2016:163, pp. 01-10.
100. I Sharma, A Kumar, GK Singh, An Efficient Method for Designing Multiplier-Less Non-Uniform Filter Bank Based on Hybrid Method Using CSE Technique (2016), Circuits, Systems, and Signal Processing, Vol. 36(3), pp. 1169-1191.
101. Kaushal Nigam, P. N. Kondekar, D. Sharma, High frequency performance of dual metal gate vertical tunnel field effect transistor based on work function engineering (2016), Micro and Nano Letters, IET, Vol. 11(6), pp. 319 - 322.
102. A. K. Das, Deepmala and R. Jana, On Some Generalized Convex Functions under Differentiability (2016), AIP Conference Proceedings (SCOPUS Indexed), Vol. 1739(1).
103. S. Pare, A. Kumar, V. Bajaj, G. K. Singh, A Multilevel Color image Segmentation Technique based on Cuckoo Search Algorithm and Energy Curve (2016), Applied Soft Computing, Vol. 47, pp. 76-102.
104. Samrat Rao, Sensitivity of the Tropical Easterly Jet to the Distribution and Magnitude of Latent Heating in an Aquaplanet Model (2016), Journal of the Meteorological Society of Japan, Vol. 94(4), pp. 371-398.
105. R Upadhyay, PK Padhy, PK Kankar, EEG artifact removal and noise suppression by Discrete Orthonormal S-Transform denoising (2016), Computers & Electrical Engineering.
106. R Upadhyay, PK Padhy, PK Kankar, A comparative study of feature ranking techniques for epileptic seizure detection using wavelet transform (2016), Computers & Electrical Engineering.
107. Ratnesh Pandey and Dinesh Kumar V., A Fractalized Meander-Line EBG based Microstrip Teeth-Like Patch Slot Antenna for use in Satellite and Defense Applications (2016), Microwave and Optical Technology Letters, Vol. 58(8), pp. 2010-2015.
108. Bhagwan Ram Raad, D. Sharma, P. N. Kondekar, K. Nigam, and S. Baronia, DC and analog/RF performance optimisation of source pocket dual work function TFET (2016), International Journal of Electronics, Vol. 104, 2017 (12), pp. 1992-2006.
109. Kane Lalit and Khanna Pritee, A Framework to Plot and Recognize Hand motion Trajectories towards Development of Non-tactile Interfaces (2016), Procedia Computer Science, Vol. 84, pp. 06-13.
110. Sharma, Om Namah and Tandon, Puneet, Experimental investigation into a new hybrid forming process: Incremental Stretch Drawing (2016), Proc. IMechE Part B: Journal of Engineering Manufacture, Vol. 0954405416645983, pp. 01-12.



111. Dharmendra Singh Yadav, D. Sharma, B. R. Raad, and V. Bajaj, Impactful study of dual work function, underlap and hetero gate dielectric on TFET with different drain doping profile for high frequency performance estimation and optimization (2016), Superlattice and Microstructure, Elsevier, Vol. 96, pp. 36-46.
112. B. Raad, K. Nigam, D. Sharma, and P. N. Kondekar, Dielectric and Work function Engineered TFET for Ambipolar Suppression and RF Performance Enhancement (2016), Electronics Letters, Vol. 52(09) pp. 770–772.
113. Vishal Francis and Prashant K. Jain, Experimental investigations on fused deposition modelling of polymer-layered silicate nanocomposite (2016), Virtual and Physical Prototyping, Vol. 11(02), pp. 109-121.
114. Sandip Kumar, Ravi Dutt Gupta and Manoj Singh Parihar, Multiple Band Notched Filter using C-Shaped and E-Shaped resonator for UWB applications (2016), IEEE Microwave and Wireless Components Letters, Vol. 26(05), pp. 340-342.
115. Pandey S. and Khanna Pritee, Content Based Image Retrieval Embedded with Agglomerative Clustering Built on Information Loss (2016), Journal of Computers and Electrical Engineering, Vol. 54, pp. 506-521.
116. Sudeep Baudha and Dinesh Kumar V., A Compact Broadband Printed Antenna with Tilted Patch (2016), Microwave and Optical Technology Letters, Vol. 58(7), pp. 1733-1738.
117. S. Dubey and P. N. Kondekar, Fin shape dependent variability for strained SOI FinFETs (2016), Microelectronic Engineering, Vol. 162, pp. 63-68.
118. Prateeksha Sharma and Dinesh Kumar V., Investigation of Multilayer Planar Hybrid Plasmonic Waveguide and Bends (2016), IET Electronic Letters, Vol. 52(9), pp. 732-734.
119. S. Jain, A. Kumar, and V. Bajaj, A New Technique for QRS Complex Detection using Particle Swarm Optimization (PSO) (2016), IET Science, Measurement & Technology, Vol. 10(6), pp. 626-636.
120. Pandey S., Khanna Pritee, and Yokota H., Clustering of Hierarchical Image Database to Reduce Inter-and Intra-Semantic Gaps in Visual Space for Finding Specific Image Semantics (2016), Journal of Visual Communication and Image Representation, Vol. 38, pp. 704-720.
121. Deepmala and R. P. Agarwal, Existence and uniqueness of solutions for certain functional equations and system of functional equations arising in dynamic programming (2016), Analele Stiintifice ale Universitatii "Ovidius" Constanta, Math Series, Vol. 24(1), pp. 03-28.
122. B. R. Raad, K. Nigam, D. Sharma, and P.N. Kondekar, Performance investigation of bandgap, gate material work function and gate dielectric engineered TFET with device reliability improvement (2016), Superlattices and Microstructures, Vol. 94, pp. 138-146.



123. S. Ahish, Dheeraj Sharma, Nithin Kumar Y.B, and Vasantha M.H., Device and circuit level performance analysis of novel InAs/Si heterojunction double gate tunnel field effect transistor (2016), Superlattices and Microstructures, Elsevier, Vol. 94, pp. 119-130.
124. Saurabh Kumar, and Dinesh Kumar V., Miniaturized Dual Broadband Hexagonal Slot Monopole Antenna (2016), IETE Journal of Research, Vol. 62(5), pp. 671-678
125. V Vakharia, VK Gupta, PK Kankar, A comparison of feature ranking techniques for fault diagnosis of ball bearing (2016), Soft Computing, Vol. 20(4), pp. 1601-1619.
126. R. Jothi, Sraban Kumar Mohanty, and A. Ojha, Functional grouping of similar genes using eigenanalysis on minimum spanning tree based neighborhood graph (2016), Computers in Biology and Medicine, Vol. 71(C), pp. 135-148.

(ii) Conference Publication

1. Anuj Kumar Sahoo, Ravi Dutt Gupta and Manoj Singh Parihar, A 2x2 Integrated Filter Antenna Array, European Conference on Antenna and Propagation (EuCAP 2017), Paris, France, March 19 - 24, 2017.
2. Maurya, S., Gupta Vinayak, Jain, V. K., LBRR: Load Balanced Ring Routing Protocol for Heterogeneous Sensor Networks with Sink Mobility, 2017 IEEE Wireless Communications and Networking Conference (IEEE WCNC 2017), San Francisco, CA, USA., March 19 - 22, 2017.
3. Ashok Gundumalla, Sachin Agrawal and Manoj Singh Parihar, A Design of Compact Planar Active Integrated Inverted-F Antenna (AI-PIFA) for Mobile Handsets, International Conference on Optical & Wireless Technologies (OWT2017) Jaipur, MNIT Jaipur, March 18 - 19, 2017.
4. S. Sahu and M.Z. Ansari, Finite element analysis of AA1100 elasto-plastic behaviour using Johnson-Cook model, 7th International Conference of Materials Processing and Characterization (ICMPC 2017), GRIET, Hyderabad, India, March 17 - 19, 2017.
5. Meshram P., Sahu S., Ansari M. Z. and Mukherjee S., Study on Mechanical Properties of Epoxy and Nylon/Epoxy Composite, 7th International Conference on Materials Processing and Characterization (ICMPC'2017), GRIET, Hyderabad, pp. 1401, March 17 - 19, 2017.
6. Kumar, Narendra, Jain, P.K., Tandon, Puneet and Pandey, P.M., Experimental investigations on suitability of polypropylene (PP) and ethylene vinyl acetate (EVA) in additive manufacturing, 7th International Conference of Materials Processing and Characterization (ICMPC 2017), Hyderabad, March 17 - 19, 2017.
7. Rajiv Dey, Sachin K. Jain, Prabin K. Padhy, Fast Adaptation Model Reference Adaptive Control 4th International conference on power control and embedded systems ICPES-2017, Motilal Nehru National Institute of Technology, India, pp. 01-06, March 09 - 11, 2017.



8. Bhamra N. S. and Mukherjee S., Dynamic Modeling of a Bio-inspired Propulsion for Underwater Robot, 1st International and 18th ISME Conference on Enabling Sustainable Development in Mechanical Engineering (ISME-2017) National Institute of Technology, Warangal, February 23 - 25, 2017.
9. A. Swarnkar, R. Kumar, A. Kumar and P. Khanna, Performance of Different Threshold Function for ECG Compression using Slantlet Transform: A Comparative Study, 4th IEEE International Conference on Signal Processing and Integrated Networks (SPIN) Noida, India, February 11 - 12, 2017.
10. U. Patbhaje, R. Kumar, A. Kumar and H. N. Lee, Compression of Medical Image using Wavelet based Sparsification and Coding, 4th IEEE International Conference on Signal Processing and Integrated Networks (SPIN) Noida, India, February 11 - 12, 2017.
11. S. Jain, A. Kumar and V. Bajaj, Real-time Detection of Electrocardiograph Peaks: A Genetic Algorithm based Approach, 4th IEEE International Conference on Signal Processing and Integrated Networks (SPIN) Noida, India, February 11 - 12, 2017.
12. H. Singh, A. Kumar, L. K. Balyan and G. K. Singh, Regionally equalized and contextually clipped gamma correction approach for dark image enhancement, SPIN 2017 India, February 02 - 03, 2017.
13. N. K. Mahato, R.N. Mohapatra, Existence results of a generalized mixed exponential type vector variational-like inequalities, 3rd International Conference on Mathematics and Computing (ICMC 2017): Mathematics and Computing, Haldia Institute of Technology, Haldia, India, pp. 209-220, January 17 - 21, 2017.
14. Tiwari Sushil; Jain, V. K., Heron-Bilateration Based Location Estimation Technique for Indoor WLAN, The 31st International Conference on Information Networking - ICOIN 2017, Da-Nang Vietnam, January 11 - 13, 2017.
15. Khan, Amaltes, and Tandon, Puneet, Closing the Loop: 'Systems Perspective' for the Design of Food Packaging to facilitate Material Recovery, 6th International Conference on Research into Design (ICoRD' 17), Indian Institute of Technology Guwahati, India, January 09 - 11, 2017.
16. Kumar, Prabhat, and Tandon, Puneet, Improvised concept development process in design through product ingredients, 6th International Conference on Research into Design (ICoRD' 17), Indian Institute of Technology Guwahati, India, January 09 - 11, 2017.
17. S. Dubey and P. N. Kondekar, Doping dependent stacked channel FinFET for multiple threshold voltage applications, International Conference on Emerging Electronics, IIT Bombay, December 27 - 30, 2016.
18. Neeraj K. Jaiswal, Amit Kumar, Neha Tyagi and Pankaj Srivastava, Electronic Properties and Migration Pathways of Cl Functionalized Zigzag Graphene Nanoribbons, DAE SSPS 2016, KIIT Bhubaneswar, December 26 - 30, 2016.



19. Swati Walde, Pragati Rani, Varun Bajaj, and Dheeraj Sharma, Time Frequency Image based Features for detection of Focal EEG Signals, International Conference on Signal Processing and Communication, ICSC2016, IIIT Noida, pp. 358-362, December 26 - 28, 2016.
20. S Mohapatra, PK Padhy, Deadbeat controller for SOPDT processes International conference on Recent Advances and Innovations in Engineering (ICRAIE), Jaipur, India, pp. 01-04, December 23 - 25, 2016.
21. Sunil Agrawal and Zainil Bharwani, Effect of Moving Average Forecasting on Supply Chain Dynamics, XX Annual International Conference of Society of Operations Management 2016, ABV Indian Institute of Information Technology and Management Gwalior 474010, M.P. India, pp. 78, December 23 - 24, 2016.
22. Hayaran Indradeep and Khanna Pritee, Couple Sort (PDGC 2016), Fourth (IEEE) International Conference on Parallel, Distributed and Grid Computing, Solan, India, December 22 - 24, 2016.
23. Sunil Agrawal and Zainil Bharwani, Supply Chain Dynamics with Stochastic lead time, IIIE-POMS 4th International Conference on Best Practices in Supply Chain Management (BPSCM) 2016, IIIE Trivandrum chapter, India, December 22 - 23, 2016.
24. Dwivedi, Divyansh, Kumar, A., Priyadarshi, S., Jain, P.K., and Tandon, Puneet, Numerical Prediction of Fracture in Parts formed with Incremental Sheet Forming Process, 6th International & 27th All India Manufacturing Technology, Design and Research Conference (AIMTDR-2016), College of Engineering, Pune, India, December 16 - 18, 2016.
25. Prabal Pratap Singh, Manish Pandey and Sunil Agrawal, Feature Extraction from a STEP AP203 File for a CAPP System, All India Manufacturing Technology, Design and Research Conference (AIMTDR-2016), College of Engineering, Pune, Maharashtra, INDIA, pp. 805-809, December 16 - 18, 2016.
26. Manish Kumar Pandey, Sunil Agrawal and Prabal Pratap Singh, Optimum Selection of Cutting Tools using Artificial Neural Network in Computer Aided Process Planning, All India Manufacturing Technology, Design and Research Conference (AIMTDR-2016), College of Engineering, Pune, Maharashtra, INDIA, pp. 748-753, December 16 - 18, 2016.
27. Sunil Agrawal and Zainil Bharwani, Simulation Study of Supply Chain Dynamics, International Conference on Analytics in Operational Research, BIMTECH, Greater Noida, NCR, India, December 12 - 14, 2016.
28. Mohammad Taufik and Prashant K. Jain, Additive Manufacturing: Current Scenario, International conference on advanced production and industrial engineering, Delhi Technological University, pp. 380-386, December 09 - 10, 2016.
29. Chetani, Aman, Priyadarshi, Satwik, Kumar, Pavan, Jain, P.K. and Tandon, Puneet, State of the Art in Double Sided Incremental Forming, Conference on Sheet Metal Forming, 2016 (SMF 2016), Indian Institute of Technology Bombay, India, December 08 - 09, 2016.



30. Priyadarshi, Satwik, Kumar, Pavan, Chetani, Aman, Jain, P.K. and Tandon, Puneet, Generation of Automatic Multi-Pass tool path for Incremental Sheet Forming, Conference on Sheet Metal Forming, 2016 (SMF 2016), Indian Institute of Technology Bombay, India, December 08 - 09, 2016.
31. Kumar, Pavan, Priyadarshi, Satwik, Chetani, Aman and Tandon, Puneet, Finite Element Modelling of Double Sided Incremental Forming, Conference on Sheet Metal Forming 2016 (SMF 2016), Indian Institute of Technology Bombay, India, December 08 - 09, 2016.
32. Kumar, Abhishek, Dwivedi, Divyansh, Priyadarshi, Satwik, and Tandon, Puneet, Numerical Modelling of Incremental Sheet Forming Process with Copper Sheets, Conference on Sheet Metal Forming 2016 (SMF 2016), Indian Institute of Technology Bombay, India, December 08 - 09, 2016.
33. Rohit Ahuja, Sraban Kumar Mohanty and Kouichi Sakurai, A Traceable Signcryption Scheme for Secure Sharing of Data in Cloud Storage, 6th IEEE International Symposium on Cloud and Service Computing, Nadi, Fiji, pp. 524-531, December 07 - 10, 2016.
34. Sachin Agrawal, Manoj Singh Parihar and P.N. Kondekar, Design and Analysis of an Efficient Energy Harvester Using Reactance Compensation Technique For GSM-900, Asia Pacific Microwave Conference (APMC) 2016 New Delhi, IIT Delhi, December 05 - 09, 2016.
35. Ravi Dutt Gupta and Manoj Singh Parihar, A Singly-fed Differential Dielectric Resonator Antenna for Broadband Applications, Asia Pacific Microwave Conference (APMC) 2016, New Delhi/IIT Delhi, December 05 - 09, 2016.
36. Prateeksha Sharma and V. Dinesh Kumar, Hybrid Plasmonic Waveguides and Bends, 13th International Conference on Fiber Optics and Photonics, OSA, IIT Kanpur, India, pp. W3A. 65, December 04 - 08, 2016.
37. Rishika Trivedi and P.K. Padhy, Modified Firefly Algorithm based Fractional PID Controller ICIC 2017, Roorkee, India, December 03 - 04, 2016.
38. Ashish Watane, Manoj Singh Parihar, Matadeen Bansal, MIMO Antenna for LTE band 40, 11th International Conference on Industrial and Information Systems (ICIIS 2016), IIT Roorkee, December 03 - 04, 2016.
39. Shikha Maurya and Matadeen Bansal, Energy Efficient Relay Precoder Design for MIMO-Cognitive Relay Network, 11th ICIIS 2016, IIT Roorkee, December 03 - 04, 2016.
40. Shaikh, S., Kumar, N., Jain, P. K., & Tandon, P., Hilbert Curve Based Toolpath for FDM Process CAD/CAM, Robotics and Factories of the Future, pp. 751-759, December 01, 2016.
41. Panjwani, D., Jain, P. K., Samal, M. K., Roy, J. J., Roy, D., & Tandon, P., Single Point Incremental Forming Using Flexible Die, CAD/CAM, Robotics and Factories of the Future, December 01, 2016.



42. Ankur Raman Goldar and Prashant K. Jain, Product Platform Design Based on Common Components, International Journal of Advanced Production and Industrial Engineering DTU, December 01, 2016.
43. Piyush D. Ukey, Ankit Nayak, R. V. Uddanwadiker and Prashant K. Jain, Temporal bone fabrication using FDM technique: Issues and opportunities, International Journal of Advanced Production and Industrial Engineering, DTU, pp. 47-52, December 01, 2016.
44. Shailendra Kumar Tripathi & Bhupendra Gupta, An Extension to Modified Harn Digital Signature Scheme with the Feature of Message Recovery, ICRACCS-2016, Udaipur, INDIA, November 25 - 26, 2016.
45. K. Mittal and L.K. Balyan, An Algorithm Based on Pseudo-Spectral Method in Time and Space Direction for Hyperbolic Conservation Law, ICAAM-2016, India, pp. 03, November 19 - 20, 2016.
46. Neha Tyagi, Neeraj K. Jaiswal, Kamal K. Jha, Varun Sharma and Pankaj Srivastava, Structural, magnetic and electronic properties of armchair graphene nanoribbons interacting with Co Int. Conf. on Technologically Advanced Materials (ICTAM) 2016, Delhi University Conference Center, November 07 - 11, 2016.
47. N. Agrwal, A. Kumar, and Varun Bajaj, Digital IIR Filter Design With Controlled Ripple Using Cuckoo Search Algorithm, International Conference on Signal and Information Processing (IConSIP-2016), Nanded, Maharashtra, India, November 06 - 08, 2016.
48. Donghoon Chang, Mohona Ghosh, Kishan Chand Gupta, Arpan Jati, Abhishek Kumar, Dukjae Moon, Indranil Ghosh Ray, Somitra Kumar Sanadhya, SPF: A New Family of Efficient Format-Preserving Encryption Algorithms, Inscrypt 2016, State Key Laboratory of Information Security (SKLOIS) of the Institute of Information Engineering of Chinese Academy of Science and the Chinese Association for Cryptologic Research (CACR), pp. 64-83, November 04 - 06, 2016.
49. S. Pandey, P. N. Kondekar, K. Nigam, and D. Sharma A, 0.9V, 3.1-10.6 GHz CMOS LNA with high gain and wideband input match in 90 nm CMOS process, 13th IEEE Asia Pacific Conference on Circuits and Systems (APCCAS), Jeju South Korea, pp. 730-733, October 25 - 28, 2016.
50. S. K. Rai, R. Upadhya, G. Dutta and T. Sheorey, Numerical Investigation of Ledinegg Flow Instabilities in Supercritical Natural Circulation Loop, International Conference on Current Research Topics in Power, Nuclear and Fuel Energy SPEC, Hyderabad, India, October 25 - 27, 2016.
51. N. Agrawal, A. Kumar, V. Bajaj, Controlled Ripple Based Design of Digital IIR Filter, 21th IEEE International Conference on Digital Signal Processing (DSP), Beijing, China, pp. 627-631, October 16 - 18, 2016.



52. H. Singh, A. Kumar G. K. Singh, H.-N. Lee, A novel gamma correction approach using optimally clipped sub-equalization for dark image enhancement, 21th IEEE International Conference on Digital Signal Processing (DSP), Beijing, China, pp. 497-501, October 16 - 18, 2016.
53. Sharma, A. Kumar and G. K. Singh, H.-N. Lee, Design of Multiplierless Cosine Modulated Filterbank using Hybrid Technique in Sub-Expression Space, 21th IEEE International Conference on Digital Signal Processing (DSP), Beijing, China, pp. 360-364, October 16 - 18, 2016.
54. N. Agrawal, A. Kumar, V. Bajaj, Digital IIR Filter Design with Controlled Ripple Using Cuckoo Search Algorithm, International Conference on Signal and Information Processing (IConSIP-2016) Vishnupuri, India, pp. 01-04, October 06 - 08, 2016.
55. Sharma, A. Kumar and G. K. Singh, Design of Two Channel Multiplierless Filterbank using Common Sub-Expression Elimination, International Conference on Signal and Information Processing (IConSIP-2016), Shri Guru Gobind Singhji Institute of Engineering and Technology Vishnupuri Nanded Nanded, India, pp. 01-04, October 06 - 08, 2016.
56. Kumar, N., Jain, P.K., Tandon, Puneet and Pandey P.M., Toolpath Generation for Additive Manufacturing using CNC Milling Machine, 6th International Conference on Additive Manufacturing Technologies - AM 2016, Bangalore, INDIA, October 06 - 07, 2016.
57. Mohammad Taufik and Prashant K. Jain, Development and Analysis of Accurate and Adaptive FDM Post Finishing Approach, 6th International Conference on Additive Manufacturing Technologies - AM 2016, The Lalit Ashok, Bengaluru, INDIA, pp. 6, October 06 - 07, 2016.
58. Rhushikesh Joshi, Dheeraj Sharma, Nithin Kumar Y B, and Vasantha M H, Implementation of Double-Gate Junctionless Transistor and its Circuit Performance Analysis, IEEE TechSym 2016, Indian Institute of Technology Kharagpur, pp. 278-283, September 30 - October 02, 2016.
59. Mohd Kashif Zia Ansari, S. Ahish , Dheeraj Sharma, M. H. Vasantha , Y. B. Nithin Kumar, Performance Analysis of a Novel Hetero-junction Tunnel FET based SRAM at 0.3V Supply Voltage, IEEE TechSym 2016, Indian Institute of Technology Kharagpur, pp. 224-228, September 30 - October 02, 2016.
60. Swati Agrawal, V K Gupta, P K Kankar, Mode Shapes of Magnetic Field Affected Double Single Walled Carbon Nanotube System, ISSS National Conference on MEMS, Smart Materials, Structures and Systems, IIT Kanpur, pp. 01-05, September 28 - 30, 2016.
61. Koushlendra K Singh, B K Singh, Manish Bajpai, A Non-Invasive method to study the strength of rosewood for different applications, 8th World Congress on Industrial Process Tomography Brazil, September 26 - 29, 2016.
62. Manish Kumar Pandey, Sunil Agrawal, Implementation of Genetic Algorithm in Flexible Job Shop Scheduling Problem for Minimizing Makespan, International Conference on Emerging Trends in Mechanical Engineering (ICETIME 2016), IFHE University, Hyderabad, INDIA, pp. 555-560, September 23 - 24, 2016.



63. Prabal Pratap Singh, Manish Kumar Pandey and Sunil Agrawal, Feature Extraction from a STEP AP214 file using Python for a CAPP system, International Conference on Emerging Trends in Mechanical Engineering (ICETiME 2016), IFHE University, Hyderabad, INDIA, pp. 62-66, September 23 - 24, 2016.
64. Ranjeet Rajput and Sunil Agrawal, Improved Genetic Algorithm for Optimization of Assembly Sequence Plan, International Conference on Emerging Trends in Mechanical Engineering (ICETiME 2016), IFHE University, Hyderabad, INDIA, pp. 55-58, September 23 - 24, 2016.
65. Saurabh Kumar, Dinesh Kumar Vishwakarma, Compact circularly polarized slits-loaded microstrip patch antenna with symmetric-fractal boundary, 016 IEEE-APS Topical Conference on Antennas and Propagation in Wireless Communications (APWC) Cairns, QLD, pp. 34-37, September 19 - 23, 2016.
66. Ordonez, Isabel, Khan, Amaltas, Tandon, Puneet, and Rexfelt, Oskar, Designing with Waste: comparison of two Practice-based Education cases, 18th International Conference on Engineering & Product Design Education (EPDE 2016), Aalborg University, Denmark, September 08 - 09, 2016.
67. Jitendra Singh Thakur and Atul Gupta, Identifying domain elements from textual specifications, The 31st IEEE/ACM International Conference on Automated Software Engineering, ASE 2016SMU, Singapore, pp. 566-577, September 03 - 07, 2016.
68. Jitendra Singh Thakur and Atul Gupta, AnModeler: a tool for generating domain models from textual specifications, The 31st IEEE/ACM International Conference on Automated Software Engineering, ASE 2016 SMU, Singapore, pp. 828-833, September 03 - 07, 2016.
69. Ganesh, S., and Tandon, Puneet, Process-centric design solutions for unorganized sectors in developing country, 6th International Kansei Engineering and Emotion Research Conference (KEER 2016), University of Leeds, UK, August 31 - September 02, 2016.
70. Singh, Ravindra, and Tandon, Puneet, A Sustainable Approach to Develop Universal Products, 6th International Kansei Engineering and Emotion Research Conference (KEER 2016), University of Leeds, UK, August 31 - September 02, 2016.
71. N. S. Ravi, D. R. Saini, R. K. Singh, Dileep S., D. Venkatkiran, B. Mukherjee, Edge Grounding Perforated Triangular Dielectric Resonator Antenna, URSI-Asia Pacific Radio Science Conference (URSI AP-RASC), Seoul, South Korea, August 21 - 25, 2016.
72. N. Upadhyay, J. Metsebo, P.K. Kankar, B.R.N. Nbandjo, Mathematical Model for Rotor Bearing System by considering The Effect of Shaft Dynamics and Localized Bearing Defects, ASME 2016 International Design Engineering Technical Conferences and Computers and Information in Engineering Conference, Charlotte, North Carolina, USA, pp. 1-9, August 21 - 24, 2016.



73. Mohammad Taufik and Prashant K. Jain, Estimation and simulation of shape deviation for additive manufacturing prototypes, Proceedings of ASME 2016, International Design Engineering Technical Conferences & Computers and Information in Engineering Conference, Charlotte Convention Center, Charlotte, North Carolina, USA, August 21 - 24, 2016.
74. S. Mishra, P.K. Kankar, M. Ishihama, Monitoring of Stamping Process using Ultrasonic Waves, ASME 2016 International Design Engineering Technical Conferences and Computers and Information in Engineering Conference, Charlotte, North Carolina, USA, pp. 1-6, August 21 - 24, 2016.
75. Mohammad Taufik and Prashant K. Jain, Computer aided visualization tool for part quality analysis of additive manufacturing process, Proceedings of ASME 2016, International Design Engineering Technical Conferences & Computers and Information in Engineering Conference, Charlotte Convention Center, Charlotte, North Carolina, USA, August 21 - 24, 2016.
76. Gupta Nidhi, Seal A., Bhatele P., and Khanna Pritee, Selective Block Based Approach for Neoplasm Detection from T2-Weighted Brain MRIs, 2016 IEEE International Conference on Signal and Image Processing, Beijing, China, pp. 151-155, August 13 - 15, 2016.
77. Samrat Rao, Prasanth Prabhakaran, S. M. Deshpande, R.Narasimha, A DNS Study of a Transient Diabatic Plume as a Model for a Cumulus Cloud, 18th Annual CFD Symposium, Aeronautical Society of India, National Aerospace Laboratories, August 10 - 11, 2016.
78. Rohit Ahuja, Sraban Kumar Mohanty and Kouichi Sakurai, An Identity Preserving Access Control Scheme with Flexible System Privilege Revocation in Cloud Computing, 11th Asia Joint Conference on Information Security (AsiaJCS 2016) Fukuoka, Japan, pp. 01-08, August 04 - 05, 2016.
79. Mukhopadhyay, P., Nigam, S., Humanizing the digital sphygmomanometer interface for rural India, 2nd International Conference on Control Science and Systems Engineering (ICCSSE), Nanyang Technological University, Singapore, pp. 27-29, July 27 - 29, 2016.
80. Chetna Sharma, V. Dinesh Kumar, Koch fractalized compact spiral antenna based on Fibonacci sequence, 2016 IEEE 5th Asia-Pacific Conference on Antennas and Propagation (APCAP), Kaohsiung, pp. 157-158, July 26 - 29, 2016.
81. S. Ahish, Dheeraj Sharma, M. H. Vasantha, Y. B. N. Kumar, Design and Analysis of Novel InSb/Si Heterojunction Double Gate Tunnel Field Effect Transistor, IEEE Computer Society Annual Symposium on VLSI (ISVLSI 2016), Pittsburgh, Pennsylvania, U.S.A, pp. 105-109, July 11 - 13, 2016.
82. Husain, M. Ariz, N.A. Al-Azri, N.Z.H. Al-Rawashi and M.Z. Ansari, Thermal performance analysis of hybrid jet impingement/microchannel cooling for concentrated photovoltaic (CPV) cells, ASME International Conference on Nanochannels, Microchannels, and Minichannels (ICNMM 2016), Washington, USA, pp. 01-06, July 10 - 14, 2016.



83. Prateeksha Sharma and Dinesh Kumar V., Hybrid Metal Insulator Metal Plasmonic waveguide and Ring Resonator, OECC/PS conference on photonics in switching 2016, Niigata, Japan, pp. 01-03, July 03 - 07, 2016.
84. Tapas Bajpei, Hussain Chelladurai, Mohd Zahid Ansari, Numerical investigation of transient Temperature and residual stresses in thin dissimilar GMAW aluminium alloy plates, 44th SME North American Manufacturing Research Conference (NAMRC), Virginia Tech Blacksburg, Virginia, June 27 - July 01, 2016.
85. Kaushal Nigam, Sunil Pandey, P N Kondekar, Dheeraj Sharma, Temperature sensitivity analysis of polarity controlled electrically doped hetero-TFET, 12th Conference on Ph.D. Research in Microelectronics and Electronics (PRIME), Lisbon, Portugal, pp. 01-04, June 27 - 30, 2016.
86. Dharmendra Singh Yadav, Dheeraj Sharma, Bhagwan Ram Raad, Varun Bajaj, Dual work function hetero gate dielectric tunnel field-effect transistor performance analysis, International Conference on Advanced Communication Control and Computing Technologies (ICACCCT), pp. 25-27, June 25 - 27, 2016.
87. K. Nigam, S. Pandey, P. N. Kondekar, and Dheeraj Sharma, Temperature sensitivity analysis of polarity controlled electrically doped hetero-TFET, 12th Conference on Ph.D. Research in Microelectronics and Electronics (PRIME) Lisbon, Portugal, June 25 - 26, 2016.
88. Neeraj K. Jaiswal, Neha Tyagi and Pankaj Srivastava, Electronic properties of armchair graphene nanoribbons influenced via fluorine adatoms, International Conference on Materials Science and Technology (ICMST-2016), St. Thomas College, Pala, Kerala, June 05 - 08, 2016.
89. Bhagwan Raad, Dheeraj Sharma, Kaushal Nigam, and Pravin Kondekar, Current Drivability and Device Reliability Improvement by Work Function and Band gap Engineering, IEEE international conference on advanced communication control and computing technologies, Syed Ammal Engineering College Tamilnadu, India, May 25 - 27, 2016.
90. Dharmendra Singh Yadav, Dheeraj Sharma, Bhagwan Ram Raad and Varun Bajaj, Dual Workfunction, Hetero Gate Dielectric Tunnel Field-Effect Transistor Performance Analysis, IEEE International Conference on Advanced Communication Control and Computing Technologies (ICACCT 2016), Syed Ammal Engineering College Tamilnadu, India, pp. 26-29, May 25 - 27, 2016.
91. Sagar Baronia, Kaushal Nigam, Dharmendra Singh Yadav, Dheeraj Sharma, Bhagwan Ram Raad and Pravin Kondekar, A Novel Approach of PNP Dual Metal Double Gate Tunnel Field Effect Transistor for Improving DC Characteristics, IEEE international conference on advanced communication control and computing technologies (ICACCT 2016) 2016, Syed Ammal Engineering College Ramanathapuram, Tamilnadu, India, pp. 44-47, May 25 - 27, 2016.
92. Ruchir Gupta, Yatindra Nath Singh, Reputation Aggregation in Peer-to-Peer Network Using Differential Gossip Algorithm, IEEE ICDE, Aalto University, Helsinki, May 16 - 20, 2016.



93. Mayank Tiwari, Subir Singh Lamba & Bhupendra Gupta, An Approach for Visibility Improvement of Dark Color Images Using Adaptive Gamma Correction and DCT-SVD, IWPR 2016, Tokyo Japan, May 11 - 13, 2016.
94. M.K. Ahirwal, A. Kumar, N.D. Londhe and H. Bikrol, Scalp Connectivity Networks for Analysis of EEG signal During Emotional Stimulation, 5th IEEE International Conference on Communication and Signal Processing, Melmaruvathur, TN, India, pp. 592-596, April 06 - 09, 2016.
95. H Singh and A Kumar, Satellite Image Enhancement using Beta Wavelet based Gamma Corrected Adaptive Knee Transformation, 5th IEEE Int. Conf. on Communication and Signal Processing, Melmaruvathur, TN, India, pp. 129-132, April 06 - 09, 2016.
96. V. K. Mishra, V. Bajaj, A. Kumar and D. Sharma, Discrimination between Myopathy and normal EMG signals using intrinsic mode functions, International Conference on Communication and Signal Processing (ICCSP), Melmaruvathur, pp. 0299-0303, April 06 - 08, 2016.
97. Maurya, Sonam, Jain, V. K., Threshold Sensitive Region-Based Hybrid Routing Protocol for Precision Agriculture, IEEE WCNC16 Workshop on Mobile Edge Computing and IoT, Doha, Qatar, April 03 - 06, 2016.



संकाय सदस्यों की उपलब्धियाँ/ सम्मेलन/समारोह/पेटेंट्स

- क. पुनीत टंडन माटेक वेब आफ कांफरेंसेज, वाल्यूम 95 (2017), के सम्पादक रहे। 2016 मेकॉट्रानिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरिंग (आई सी एम ई ई 2016), शंघाई, चीन 21–23 अक्टूबर 2016 (संपादक : एच.एल. युवान, आर.के. अग्रवाल, पी.टंडन और ई.एस.वांग)।
- ख. प्रोफेसर पुनीत टंडन को आईडीएम ऑफ नान कंडक्टिव मटेरियल्स पर अनुसंधान कार्य हेतु आईएमटीएक्स 2017 में द्वितीय सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- ग. प्रोफेसर पुनीत टंडन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी में 9–11 जनवरी 2017 में अभिकल्पन में अनुसंधान (ICoRD'17) विषय पर आयोजित छठवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम समिति के सदस्य थे।
- घ. प्रोफेसर विजय कुमार गुप्ता “डिजाईन एंड डेवेलपमेंट ऑफ पीजोलेक्ट्रिक वाइब्रेशन सेंसर फॉर म्युनीशंस” एआरडीई पुणे की डिजाईन समीक्षा के विशेषज्ञ सदस्य थे।
- ङ. डॉ. प्रबीर मुखोपाध्याय का चयन यूनाईटेड किंगडम की पत्रिका ई-क्रोनिकान आर्थोपीडिक्स ई – क्रोनिकान सोसाईटी के सम्पादक मंडल के सदस्य के रूप में हुआ।
- च. डॉ. नीरज कुमार जयसवाल को अप्लाइड सर्फेस साईंस, एल्सेविएर का उत्कृष्ट समीक्षक चुना गया।
- छ. डॉ. दीपमाला को गणितीय विश्लेषण एवं उसके अनुप्रयोग (ICMAA-2017) पर दयानंद साईंस कॉलेज, लातूर, महाराष्ट्र, भारत में 5–9 मार्च 2017 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में चयनित किया गया। यह आयोजन एनबीएचएम, आईएनएसए, डीएसटी, सीएसआईआर एवं एसआरटीएम विश्वविद्यालय, नांदेड़, महाराष्ट्र, भारत के प्रायोजन में सम्पन्न हुआ।
- ज. डॉ. दीपमाला को 17–19 फरवरी 2017 तक बीवीएम, आनंद गुजरात में “विज्ञान में अनुसंधान नवाचार, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी (ICRISET-2017)” विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में चयनित किया गया।
- झ. डॉ. दीपमाला को जनरल लेटर्स इन मैथेमेटिक्स (GLM) (ISSN 2519-9277 (ऑनलाइन) ISSN 2519-9269 (प्रिंट)) के सम्पादक मंडल के सदस्य के रूप में चयनित किया गया।
- ञ. प्रोफेसर पुनीत टंडन ने “Product Design Concept Evaluation using Rough Sets and VIKOR Method”, Advanced Engineering Informatics, 2016, Vol- 30, pp. 16-25, : 10.2016/j-aei 2015.11.005 पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। जो एडवांस्ड इंफार्मेटिक्स पर सर्वाधिक डाउनलोड किये जाने वाले लेखों में से एक है।
- ट. प्रोफेसर पुनीत टंडन Key Engineering Materials (Vol.706), मुख्य विषय वस्तु: Materials and Technologies in Engineering Activity, अगस्त 2016 के सम्पादक थे। (सह-सम्पादक थे: Guojian Chen, Haider F.abdul Amir, Puneet Tandan, Poi Simkhiew)



- ठ. डॉ. मुकेश कुमार राय का चयन सर्वोत्कृष्ट प्रेरक शिक्षक के रूप में हुआ। इस कारण उन्होंने राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति के अतिथि के रूप में 7 दिनों का प्रवास किया।
- ड. डॉ. सुनील अग्रवाल को आईएफएचई युनिवर्सिटी हैदराबाद में आयोजित ICETIME 2016 में सर्वोत्तम शोध पत्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- ढ. डॉ. प्रशांत कुमार जैन एवं मोहम्मद तौफीक द्वारा "Accurate and Adaptive FDM Post Finishing Approach" पर प्रस्तुत शोध पत्र को 7-8 अक्टूबर 2016 को बेंगलूरु, भारत में Additive Manufacturing Technologies-AM 2016 पर प्रस्तुत शोध पत्रों में से सर्वोत्तम शोध पत्र का पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- ण. डॉ. बिश्वजीत मुखर्जी को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स ऑफ इंडिया के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग डिवीजन में युवा अभियंता का पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- त. प्रो. प्रवीण नेमिनाथ कोंडेकर को Doping Dependent Stacked Channel Finfet for Multiple Threshold Voltage Applications के लिये सर्वोत्तम पोस्टर का पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- थ. डॉ. अयान सील को इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी में पीएच.डी. योजना के अंतर्गत यंग फेकल्टी रिसर्च फेलोशिप पुरस्कार प्राप्त हुआ।

आयोजित सम्मेलन

- क. पुनीत टंडन ने कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में "रिसर्च इनटू डिजाइन(ICoRD' 17)" विषय पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी में आयोजित छठवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागिता की।
- ख. विनोद कुमार जैन द्वारा पीडीपीएम – ट्रिपल आईटी डीएम जबलपुर में "नेटवर्क सिमुलेशन एंड टूल्स (NS3 and Omnet++)" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।
- ग. पुनीत टंडन द्वारा उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग, बिट्स मेसरा रांची एवं इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के सहयोग से "इवोल्यूशन इन मैनुफैक्चरिंग : टेक्नोलॉजीस एंड बिजनेस स्ट्रेटजीस फॉर ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में भूमिका निभाई गई।
- घ. पुनीत टंडन द्वारा "स्मार्ट एंड इनोवेटिव टेक्नोलॉजीस इन इंजीनियरिंग एंड साइसेस (SITES 2016)" विषय पर ज्ञान गंगा कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, जबलपुर में आयोजित सम्मेलन में सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में भूमिका निभाई गई।
- ङ. पुनीत टंडन द्वारा शंघाई, चीन में "मैक्रोट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग, ICMME 2016, विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में सहभागिता की।
- च. पुनीत टंडन ने लंदन, यू.के. में "द 2016 इंटरनेशनल कॉफ्रेंस ऑफ कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड इंटेलिजेंस सिस्टम (ICCIIS'16), विषय पर आयोजित सम्मेलन में सम्मेलन समिति के सदस्य के रूप में सहभागिता की।



- छ. प्रिती खन्ना द्वारा "एडवांसेस इन कम्प्यूटिंग एंड डाटा साइंसेस (ICACDS-2016) विषय पर गाजियाबाद में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में सहभागिता की।
- ज. प्रिती खन्ना द्वारा "कम्प्यूटर विज़न एंड द इंटरनेट (VisionNet'2016) विषय पर जयपुर में आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में सहभागिता की।
- झ. प्रिती खन्ना ने लंदन, यू.के. में "द 2016 इंटरनेशनल कॉफ्रेंस ऑफ कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड इंटेलिजेंस सिस्टम (ICCIIS) ऑफ वर्ल्ड कांग्रेस ऑन इंजीनियरिंग (WCE), विषय पर आयोजित सम्मेलन में कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में सहभागिता की।
- ञ. प्रिती खन्ना एवं विनोद कुमार जैन द्वारा ट्रिपल आईटी डीएम जबलपुर में "स्मार्ट सिटीज (NCSC2016)" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
- ट. लोकेन्द्र कुमार एवं ममता आनन्द द्वारा ट्रिपल आईटी डीएम जबलपुर में "क्रियेटिविटी एंड इनोवेशन 2016" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- ठ. मनोज सिंह परिहार द्वारा होटल पुलमेन, दिल्ली में आयोजित "एशिया पेसिफिक माइक्रोवेव कांफ्रेंस (APMC 2016) के कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में सहभागिता की।

आयोजित समारोह

- क. प्रिती खन्ना द्वारा ट्रिपल आईटी डीएम जबलपुर में "आत्मरक्षा विषय" पर 8 मार्च 2017 को कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- ख. मातादीन बंसल द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईसीटी अकेडमी, पीडीपीएम – ट्रिपल आईटी डीएम जबलपुर में "नेटवर्क सिमुलेशन एंड टूल्स (NS3 and Omnet++)" विषय पर 4-9 फरवरी 2017 को आयोजित कार्यशाला में को-ऑर्डिनेटर के रूप में सहभागिता की।
- ग. पुनीत टंडन द्वारा ट्रिपल आईटी डीएम जबलपुर में "आईपी अवेक – एन अवेयरनेस सेमिनार ऑन इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स फॉर अकेडमिया" विषय पर कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII) एंड इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी इंडिया (IP) द्वारा 21 जनवरी 2017 को आयोजन किया गया।
- घ. प्रशांत कुमार जैन द्वारा एम.ए.एन.आई.टी. भोपाल में "एडवांसेस इन प्रोडक्ट डिजाइन एंड मैनुफैक्चरिंग" विषय पर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आई.सी.टी. एकेडमी द्वारा आयोजित एफ.डी.पी. में समन्वयक की भूमिका निभाई।
- ङ. प्रिती खन्ना एवं श्रबन कुमार मोहन्ती द्वारा ट्रिपल आई.टी.डी.एम. जबलपुर में "एडवांस्ड डाटा माइनिंग एल्गोरिद्म एंड देयर स्केलेबिलिटी फॉर बिग डाटा" विषय पर 2-7 जनवरी 2017 के दौरान आई.सी.टी. एकेडमी द्वारा आयोजित एफ.डी.पी. में को-ऑर्डिनेटर की भूमिका निभाई गई।
- च. पुनीत टंडन एवं पी. के. जैन द्वारा ट्रिपल आई.टी.डी.एम. जबलपुर में "इंटरनेट ऑफ प्रोसेस सेंट्रिक डिजाइन एंड मैनुफैक्चर" विषय पर 12-17 दिसंबर 2016 के दौरान ट्रिपल आई.टी.डी.एम. एवं मोफा जापान, ट्रिपल आई.टी.डी.एम.जबलपुर द्वारा आयोजित अभिकल्पन कार्यशाला (DeW 2016) में को-ऑर्डिनेटर की भूमिका निभाई गई।



- दृ प्रशांत कुमार जैन द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आई.सी.टी. एकेडमी, ट्रिपल आई.टी.डी.एम. जबलपुर द्वारा "हैण्डस-ऑन एक्सपीरियेंस ओरिएन्टेड प्रोग्रामिंग स्किल डेवलॉपमेंट प्रोग्राम ऑन कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग एंड ए.पी. पी. डेवलॉपमेंट यूसिंग मैटलैब" विषय पर 10-14 अक्टूबर 2016 के दौरान आयोजित एफ.डी.पी. के समन्वयक के रूप में सहभागिता की।
- ज. प्रिती खन्ना एवं श्रबन कुमा मोहन्ती द्वारा इंफोमेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एकेडमी, ट्रिपल आई.टी.डी. एम. जबलपुर द्वारा "बेसिक डाटा माइनिंग एल्गोरिदम एंड देयर स्केलेबिलिटी फॉर बिग डाटा" विषय पर 16-21 अगस्त 2017के दौरान आयोजित एफ.डी.पी. में को-आर्डिनेटर की भूमिका अदा की।

पेटेन्ट

क्र	नाम	पेटेन्ट क्रमांक	शीर्षक	स्थिति	वर्ष
1.	प्रो. पुनीत टंडन	201721006539 A	A process and System for Manufacturing of Formed Sheets and / or Components thereof with Offset Contours	प्रकाशित	2017
2.	मो. जाहिद अंसारी	01621025377	Diaphragm Integrated Piezoresistive Microcantilever Sensor	प्रकाशित	2016
3.	प्रो. पुनीत टंडन	201621038901	An Improved Energy Efficient Cooking Device	दर्ज	2016



दीक्षांत समारोह 2016

8 वाँ दीक्षांत समारोह आई.आई.टी.डी.एम. जबलपुर में 02 सितंबर 2016 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री वी. के. सारस्वत, सदस्य नीति आयोग एवं भूतपूर्व महानिदेशक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन एवं भूतपूर्व मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. कोटा हरिनारायण, अध्यक्ष, संस्थान के संचालक मंडल उपस्थित थे। छात्रों के अभिभावकों, संरक्षकों और जबलपुर व पूरे भारत से गणमान्य व्यक्तियों ने भी समारोह में भाग लिया।

कुल 326 डिग्रियां प्रदान की गईं संकाय/कार्यक्रम के अनुसार विवरण इस प्रकार है –

प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक)

क्र.सं.	संकाय	कुल
1	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	83
2	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग	83
3	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	81
	कुल	247

प्रौद्योगिकी परास्नातक (एम.टेक)

क्र.सं.	संकाय	कुल
1	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	10
2	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग	15
3	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	22
4	मेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग	11
5	डिजाइन	11
	कुल	69

शोध उपाधी (पी.एच.डी.)

क्र.सं.	संकाय	कुल
1	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	4
2	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग	5
3	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	1
	कुल	10



इसके अलावा निम्नलिखित पदक और पुरस्कार भी छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रदान किये गए

क्रमांक	पुरस्कार/पदक	प्राप्तकर्ता	मापदण्ड
1	संचालक मण्डल अध्यक्ष स्वर्ण पदक वर्ष 2016 के लिए	वैभव जयसवाल	स्नातक कार्यक्रमों के सभी संकायों के मध्य कक्षा के सभी छात्रों में उत्तम अकादमिक प्रदर्शन हेतु
2	निदेशकीय स्वर्ण पदक	संगीता सिंह	सभी परास्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत सभी विद्यार्थियों के मध्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु
3	निदेशकीय स्वर्ण पदक	यशस्वी गिरिधर	सभी स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत सभी विद्यार्थियों के मध्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु
4	निदेशकीय रजत पदक	कार्तिकेय मिश्रा	स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों के सभी विद्यार्थियों के बीच सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु
5	निदेशकीय रजत पदक	फराज नदीम	स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रमों के सभी विद्यार्थियों के बीच खेल व क्रीड़ा में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु
6	अभिकल्पन एवं विनिर्माण निपुणता स्वर्ण पदक	ऋषभ डबराल	स्नातक के सभी विद्यार्थियों के बीच सर्वश्रेष्ठ क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रोजेक्ट हेतु
7	अभिकल्पन एवं विनिर्माण निपुणता स्वर्ण पदक	आयुश कुमार गौर	स्नातक के सभी विद्यार्थियों के बीच सर्वश्रेष्ठ क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रोजेक्ट हेतु
8	अभिकल्पन एवं विनिर्माण निपुणता स्वर्ण पदक	अंशुल राठौर	स्नातक के सभी विद्यार्थियों के बीच सर्वश्रेष्ठ क्रॉस-डिसिप्लिनरी प्रोजेक्ट हेतु
9	अकादमिक प्रदर्शन प्रवीणता रजत पदक	वैभव जयसवाल	स्नातकोत्तर कार्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन हेतु
10	अकादमिक प्रदर्शन प्रवीणता रजत पदक	दिव्या लालवानी	स्नातक कार्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन हेतु
11	अकादमिक प्रदर्शन प्रवीणता रजत पदक	प्रभात राजन	स्नातक कार्यक्रम मैकेनिकल इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन हेतु
12	आई आई आई टी डी एम प्रवीणता पुरस्कार	श्रीलेखा पाण्डेय	कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग स्नातकोत्तर कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य हेतु
13	आई आई आई टी डी एम प्रवीणता पुरस्कार	संगीता सिंह	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग स्नातकोत्तर कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य हेतु
14	आई आई आई टी डी एम प्रवीणता पुरस्कार	दीपेश पंजवानी	मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातकोत्तर कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य हेतु
15	आई आई आई टी डी एम प्रवीणता पुरस्कार	विपिन यादव	डिजाइन संकाय स्नातकोत्तर कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य हेतु
16	आई आई आई टी डी एम प्रवीणता पुरस्कार	ऋषभ डबराल	स्नातक कार्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग संकाय में सर्वश्रेष्ठ परियोजना निर्माण हेतु
17	आई आई आई टी डी एम प्रवीणता पुरस्कार	दीपक कुमार	स्नातक कार्यक्रम इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग संकाय में सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य हेतु
18	आई आई आई टी डी एम	सिद्धार्थ कुमार	स्नातक कार्यक्रम मैकेनिकल इंजीनियरिंग संकाय में सर्वश्रेष्ठ



मुख्य अतिथि डॉ. वी. के. सारस्वत,
सदस्य नीति आयोग, भारत सरकार
द्वारा डिग्री प्राप्त करते हुए छात्र



अध्यक्ष, प्रशासक मंडल डॉ. कोटा
हरिनारायणा द्वारा संबोधन



8वें दीक्षांत समारोह के दौरान
गणमान्य व्यक्ति



निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन
डिग्री प्रदान करते हुए



प्लेसमेंट

सत्र 2013-17 के दौरान प्लेसमेंट का विवरण इस प्रकार है -

क्र. सं.	सारांश	सी.एस.ई.	ई.सी.ई.	एम.ई.	कुल	पैकेज (*)
	पंजीकृत छात्र	52	28	51	131	
1	ओरेकल ओ.एफ.एस.एस.	5	3	4	12	4.75
2	फ्यूचर फर्स्ट	0	1	0	1	9.2
3	वासर लैब्स	9	0	0	9	6
4	कोवियाम टेक्नोलॉजीस	6	0	0	6	8
5	स्मार्टप्रिक्स (चयन नहीं)	0	0	0	0	25
6	कस्टोमाइज्ड टेक्नोलॉजीस	2	0	0	2	5
7	विप्रो	3	4	9	16	3.3
8	इंफोसिस	13	6	9	28	3.25
9	आई.बी.एम.-जी.बी.एस.	6	4	0	10	3.7
10	टाटा टेक्नोलॉजीस	0	0	1	1	4.5
11	कैपजेमेनी	10	4	7	21	6
12	वासर लैब्स	3	0	0	3	6
13	लावा इंटरनेशनल	1	1	0	2	6
14	ओरेकल आर.जी.बी.यू.	4	0	0	4	9
15	बीओआरएल (पूल कैम्पस @भोपाल)	0	0	1	1	7.5
16	इंक्रिती	3	0	0	3	6
17	हैकर अर्थ	1	0	0	1	7.2
18	डायरेक्ट्री (ऑफ कैम्पस)	1	0	0	1	14.47
19	एल एण्ड टी (टेकजियम)	0	0	2	2	0
20	क्विटिंग लैब्स प्राइवेट लिमिटेड	1	0	0	1	0
21	स्टेक्यू टेक्नोलॉजीस	0	0	0	1	0
22	डारविन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड	1	0	0	1	0
23	एडॉब (पूल कैम्पस)	0	0	0	0	20
24	सैमसंग आर एण्ड डी बैंगलौर (भोपाल)	0	0	0	0	7.5
25	कमिन्स	0	0	0	0	0
26	नोकिया	0	0	0	0	0
27	एच.एस.बी.सी.	0	0	0	0	0
28	आई टी सी (फर्स्ट नौकरी डॉट कॉम के माध्यम से)	0	0	0	0	0



क्र. सं.	सारांश	सी.एस.ई.	ई. सी.ई.	एम.ई.	कुल	पैकेज (*)
29	एंग्लो ईस्टर्न	0	0	0	0	0
30	एमडॉक्स	0	0	0	0	0
31	एमार्जॉन	0	0	0	0	0
32	क्यू.यू.ओ.एल.टी.	0	0	0	0	0
33	ल्यूसिड	0	0	0	0	0
34	आई बी एम – आई.एस.एल.	0	0	0	0	0
35	एटकिन्स ग्लोबल	0	0	0	0	0
36	सोकराती पुणे	0	0	0	0	0
विभिन्न प्रस्तावों की कुल संख्या (ड्रीम एण्ड डे 1)		70	23	33	126	
प्लेसमेंट का प्रतिशत		134.62	82.14	64.71	96.18	

प्लेसमेंट (एम.टेक. एवं एम. डेस.)

क्र. सं.	सारांश	सी.एस.ई.	ई.सी.ई.	एम.ई.	एम.डेस	कुल	पैकेज (*)
पात्र पंजीकृत छात्र		4	5	2	12	23	
1	ओरेकल ओ.एफ.एस.एस.	0	0	0	0	0	4.8
2	के.पी.आई.टी.	0	0	0	0	0	0
3	इंफोसिस	0	0	0	0	0	3.5
4	आई.बी.एम.–जी.बी.एस.	2	0	0	0	2	3.7
5	ई.एस.टी.ओ.एन.	2	3	0	0	5	8.1
6	एन.आई.आई.टी. यूनिवर्सिटी	1	0	0	0	1	10
7	फेनम हैदराबाद	0	0	0	2	2	
8	ईनाबिलिंग डाइमेंशन	0	0	0	1	1	
9	डिजाइन ब्रेवरी	0	0	0	1	1	
10	ग्रेविटी	0	0	0	1	1	
11	रूफपिक	0	0	0	1	1	
12	मिरा एग्जिम लिमिटेड	0	0	0	1	1	
13	इंसोर्ट्स	0	0	0	1	1	
14	साक्राती पुणे	0	0	0	1	1	
15	भारतीय सेना	0	0	0	1	1	
16	क्यूमिन्स	0	0	0	0	0	0
17	क्यू.यू.ओ.एल.टी.	0	0	0	0	0	0
18	एटकिन्स ग्लोबल	0	0	0	0	0	
19	न्यूजेन सोफ्टवेयर	0	0	0	0	0	0
विभिन्न प्रस्तावों की कुल संख्या		5	3	0	10	18	



छात्रवृत्ति, फ्रीशीप और वित्तीय सहायता

(I) संस्थान कोष से वित्तीय सहायता

(अ) स्नातक छात्रों हेतु मेरिट-कम-मिंस (एमसीएम) छात्रवृत्ति

प्रतिभावान छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार संस्थान द्वारा स्थापित कोष से जरूरतमंद छात्रों की मदद की जाती है।

अप्रैल 2016 से जुलाई 2016 तक प्रदान की गई छात्रवृत्ति का विवरण (सत्र 2015-16 के लिये सत्र 2016-17 में)

क्रं. सं.	बी. टेक बैच	वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान एमसीएम पाने हेतु पात्र छात्रों की संख्या	1000/- प्रतिमाह के हिसाब से चार माह हेतु किया गया भुगतान	शिक्षण शुल्क छूट लागू नहीं क्योंकि वर्ष 2015-16 में भुगतान किया जा चुका है।	कुल भुगतान
1	2012	61	4000	0	244000
2	2013	55	4000	0	22000
3	2014	63	4000	0	252000
4	2015	72	4000	0	288000
कुल रूपये					1004000

(II) अगस्त 2016 से मार्च 2017 तक प्रदान की गई छात्रवृत्ति का विवरण (वित्त वर्ष 2016-17)

क्रं. सं.	बी. टेक बैच	वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान एमसीएम पाने हेतु पात्र छात्रों की संख्या	1000/- प्रतिमाह के हिसाब से चार माह हेतु किया गया भुगतान (ए)	सेमेस्टर I एवं II हेतु शिक्षण शुल्क छूट रु. 25000/- सेमेस्टर I एवं II हेतु शिक्षण शुल्क छूट रु. 40000/- केवल 2015 बैच हेतु (बी)	कुल भुगतान (ए+बी)
1	2013	55	8000X55 = 440000	64X50000 3200000	3648000
2	2014	63	8000X63= 504000	68X 50000 3400000	3904000
3	2015	72	8000X72= 576000	79X80000 6320000	6896000
4	2016	55	8000X55= 440000	52X88000 4576000	5016000
कुल रूपये					1,94,64,000



- (III) शिक्षण शुल्क छूट सहित भुगतान की गई एमसीएम छात्रवृत्ति की कुल राशि इस प्रकार है:-
रु. 10,04,000 + रु 1,94,64,000 / - = रु 2,04,68,000 / -

(ब) छात्रवृत्ति/सहायकता/पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों को वित्तीय सहायता

फैलोशिप/सहायता के रूप में पोस्ट ग्रेजुएट में नामांकित छात्रों और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए वित्तीय असिस्टेंसिप के मासिक भुगतान के लिए संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देश का पालन करता है।

कार्यक्रम	माहवार असिस्टेंसिप की राशि	समयावधि
परास्नातक स्तर	12400	2 वर्ष हेतु
शोध स्तर	25000	पहले 2 वर्ष
	28000	शेष 3 वर्ष

- (III) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए शीर्ष स्तर की शिक्षा के लिए केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति योजना

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और जनजातीय कार्य मंत्रालय से प्राप्त अनुदान क्रमशः संस्थान के स्नातक कार्यक्रम के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति 17 और 5 है। वार्षिक रूप से प्रदान की गई छात्रवृत्ति इस प्रकार है-

वर्ष 2016-17 में अनुसूचित जनजाति के छात्रों हेतु छात्रवृत्ति

क्र.सं.	बैच	छात्र संख्या	राशि(रु.में)
1	2011	2	68500
2	2012	1	36400
3	2013	5	122460
4	2014	4	144000
		कुल.रु	371360

वर्ष 2016-17 में अनुसूचित जाति के छात्रों हेतु छात्रवृत्ति

क्र.सं.	बैच	छात्र संख्या	राशि(रु.में)
1	2012	10	365810
2	2013	6	185804
3	2015	10	876400
4	2016	2	36000
		कुल रु.	1464014



(1) वर्ष 2016-17 में अनुसूचित जनजाति के छात्रो हेतु पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति

क्र.सं.	बैच	छात्र संख्या	राशि (रु.में)
1	2016	3	54000
		कुल रु.	54000

(2) वर्ष 2016-17 में अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रो हेतु पोस्ट मेट्रिक छात्रवृत्ति

क्र.सं.	बैच	छात्र संख्या	राशि(रु.में)
1	2016		70000
		कुल रु.	70000



छात्र उत्सव (विद्यार्थी उत्सव) एवं समारोह

विद्यार्थी गतिविधि

शैक्षणिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा संस्थान विद्यार्थियों के समग्र विकास पर भी बल देता है। संस्थान ने इसीलिये विविध प्रकार की गैर शैक्षणिक गतिविधियों यथा— खेलकूद, विद्यार्थी प्रकाशन, रोबोटिक्स के साथ साथ सांस्कृतिक तथा कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिये भी उत्कृष्ट अधोसंरचना विकसित करने का काम किया है।

विद्यार्थी जिमखाना के तीन क्षेत्र हैं—सांस्कृतिक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और खेलकूद। वर्तमान में विद्यार्थी जिमखाना के 20 क्लब कार्य कर रहे हैं और सम्बंधित क्षेत्रों के संकाय काउंसलर के निर्देशन में संचालित हो रहे हैं।

विद्यार्थियों द्वारा आयोजित संस्थान के तीन वार्षिक उत्सव—तरंग, अभिकल्पन और गस्टो न केवल जबलपुर के कालेजों के लिये बल्कि पूरे देश के विभिन्न संस्थानों के लिये आकर्षण के केंद्र रहे हैं। इन कार्यक्रमों में बड़े पैमाने पर विद्यार्थियों की प्रतिभागिता रही और उनका प्रदर्शन भी गुणवत्तापूर्ण था। हमारे विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार जीते और उनकी प्रशंसा भी हुई।

विद्यार्थी जिमखाना

विद्यार्थी जिमखाना को इस उद्देश्य से विकसित किया गया है ताकि विद्यार्थी अनुशासनपूर्ण स्वयं-शासन द्वारा परिसर की विविध आंतरिक गतिविधियों के आयोजन के साथ साथ एक जिम्मेदार छात्र संस्था स्थापित कर सकें। विद्यार्थी जिमखाना का संचालन छात्र सीनेट द्वारा किया जाता है जिसका गठन लोकतांत्रिक तरीके से प्रत्येक अध्ययन अनुशासन और बैच से निर्वाचन के माध्यम से किया जाता है। छात्र सीनेट के सदस्यों का चुनाव सीधे मतदान द्वारा किया जाता है।

अधिष्ठाता (छात्र) विद्यार्थी जिमखाना के प्रमुख होते हैं जो संस्थान के संचालक मंडल द्वारा 3 वर्ष के लिये नामित किये जाते हैं। अधिष्ठाता (छात्र), छात्र सीनेट की सभी बैठकों की अध्यक्षता करते हैं और सालभर आयोजित होने वाली जिमखाना गतिविधियों के लिये छात्र प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन करते हैं। इसके अलावा, खेलकूद, सांस्कृतिक और तकनीकी काउंसलर के रूप में नामित 3 संकाय सदस्य क्रमशः खेलकूद, सांस्कृतिक और तकनीकी गतिविधियों एवं विद्यार्थी जिमखाना द्वारा अपने अपने क्षेत्र में आयोजित होने वाले मुख्य उत्सवों की देखरेख करते हैं। वर्षभर के दौरान छात्रों द्वारा निम्न गतिविधियों/उत्सवों का आयोजन किया गया।

- (i) विद्यार्थी जिमखाना के साहित्यिक क्लब ने अंतरमहाविद्यालयीन (इंद्रा-कालेज) साहित्यिक एवं क्विज फेस्टिवल "फियेस्ता दा लितेराती (Fiesta-da-literati) का आयोजन 2 से 4 सितम्बर 2016 तक संस्थान में किया।
- (ii) 6 विद्यार्थियों के एक दल ने एनआईटी जालंधर का भ्रमण किया और 19-23 अक्टूबर 2016 तक आयोजित एनआईटी जालंधर के तकनीकी उत्सव "टेक्नीटी" (Techniti) में भाग लिया। इस दल ने 3 प्रतिस्पर्धाओं—रोबोवार (Robowar), कार फुटबाल (Car Soccer) और सस्पेंशन ड्राइव (Suspension Drive) में भाग लिया।
- (iii) विद्यार्थी जिमखाना के जज्बात क्लब के 17 विद्यार्थियों के एक दल ने आईआईटी रुड़की का भ्रमण किया और 21 से 23 अक्टूबर 2016 तक आयोजित उसके सांस्कृतिक उत्सव "थाम्सो उत्सव (Thomso'16)" में भाग लिया। दल को नुक्कड़ नाटक प्रतिस्पर्धा में उपविजेता का खिताब मिला। टीम के 3 सदस्यों को एक दिवस विशेष के सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन का पुरस्कार प्राप्त हुआ।



- (iv) विद्यार्थी जिमखाना के प्रोग्रामिंग क्लब के 17 विद्यार्थियों के एक दल ने अटल बिहारी बाजपई ट्रिपल आईटी ग्वालियर का भ्रमण किया और 12 से 13 नवम्बर 2016 तक आयोजित उसके वार्षिक टेक्नो-मैनेजमेंट उत्सव की विविध प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया।
- (v) 13 नवम्बर 2016 को एक रक्तदान शिविर का आयोजन विद्यार्थी जिमखाना द्वारा किया गया जिसमें जिमखाना के पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही। लगभग 200 विद्यार्थियों ने सामाजिक उद्देश्य हेतु रक्तदान किया।

तरंग 2016

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर के 10वें वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव "तरंग" का आयोजन 21 से 23 अक्टूबर 2016 के दौरान किया गया। यह ट्रिपल आईटीडीएम के शैक्षणिक कैलेंडर के बहुप्रतीक्षित उत्सवों में से एक है और मध्यभारत के सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सव के रूप में विकसित हो चुका है। यह पूरे भारत के सभी शीर्ष कालेजों के सर्वोत्कृष्ट प्रतिभाओं के लिये एक ऐसा मंच है जहां उन्हें विभिन्न सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाओं में अपना कौशल दिखाने का अवसर मिलता है। तरंग के व्यापक फलक का अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि यह पूरे देश के 150 से भी अधिक इंजीनियरिंग कालेजों से प्रतिभागियों को आमंत्रित करता है। परिसर में 7000 से भी ज्यादा प्रतिभागियों की उपस्थिति से ऐसा माहौल बनता है कि यह वर्ष का सबसे बड़ा महोत्सव बन जाता है।

वर्ष 2007 से यह उत्सव मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय उत्सव बना हुआ है। प्रतिवर्ष अक्टूबर माह में आयोजित तरंग उत्सव ने हमेशा से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का ध्यान खींचा है जिसका कारण आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की विविधता और चुनौतियां हैं। इस वर्ष का उत्सव एक बड़े और बेहतर तरंग के वादे लेकर आ रहा है जिसमें अनेक आकर्षक प्रतिस्पर्धायें एवं गतिविधियाँ ऑनलाइन तथा उत्सव के दौरान आयोजित की जायेंगी। हास्य एवं मनोरंजन के साथ-साथ यह उत्सव किसी न किसी उद्देश्य को लेकर सामाजिक सेवा भी करता है जैसे "मुस्कान 2015" एवं "प्रधानमंत्री को प्रेषित संदेश 2014"। यह युवाओं के लिये केवल अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और संस्कृति, कला, संगीत एवं साहित्य के क्षेत्र में सम्भावनायें तलाशने का मंच ही नहीं प्रदान करता है अपितु कल्याणकारी क्लब "जागृति" के बच्चों को भी मंच पर प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करता है।



तरंग 2016 के दौरान प्रदर्शन करते हुए विद्यार्थी



इंटर ट्रिपल आईटी खेल महोत्सव 2016

इंटर ट्रिपलआईटी खेल महोत्सव 2016 का उद्घाटन आयोजन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान कांचीपुरम, चेन्नई द्वारा 12-15 दिसंबर 2016 तक किया गया। खेल महोत्सव में कुल 12 ट्रिपल आईटी संस्थानों ने भाग लिया और कुल प्रतिभागियों की संख्या 357 थी।

आयोजक मेजबान संस्थान ने विभिन्न खेलों के अंतर्गत विविध प्रतिस्पर्धाओं यथा- एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केट बाल, कैरम, शतरंज क्रिकेट, फुटबाल, टेबल टेनिस, वालीबाल का आयोजन किया। प्रतिस्पर्धाओं का प्रारूप संस्थानों के खेल प्राधिकारियों और प्रतिभागी संस्थानों के संकाय सदस्यों/छात्र प्रतिनिधियों की बैठक में 11 दिसंबर की शाम को तय किया गया। जू के माध्यम से मैचों का निर्धारण किया गया।

संस्थान की टीम में दो सहयोगी स्टाफ सदस्यों डॉ. निहार कुमार महतो और श्री घनश्याम मेशराम सहित कुल 42 छात्र छात्रायें शामिल थे। संस्थान ने विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया एवं 8 स्वर्ण, 6 रजत और 4 कांस्य पदक जीते। संस्थान ने ओवरआल चौम्पियनशिप में द्वितीय स्थान, पुरुष चौम्पियनशिप में द्वितीय स्थान और महिला चौम्पियनशिप में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।



बास्केट बॉल प्रतियोगिता



बैडमिंटन प्रतियोगिता

हमारे विद्यार्थियों के प्रदर्शन/उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं:

ओवरआल चौम्पियनशिप	—	द्वितीय स्थान
पुरुष चौम्पियनशिप	—	द्वितीय स्थान
महिला चौम्पियनशिप	—	द्वितीय स्थान

खेलवार प्रदर्शन:

छात्र

एथलेटिक्स	400 मीटर	—	द्वितीय स्थान (रजत पदक)
	800 मीटर	—	तृतीय स्थान (कांस्य पदक)
	1500 मीटर	—	द्वितीय स्थान (रजत पदक)
शाटपुट	प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक)		
बैडमिंटन	प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक)		
बास्केटबाल	प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक)		
कैरम	द्वितीय स्थान (रजत पदक)		
शतरंज	चतुर्थ स्थान		



क्रिकेट प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक)
वालीबाल तृतीय स्थान (कांस्य पदक)

छात्रायें

एथलेटिक्स : ओवरआल प्रथम स्थान
100 मीटर – प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक)
200 मीटर – द्वितीय स्थान (रजत पदक)
400 मीटर – प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक) और तृतीय स्थान (कांस्य पदक)
800 मीटर – प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक)
लम्बी दौड़ : प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक) और द्वितीय स्थान (रजत पदक)
बैडमिंटन : द्वितीय स्थान (रजत पदक)
टेबल टेनिस : तृतीय स्थान (कांस्य पदक)

गस्टो – 2017

पीडीपीएम ट्रिपल आईटीडीएम जबलपुर के वार्षिक खेल महोत्सव “गस्टो 2017” का आयोजन 27 से 29 जनवरी 2017 तक किया गया। खेल महोत्सव में ट्रिपल आईटी कोटा और ट्रिपल आईटी कल्याणी सहित कुल 15 संस्थानों ने भाग लिया। गस्टो 2017 में विद्यार्थियों का प्रदर्शन निम्नानुसार रहा:--

क्रिकेट	विजेता
फुटबाल	विजेता
वालीबाल	उपविजेता
शतरंज	विजेता
बास्केट बाल	तृतीय स्थान
एथलेटिक्स	विजेता
बैडमिंटन (छात्रा)	उपविजेता
कैरम (छात्र)	विजेता



गस्टो – 2017 में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं की झलकिया



प्रथम इंटर ट्रिपल आईटी टेक्नो-सांस्कृतिक उत्सव

मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं ट्रिपल आईटी परिषद् द्वारा लिये गये निर्णयों के अनुसार ट्रिपल आईटी उत्सव, ट्रिपल आईटी खेल उत्सव और ट्रिपल आईटी तकनीकी उत्सव का आयोजन क्रमशः ट्रिपल आईटी कांचीपुरम और ट्रिपल आईटी ग्वालियर ने किया। उसी आधार पर इंटर ट्रिपल आईटी टेक्नो-सांस्कृतिक उत्सव के प्रथम संस्करण का आयोजन ट्रिपल आईटीडीएम द्वारा 23 से 26 मार्च 2017 तक किया गया।

अपनी तरह के एक पहले इंटर ट्रिपल आईटी टेक्नो-सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन 23 से 26 मार्च 2016 तक किया गया जिसका उद्देश्य रोबोटिक्स, प्रोग्रामिंग, भौतिकी एवं खगोल विज्ञान, साहित्य, कला एवं नृत्य, संगीत और नाट्यकला के क्षेत्र में आज के युवा वर्ग की प्रतिभा को निखारना था।

तकनीकी प्रतिस्पर्धायें

यथा- रोबोवार, लाईन फालोईंग रोबोट (एलएफआर), रोबोथान, क्रिप्टो क्रैकर, कोडिंग एंड हेकाथान, ब्रैंड प्रस्तुति, एलईडी मैट्रिक्स गेमिंग, आनॅसार्ड कोडिंग, माईन फील्ड एस्केप एंड एस्ट्रोनोमी एवं फिजिक्स क्विज आदि आयोजित की गयीं जिनमें विभिन्न आईआईटी संस्थानों के साथ जबलपुर और बाहर के अन्य इंजीनियरिंग कालेजों के प्रतिभागियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धायें

यथा- पोस्टर निर्माण, स्पेल बी, फोटोग्राफी प्रतिस्पर्धा, समूह नृत्य, अनप्लग्ड (UNPLUGGED), समूह चर्चा, अंग्रेजी में सृजनात्मक लेखन, एकल गायन (अंग्रेजी) एकल गायन (हिंदी), रंगोली, पेपर कटिंग, एकल अभिनय आदि आयोजित की गयीं।



प्रथम इंटर ट्रिपल आईटी टेक्नो-सांस्कृतिक उत्सव की झलकियाँ



अन्य गतिविधियाँ

उड़िया नृत्य

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार संस्थान में भारतीय विरासत एवं दर्शन क्लब की स्थापना की गई। क्लब की पहली बैठक में यह निर्णय लिया गया कि यह क्लब भारतीय संस्कृति तथा मूल्य के संवर्धन हेतु काम करेगा, जो आजकल के समाज में कुछ सीमा तक कम हो गये हैं।

विद्यार्थियों, संस्थान के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को उनकी दैनिक तनावपूर्ण दिनचर्या से राहत प्रदान करने के लिये तथा उनमें भारतीय शास्त्रीय नृत्य और संगीत के प्रति आत्म सम्मान एवं गर्व की भावना पैदा करने के उद्देश्य से उड़िया नृत्य में सिद्धहस्त पद्मश्री रंजना गौर जी को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। संस्थान द्वारा उन्हें SPIC MACAY तथा भारतीय विरासत एवं दर्शन क्लब के सौजन्य से 6 फरवरी 2017 को आमंत्रित किया गया था।

आतिथ्य, समारोह आयोजन, मंच संचालन आदि कार्यों की जिम्मेदारी क्लब के अलग अलग सदस्यों को दी गई। प्रत्येक सदस्य को उन्हें दिये गये कार्य अपने तरीके से पूरा करने की पूरी स्वतंत्रता दी गई जिससे उन्हें अपनी सृजनात्मकता, नैसर्गिक योग्यता एवं प्रतिभा को खोजने और उन्हें विकसित करने में मदद मिली। इस तरह से, हर क्लब सदस्य ने अपने एक नये आयाम की खोज की। कतिपय अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण, समारोह का आयोजन 7 फरवरी 2017 को करना पड़ा।



अपने समूह के साथ पद्मश्री रंजना गौर जी की नृत्य प्रस्तुति



शाम- ए- हिंदुस्तानी

हर व्यक्ति द्वारा उड़िया संध्या की काफी प्रशंसा किये जाने के पश्चात्, भारतीय विरासत एवं दर्शन क्लब ने एक बार फिर एक असाधारण समारोह "शाम- ए- हिंदुस्तानी" का आयोजन SPIC MACAY के सौजन्य से 22 मार्च 2017 को किया। अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वायलिन वादक उस्ताद जौहर अली खान ने श्री उमेर खान के साथ ट्रिपल आईटीडीएम जबलपुर के विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का आध्यात्मिक अनुभव कराने के लिये मंत्रमुग्ध कर देने वाली एक प्रस्तुति दी।



वायलिन वादक उस्ताद जौहर अली खान
की प्रस्तुति एवं उनके सहयोगी

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2017

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पूरी दुनिया में 8 मार्च को मनाया जाता है। इस अवसर पर पीडपीएम ट्रिपल आईटीडीएम जबलपुर के महिला क्लब ने संस्थान की छात्राओं हेतु आत्मरक्षा विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का संचालन अमित दास ने किया जो कराटे में ब्लैक बेल्ट धारी हैं और सुरक्षाकर्मियों को प्रशिक्षण देते हैं। कार्यशाला में अमित दास ने आत्मरक्षा की बारीकियों से परिचित कराया जो व्यावहारिक और आजमाने लायक थीं। उन्होंने मनोवैज्ञानिक आक्रमणों तथा उनसे आत्मरक्षा के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कई छोटे हथियारों जैसे चाकू, सूई, रोयेंदार मोजे, बिजली से संचालित टार्च आदि के बारे में परिचित कराया। उन्होंने इन हथियारों का प्रयोग करने के तरीके बताये और उन बिंदुओं के बारे में भी जानकारी दी कि कैसे आक्रमणकारी को अधिकतम चोट पहुंचाई जा सकती है। उन्होंने उन तरीकों के बारे में भी बताया कि कैसे अप्रिय स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने जागरुकता की नई तकनीकों के बारे में भी बताया कि कैसे आक्रमणकारी का ध्यान किसी दूसरी दिशा में खींचा जा सकता है। कुछ घटित प्रकरणों के माध्यम से भी गहन जानकारी दी गई। सत्र के बाद प्रश्न चक्र भी रखा गया जिसमें छात्राओं ने अपने संशय रखे और अपने भ्रम दूर किये। संक्षेप में, कार्यशाला छात्राओं के लिये बहुत लाभदायक थी, उन्होंने आत्मरक्षा की बारीकियों के बारे में जानकारी प्राप्त की जिससे उन्हें भविष्य में हो सकने वाली आपातकालीन परिस्थितियों का सामना करने में मदद मिलेगी।



प्रशिक्षक द्वारा व्यावहारिक प्रदर्शन



पीडीपीएम-ट्रिपल आईटीडीएम जबलपुर, नवप्रवर्तनीय एशिया कार्यक्रम (JICA) के सहयोगी स्कूल के रूप में

पीडीपीएम-ट्रिपल आई.टी.डी.एम जबलपुर ने 2 मार्च 2017 को विदेश मंत्रालय जापान के प्रतिनिधिमंडल के रूप में जापान अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी की मेजबानी की। पीडीपीएम - ट्रिपल आईटी डीएम जबलपुर नवप्रवर्तनीय एशिया कार्यक्रम (JICA) के अंतर्गत भारत के राष्ट्रीय महत्व के 9 संस्थानों के सहयोगी स्कूलों में से और भारत एशिया के 12 देशों में से एक है। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने गरिमामय समागम के विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया।



जापानी विदेश मंत्री मिस सातो द्वारा संबोधन

इस सम्मेलन में जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ संस्थान निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन एवं मेजबान संस्थान के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे। सम्माननीय जापानी पहल का प्रस्तुतीकरण विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के समक्ष मिस. सातो, विदेश मंत्रालय जापान, श्री ताकीजावा, निदेशक और मिस. हागीवारा, उपनिदेशक, डमेस्टिक स्ट्रेटेजी एंड पार्टनरशिप डिपार्टमेंट, JICA, ने दिया।

जापान के निम्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विश्वविद्यालयों का परिचय दिया और साथ ही पहल के अंतर्गत संचालित किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विद्यार्थियों को परिचित कराया।

1. हिरोशिमा विश्वविद्यालय 2. क्योटो विश्वविद्यालय 3. क्यूशू विश्वविद्यालय 4. ओसाका विश्वविद्यालय 5. टोकियो विश्वविद्यालय 6. टोकाई विश्वविद्यालय 7. तोयोहाशी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय 8. वासेदा विश्वविद्यालय

प्रस्तुतीकरण में जून 2006 में जापानी कैबिनेट द्वारा अनुमोदित "जापान रीवाईटलाईजेशन स्ट्रेटेंजी" के बारे में बताया गया। साथ ही एशिया के विकासशील देशों से सक्षम मानव संसाधन को आकर्षित करने तथा उनके साथ काम करने हेतु अपने संसाधनों को क्रियाशील करने के संबंध में जापानी सरकार के दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया गया ताकि वे जापानी नवाचारों एवं सर्वोत्कृष्ट औद्योगिक व्यवहारों के बारे में जानकर और उनके बारे में समझ विकसित कर अपनी अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति में सक्रिय भूमिका निभा सकें। प्रस्तुतीकरण के बाद जापानी प्रतिनिधिमंडल और विद्यार्थियों ने कार्यक्रम के महत्वपूर्ण आयामों पर अर्थपूर्ण विचार विनिमय किया। संस्थान के विद्यार्थियों के लिये यह विशेष गर्व एवं ख्याति का विषय है कि उन्हें यह अवसर मिला जिससे उन्हें विश्वस्तरीय शैक्षणिक विद्वानों का साहचर्य प्राप्त हुआ जो देश के सर्वोत्तम विद्यार्थियों को ही मिल पाता है।



हिन्दी पखवाड़ा 2016



प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा 2016 मनाया गया जो कि 14 सितम्बर को प्रारंभ हुआ तथा 28 सितंबर को समाप्त हुआ। राष्ट्र प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाता है, क्योंकि इसी दिन संविधान सभा द्वारा वर्ष 1949 में हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाया गया था

पखवाड़े के दौरान कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लोगों ने उत्साह पूर्वक इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। समापन समारोह 28 सितंबर 2016 को मनाया गया जिसमें संस्थान निदेशक, अधिष्ठातागण एवं कुलसचिव संस्थान के अन्य सदस्य उपस्थित थे। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये।



ट्रिपल आईटीडीएम जबलपुर एवं जापान के बीच परस्पर सहयोग

जेनेसिस 2016 (JENESYS 2016)

जेनेसिस कार्यक्रम के अंतर्गत 10 विद्यार्थियों के एक दल ने 13-20 दिसंबर 2016 तक जापान का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने निम्न स्थानों का अवलोकन किया:-

- (1) जाक्सा (JAXA) एरोस्पेस सेंटर
- (2) किताजिमा शिबोरी सीसाकुशो कम्पनी लिमिटेड
(Kitajima Shibori Seisakusho Co. Limited)
- (3) आमामादा मशीन टूल्स लिमिटेड (AMADA Machine Tools Ltd.)
- (4) टोकियो विश्वविद्यालय (University of Tokyo)
- (5) उमीहोतारू (Umihotaru)

प्रोफेसर सुजुकी ने विद्यार्थियों को जापानी नवाचार पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिये। इन व्याख्यानों के माध्यम से विद्यार्थियों ने जापानी नवाचार के बारे में जानकारी प्राप्त की और उन्होंने जापानी लोगों के काम के प्रति सतत् अभिप्रेरणा तथा समर्पण के कारणों के बारे में भी जाना। जाक्सा (JAXA) एरोस्पेस सेंटर के भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने वायुयानों के अभिकल्पन संबंधी आधुनिक प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी प्राप्त की।

विद्यार्थियों ने आमामादा मशीन टूल्स का भी भ्रमण किया जो मशीन विनिर्माण के उत्कृष्ट डेवेलपर्स में से एक हैं। वहाँ उन्होंने रोबोट विनिर्माण के काम हेतु विभिन्न विनिर्माण प्रचालनों यथा टू बेंडिंग, वेल्डिंग एवं एसेम्बलिंग के बारे में भी सीखा जिससे मानवीय गलतियों और श्रम को कम करने में मदद मिलती है। विद्यार्थियों ने टोकियो के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक असाकुसा मंदिर के भी दर्शन किये।

विद्यार्थियों ने विश्व के सर्वोत्कृष्ट विश्वविद्यालयों में से एक टोकियो विश्वविद्यालय का भी भ्रमण किया जहाँ हो रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में उन्होंने जानकारी प्राप्त की। विश्वविद्यालय के स्नातक एवं परास्नातक दोनों पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने शल्यचिकित्सा में काम आने वाली कटिंग एज टेक्नोलॉजी विकसित करने की प्रक्रिया में हिस्सा लिया।

विद्यार्थियों ने उमीहितारू का भी भ्रमण किया जो दर्शनीय सौंदर्य वाला एक कृत्रिम द्वीप है। यह मानव निर्मित द्वीप टोकियो एक्वुआ सुरंग के जरिये टोकियो से जुड़ा हुआ है। यह सुरंग समुद्र के भीतर बनाई गई है जो 10 किलोमीटर लम्बी है।

जापान यात्रा वास्तव में एक बड़े अनुभव वाली यात्रा थी। विद्यार्थियों ने जापान की विविध प्रौद्योगिकियों एवं संस्कृति के बारे में जाना। विद्यार्थियों ने जापान के विभिन्न स्थानों तथा उद्योगों के बारे में भी गहन जानकारी हासिल की।



पुस्तकालय

प्रस्तावना

संस्थान पुस्तकालय एक संकर पुस्तकालय है और मिश्रित रूप से विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है। मुद्रित और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री दोनों सभी पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए खुले हैं। लाइब्रेरी सभी आधुनिक सुविधाओं और सभी विषयों में समृद्ध संग्रह के साथ सुसज्जित है। इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, विज्ञान, प्रबंधन, मानविकी और अन्य नए उभरते क्षेत्रों से संबंधित उपलब्ध संग्रह सीडी, डीवीडी, ऑन लाइन डेटाबेस, ई-पत्रिकाओं और मुद्रित सामग्री के रूप में उपलब्ध हैं।



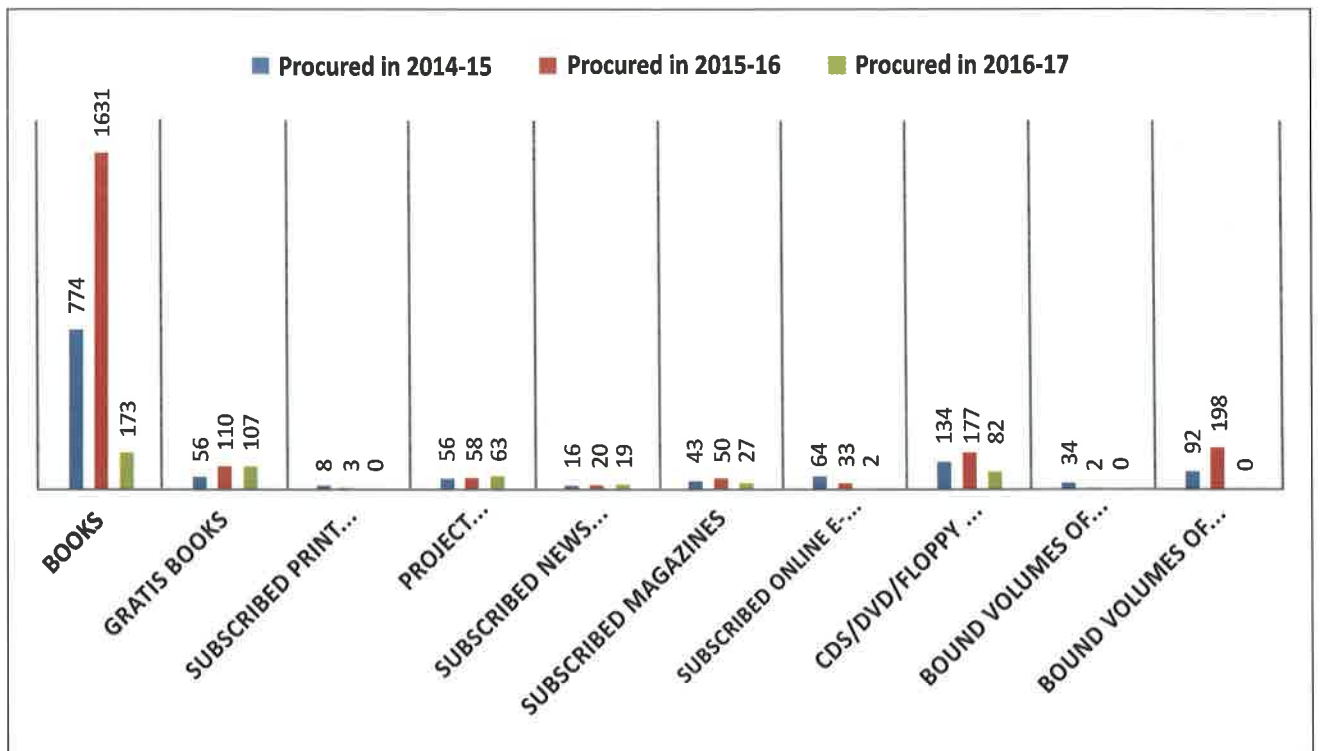
पुस्तकालय संग्रह का सांख्यिकीय निरूपण—

पुस्तकालय संग्रह का विकास सबसे महत्वपूर्ण कार्यों और संकायों, शोधार्थियों, छात्रों और स्टाफ के शैक्षणिक पाठ्यक्रम और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संस्थान पुस्तकालय संग्रह दिन प्रतिदिन सभी क्षेत्रों बढ़ रहा है। 1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च 2017 तक की स्थिति के अनुसार पुस्तकालय का कुल संग्रह इस प्रकार है—

संग्रह का विवरण (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म)						
माध्यम	संग्रह	31 मार्च 2014 को	2014-15 में खरीदी	2015-16 में खरीदी	2016-17 में खरीदी	31 मार्च 2017 को कुल संग्रह
दस्तावेजी स्रोत (मुद्रित)	पुस्तकें	11117	774	1631	173	13695
	ग्रिटीस पुस्तकें	219	56	110	107	492
	प्रिन्ट जर्नल	3	8 (P = 2, O+P =6)	3 (O+P)	0	0
	परियोजना प्रतिवेदन/ थीसेस	72	56	58	63	249



	समाचार पत्र	16 (E-9, H-7)	16 (E-6, H-10)	20 (E-8, H-12)	19 (E-7, H-12)	19
	पत्रिकायें	40	43	50	27	27
गैर दस्तावेजी स्रोत (गैर मुद्रित)	आनलाईन ई-रिसोर्स, ई- जर्नल	63	64 (O = 56, O+P = 6, P = 2)	33 (O =30, O+P = 3)	2	2
	सीडी / डीवीडी / फ लापी पुस्तकों के साथ प्राप्त (परियोजना प्रतिवेदन / पुस्तकों / पत्रिकाओं के साथ प्राप्त)	1451 (बुक सीडी 1215, फलापी 1, परियोजना प्रतिवेदन 56, पत्रिकायें 179)	134 (बुक सीडी 45, फलापी 0, परियोजना प्रतिवेदन 54, पत्रिकायें 35)	177 (बुक सीडी 91, फलापी 0, परियोजना प्रतिवेदन 55, पत्रिकायें 31)	82 (बुक सीडी 0, फलापी 0, परियोजना प्रतिवेदन 62, पत्रिकायें 20)	1844 (बुक सीडी 1351, फलापी 1, परियोजना प्रतिवेदन 227, पत्रिकायें 265)
अभिलेख (पुराने)	जर्नल	75	34	2	0	93
	पत्रिकायें	51	92	198	0	341





संदर्भ संग्रह का विवरण

क्र.सं.	संदर्भ स्रोत	31 मार्च 2015 का संग्रह	2015-16 में खरीदी	2016-17 में खरीदी	31 मार्च 2017 को संग्रह की कुल मात्रा
1.	विश्वकोष	122	0	10	132
2.	निर्देशिकाएँ	4	0	0	4
3.	पुस्तिकां	169	4	0	173
4.	शब्दकोश	43	0	0	43
5.	सम्मेलन द्वारा	13	0	4	17
6.	सांख्यिकीय सूत्र	21	3	5	29
7.	वार्षिक विवरण	18	1	24	43
8.	इयर बुक	4	0	0	4
9.	एटलस	2	0	0	2
10.	मेंनुअल	3	0	0	3
11.	विश्व अभिलेख	2	0	0	2
12.	ग्रंथ सूची	0	0	15	15

संग्रह का उपयोग

क्र.सं.	विवरण	औसत उपयोग
1.	पुस्तकालय में आंतरिक पुस्तकालय उपयोगकर्ता	90 -100 यूजर्स प्रति दिन
2.	पुस्तकालय में बाहरी पुस्तकालय उपयोगकर्ता	04-05 यूजर्स प्रति माह
3.	पुस्तकों के संचलन (जारी, पुनः जारी और वापसी)	150 लेनदेन प्रतिदिन
4.	जर्नल्स और पत्रिकाओं का उपयोग	50 - 60 प्रतिदिन
5.	संदर्भ सामग्री का उपयोग	30 - 35 प्रतिदिन
6.	ई-संसाधन का उपयोग (लेख डाउनलोड)	11,600 लेख प्रतिमाह (लगभग)
7.	रिप्रोग्राफिक सेवा की संख्या	01 - 02 प्रति माह
8.	संदर्भ प्रश्नों की संख्या	05 - 08 प्रति दिन



संस्थान पुस्तकालय की क्षमता:

संस्थान पुस्तकालय बहुत विशाल है और एक आरामदायक वातावरण से युक्त है। पुस्तकालय का कुल क्षेत्रफल 234 वर्ग मीटर है, जो दो भागों में बंटा हुआ है, एक स्टेक क्षेत्र है (191 वर्ग मीटर) और एक अन्य संदर्भ क्षेत्र है (43 वर्ग मीटर)। संस्थान के पुस्तकालय में एक अलग संदर्भ खंड बनाया गया है। विभिन्न संदर्भ संग्रह के प्रकार उपयोगकर्ताओं के लिए प्रदान करते हैं और संदर्भ प्रश्नों को पूरा करते हैं। हमारे संस्थान पुस्तकालय के भीतर एक समय में 100 व्यक्ति बैठ सकते हैं जिसमें 04 पीसी ई-संसाधन और वेब ओपेक के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए ऋण मानदंड			
क्र.सं.	संस्थान पुस्तकालय की सदस्य श्रेणी	एक समय पर जारी पुस्तकें	ऋण अवधि
1.	प्राध्यापक सदस्य	20	180 days
2.	अनुसंधान इंजीनियर	20	180 days
3.	सभी गैर-शिक्षण सदस्य	05	30 days
4.	स्नातकोत्तर छात्र (पीजी और पीएचडी)	07	30 days
5.	स्नातक छात्र (यूजी)	07 (सेमेस्टर पुस्तकों सहित)	15 days

पुस्तकालय का विकास:

1. ई-संसाधनों का ऑनलाइन एक्सेस: ई-शोध सिंधु (ईएसएस) मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा विकसित व INFLIBNET केन्द्र गांधीनगर गुजरात द्वारा सहयोग प्राप्त एक नवीन भागीदारी है। इस भागीदारी द्वारा संस्थान को बड़ी मात्रा में ई-रिसोर्स उपलब्ध हो रहे हैं जैसे- एसीएम डिजीटल लाइब्रेरी, ए एस एम ई जर्नल्स आनलाइन, एमराल्ड सी एफ टी आई संकलन (298 शीर्षक), जेएसटीओ, जेगेटे प्लस(जेसीसीसी) आदि।





ई-शोध सिंधु में उपलब्ध ई-संसाधन

क्र.	संसाधन/जर्नल का नाम	संसाधन/जर्नल का प्रकार (डाटाबेस/प्रिंट जर्नल/ई-जर्नल/ई-जर्नल पैकेज)
1.	ए.सी.एम डिजिटल पुस्तकालय	ऑनलाइन
2.	ए.एस.एम.ई. जर्नल ऑनलाइन	ऑनलाइन
3.	साप्ताहिक आर्थिक एवं राजनैतिक	ऑनलाइन
4.	एमराल्ड सी.एफ.टी.आई. संग्रह (298 शीर्षक)	ऑनलाइन
5.	आई.ई.ई.ई./आई.ई.टी. इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकालय (आई.ई.एल) ऑनलाइन	ऑनलाइन
6.	उद्योग विकास (आई .एस.आई.डी.) डेटा बेस हेतु संस्थान	ऑनलाइन
7.	जे-गेट प्लस (जे.सी.सी.सी.)	ऑनलाइन
8.	जे.एस.टी.ओ.आर.	ऑनलाइन
9.	प्रकृति	ऑनलाइन
10.	ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस	ऑनलाइन
11.	स्प्रिंगर .लिंग	ऑनलाइन
12.	वेब साइंस लीज एक्सेस	ऑनलाइन

2. नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी (एन.डी.एल.) में ऑनलाइन एक्सेस :- मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सूचना एवं संचार के माध्यम से शिक्षा के अपने राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी की शुरुवात की है। इसका विकास भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के द्वारा किया जा रहा है।

एन.डी.एल. इंडिया के ई-संसाधन की सूची		
क्र.	संसाधन/जर्नल का नाम	संसाधन/जर्नल का नाम
1.	विश्व ई-पुस्तक पुस्तकालय	ऑनलाइन
2.	दक्षिण एशिया संग्रह (एस.ए.ए.)	ऑनलाइन

सदस्यता प्राप्त ई-संसाधन की सूची			
क्र.	संसाधन/जर्नल का नाम	संसाधन/जर्नल का प्रकार	प्रकाशक का नाम
1	साइंस डारेक्ट विकल्प 1	ऑनलाइन	Elsevier
2	एनर्जी	ऑनलाइन	Elsevier



3. **पुस्तकालय खुलने का समय** : संस्थान पुस्तकालय उपयोगकर्ता के हित के लिये अवकाश दिवसों में भी खुला रहता है।

पुस्तकालय खुलने का समय		
खुलने एवं बंद होने का समय		जारी/पुनः जारी/वापसी एवं नो-ड्यूज का समय
सोमवार से शुक्रवार (अवकाश दिवसों सहित)	प्रातः 8 बजे से रात्रि 11 बजे तक	प्रातः 9 बजे से सायं 05.30 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
शनिवार एवं रविवार (अवकाश दिवसों सहित)	प्रातः 9 बजे से रात्रि 8 बजे तक	

4. **पुस्तक बैंक**: संस्थान के पुस्तकालय में एक पुस्तक बैंक अनुभाग का विकास किया गया है (मुख्यतः पाठ्य पुस्तक) और वे विद्यार्थियों को दी जा रही है।

अन्य सेवाएँ :

- ओ पी ए सी अध्याधिक उपयोग किया जाने वाला पुस्तकालय का डाटाबेस है और जिसे 24 घण्टे सातों दिन पुस्तकालय के पेज से एक्सेस किया जा सकता है। पुस्तकालय में उपलब्ध समस्त दस्तावेजों को सूचीबद्ध करने के अलावा इसमें ऑनलाईन आरक्षण, पुस्तकों की स्थिति, उपयोगकर्ता का विवरण, ओवरड्यू विवरण आदि प्राप्त किया जा सकता है। संस्थान का पुस्तकालय ई-रिसोर्स के डाउनलोड एवं सीडी रोम (स्टडी मटेरियल) एक जगह पर उपलब्ध कराता है।
- संदर्भ सेवा उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय के साधनों एवं सेवाओं के सतत् उपयोग की सेवा देता है। यह उपयोगकर्ता को जानकारी या दस्तावेज प्राप्त करने में आवश्यक मदद देता है।

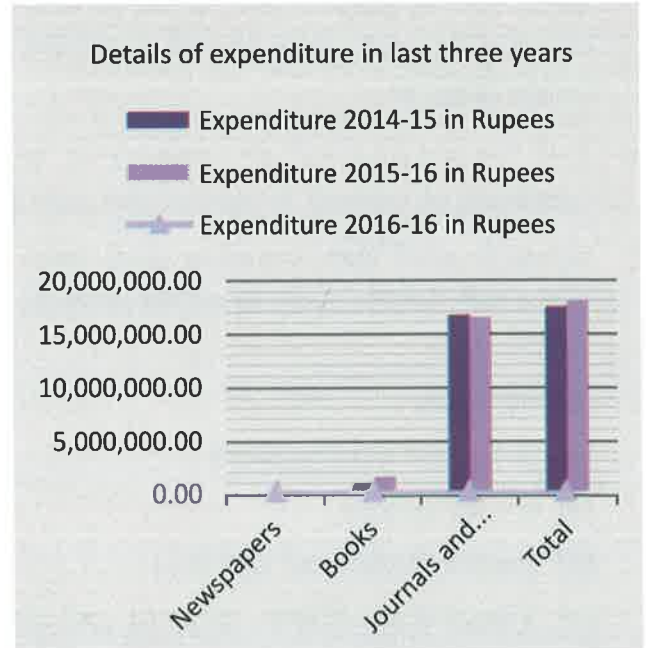
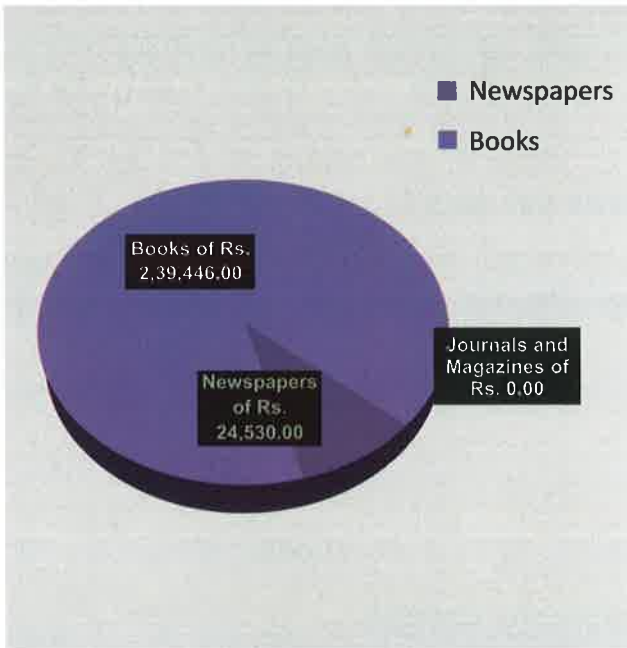
जानकारी अलर्ट सेवा: पुस्तकालय समय-समय पर उपयोगकर्ताओं को अद्यतन जानकारी ई-मेल से भेजता है और उन्हे नोटीस बोर्ड पर भी प्रदर्शित करता है। समस्त पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को वार्षिक जानकारी दी जाती है:

- (क) नई पुस्तकें
- (ख) ई-रिसोर्स नया सब्सक्रिप्शन
- (ग) अन्य नए दस्तावेज
- (घ) संकाय व विद्यार्थियों का पब्लीकेशन
- (ङ) आनेवाले कांफ्रेंस, सेमिनार, कार्यशाला, अन्य राष्ट्रीय अन्तरराष्ट्रीय गतिविधियाँ
- (च) छात्रवृत्ति, फेलोशिप की जानकारी
- (छ) ई-संसाधन उपयोग के लिये वर्कशॉप/लेक्चर



- **इलेक्ट्रानिक थिसिस एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट:** स्नाकोत्तर एवं शोध के विद्यार्थियों की थिसिस एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट संस्थान के पुस्तकालय में इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट दोनो रूप में संग्रहित है। थिसिस एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट लोकल सर्वर पर अपलोड की गई है। समस्त उपयोगकर्ता 24 घण्टे सातो दिन एक्सेस व डाउनलोड कर सकते है।
- **समाचार पत्र क्लिपिंग सेवा:** संस्थान का पुस्तकालय समाचार पत्रों में छपने वाली संस्थान से संबंधित सूचनाओ को संग्रहित करता है। यह संग्रहण भविष्य में होने वाले उपयोग के लिये किया जाता है।

व्यय का विवरण				
क्र.	मद	वर्ष 2014-15 में व्यय	वर्ष 2015-16 में व्यय	वर्ष 2016-17 में व्यय
1.	समाचार पत्र	रु.13,911.00 (लगभग)	रु.. 17,749.50 (लगभग)	रु.24,530.00 (लगभग)
2.	पुस्तकें	रु.7,57,588.00 (लगभग)	रु.14,59,873.00 (लगभग)	रु.2,39,446.00 (लगभग)
3.	जर्नल एवं पत्रिकायें	रु.. 1,66,86,294.66 (लगभग)	रु.1,64,52,775.83 (लगभग)	रु.0.00
	कुल	रु.174,57,793.66 (लगभग)	रु.1,79,30,398.33 (लगभग)	रु.2,63,976.00 (लगभग)





पुस्तकालय के छायाचित्र





कार्यशाला एवं सम्मेलन

(i) सृजनात्मकता एवं नवाचार पर राष्ट्रीय कार्यशाला

सृजनात्मकता एवं नवाचार पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान जबलपुर, मध्यप्रदेश में 5 से 6 नवम्बर 2016 तक किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ. ऋषिकेश टी कृष्णन, निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर ने अपने अति अभिनव विचार "जुगाड़" के माध्यम से उत्कृष्टता हासिल करने की जरूरत पर अपने सारगर्भित विचार रखे। उन्होंने बड़ी दृढ़ता के साथ सुझाव दिया कि सभी प्रयासों में शिक्षा के सम्यक स्वरूप से अतिआवश्यक सुधार लाया जाना चाहिये जिसमें मानविकी और



विज्ञान का भी समुचित समावेश हो। ये विषय अनुभव आधारित सीख के अनुरूप प्रवृत्ति एवं अभिवृत्ति (एप्टिट्यूड) का विकास करते हैं जो प्रयोग करने और क्रमिक रूप से मूल्यवान उद्यम को आगे बढ़ाने के लिये उन्नत जानकारी हेतु बहुत आवश्यक है। अपने इस विचार को रेखांकित करने के लिये उन्होंने टाटा "एस" और "नैनो" का उदाहरण दिया। उन्होंने आगे जोड़ा कि अनुभव आधारित सीख हमें लोगों के जीवन में गहरे उतरने और जिन स्थितियों में वे रहते हैं, उसकी कल्पना करने में मददगार सिद्ध होती है। साथ ही ऐसी सीख हमें सृजनात्मक ढंग से नवाचार करने के कौशल को बढ़ाने में भी मदद करती है। ट्रिपल आईटीडीएम जबलपुर और जबलपुर स्थित अन्य शैक्षणिक संस्थानों के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में विद्वान वक्ताओं के कार्यशाला सत्रों में भाग लिया। वे उन वरिष्ठ विद्वानों को सुनने के लिये बेताब थे जो भारत और विश्व को बदलने हेतु उन्हें प्रेरित करने आये थे। कार्यशाला के विषय "अपनी पसंद की दुनियां कैसे बनायें" ने भी उनका ध्यान खींचा।

देश के सर्वोत्कृष्ट संस्थानों से आये वक्ताओं में आईआईटी कानपुर के पूर्व प्रोफेसर अमित रे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने उद्घाटन उद्बोधन में उन्होंने इस बात पर बल देकर कहा कि कैसे आविष्कार और नवाचार विभिन्न सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्यों से उत्पन्न दो अलग अलग चीजें हैं। लोगों में जागरूकता विकसित किये बिना और बगैर सृजनात्मकता के दोनों सम्भव नहीं हैं। यहां पर उन्होंने ललित कला, साहित्य, सामाजिक विज्ञान और इसी तरह के अन्य विषयों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

कार्यशाला में जबलपुर के उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें उन्होंने मॉडल एवं पोस्टर के माध्यम से अपने सृजनात्मक और अभिनव विचारों को प्रदर्शित किया। इनमें से तीन सर्वोत्तम प्रोजेक्ट्स को "युवा सृजनात्मक नवप्रवर्तक (यंग क्रियेटिव इनोवेटर)" के रूप में मान्य किया गया तथा उन्हें समुचित सम्मान भी दिया गया।



(ii) अभिकल्पन कार्यशाला 2016 (DeW 2016)

अभिकल्पन कार्यशाला 2016 (DeW 2016) 12 से 14 दिसंबर 2016 तक आयोजित की गई। कार्यशाला "प्रक्रिया केंद्रित अभिकल्पन एवं विनिर्माण के इंटरनेट (internet of process-centric design and manufacturing)" विषय पर आधारित थी। ख्यातिप्राप्त वक्ताओं और विशेषज्ञों ने इस अवसर पर अपनी विशिष्ट उपस्थिति से कार्यशाला का मान बढ़ाया। कार्यशाला में उद्घाटन एवं समापन सहित 10 सत्र रखे गये थे। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर ब्रह्मोस मिसाइल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सुधीर मिश्र बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। उन्होंने "वायु प्रक्षेपित क्रूज मिसाइल के अभिकल्पन आयाम (Design Aspects of Air Launched Cruise Missile)" के बारे में व्याख्यान दिया। इसके अलावा, निम्न जापानी विशेषज्ञों ने अधोलिखित विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किये :-



1. प्रोफेसर मानाबू कियुची (Manabu Kiuchi), "विनिर्माण एवं नवाचार—जापान में भावी दिशा" विषय पर।
2. प्रोफेसर योशिमी इटो (Prof. Yoshimi Ito), "इंडस्ट्री 4.0— प्रोडक्ट सिस्टम के अनुप्रयोग Industrie 4.0—पजे application to product Systems" leading issues and Technological assets so far accumulated विषय पर।
3. श्री तोशियो तकागी ने सूक्ष्म उद्योग 4.0— विनिर्माण के इंटरनेट को बढ़ावा देने की क्रियान्वयन अवधारणा MINI Industry4-0— Execution Concepts to promote the Internet of Manufacturing विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया।
4. डा. एंग मसाओ नाकागावा (Dr. Eng Masao Nakagawa) ने स्मार्ट फ़ैक्टरी की अवधारणा साकार करने हेतु ओक्युमा के मौलिक सीएनसी कंट्रोलर "ओएसपी सूईट" पर (on 'Okuma's original CNC controller "OSP suite" to realize the Smart Factory') अपना अनुभव साझा किया।
5. डा. हिरोकाजूनारुई (Mr. Hirokazu Narui) ने प्रोडक्शन साईट के लिये आमाडा की स्ट्रेटेजी (on "Amada's IoT Strategy for Production Site") पर
6. डॉ. पी. थानापांडी ने सूक्ष्म उद्योग 4.0— क्रियान्वयन प्रौद्योगिकी एवं केस स्टडी (Mini Industry 4.0 - The Execution Technologies and case studies) पर अपने विचार व्यक्त किये।
7. प्रोफेसर अमरेश चक्रबोर्ती, आईआईएससी बंगलोर ने IOT in Healthcare & Manufacturing: Some Learnings from IISc Experience पर दूसरे सत्र में अपना मुख्य उद्बोधन दिया।
8. आईडीसी, आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर बापट ने पांचवे सत्र में "आईओटी एवं सीपीएस का हमारे जीवन पर प्रभाव तथा अभिकल्पन और विनिर्माण में इसकी चुनौतियां (Impact of IOT & CPS on our Lives and its challenges to Design & Engineering Education) विषय पर अपना उद्बोधन दिया।
9. पांचवे सत्र में आग्ना के श्री आर. राजकुमार ने डिजिटल डिसरप्शन – क्या होता है रीटेल जब सॉफ्टवेयर बन जाता है ? (Digital Disruption: What happens when retail becomes software ?) पर अपना पेपर पढ़ा।



10. आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसर मनोज तिवारी ने 9वें सत्र में "डिजिटल प्रोडक्ट, प्रक्रिया और उत्पादकता के विनिर्माण को बढ़ाने के सर्विस प्लैटफॉर्म (Digital Product, Process and Service platform to enhance manufacturing productivity)" विषय पर अपना उद्बोधन दिया।
11. ट्रिपल आईआईटीडीएम जबलपुर के निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन ने कार्यशाला के तीसरे दिन अपने अनुभव और ज्ञान साझा किये।

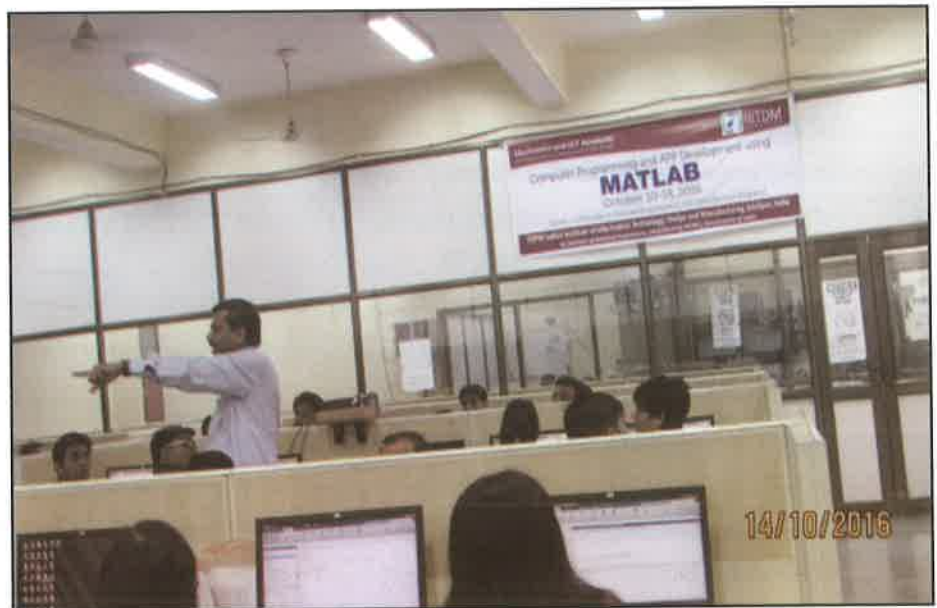
अभिकल्पन कार्यशाला 2016 (DeW 2016) की अन्य गतिविधियाँ

- (अ) ट्रिपल आईटीडीएम जबलपुर और अल्फा टीकेजी जापान के बीच एक उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर आफ एक्सेलेंस) स्थापित करने हेतु एक एम.ओ.ए. पर हस्ताक्षर किये गये।
- (ब) आईओटी
- (स) अभिकल्पन एवं विनिर्माण – भावी सम्भावनायें एवं कार्य योजना पर समूह चर्चा
- (द) विद्यार्थी अभिकल्पन चुनौती (Student Design Challenge-SDC)
एसडीसी की केंद्रीय विषयवस्तु "राहत प्रबंधन हेतु आईओटी आधारित समाधान का अभिकल्पन करना (The theme of SDC was – Design an IOT based solution for Relief Management) थी।

पाठ्यक्रम अध्यापक द्वारा व्याख्यान

(iii) कम्प्यूटेशनल प्रोग्रामिंग एंड एपीपी डेवलपमेंट यूजिंग मैटलैब पर कार्यशाला

"कम्प्यूटेशनल प्रोग्रामिंग एंड एपीपी डेवलपमेंट यूजिंग मैटलैब" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन 10 से 14 अक्टूबर 2016 तक किया गया। कार्यशाला के पाठ्यक्रम को हर उस व्यक्ति के लिये अभिकल्पित किया गया था जो प्रोग्रामिंग और जीयूआई की बेसिक समझ विकसित करने की इच्छा रखता हो। आज शैक्षणिक और उद्योग जगत का समय उत्साहवर्धक है जहां प्रोग्रामिंग एक ऐसा जीवंत उपकरण बन गया है जो अनुसंधान और विकास को सुदृढ़ बनाता है। यह एक मूलभूत अनुभव उन्मुख कौशल विकास कार्यक्रम था जिसमें कम्प्यूटेशनल पद्धति के विस्तृत अनुप्रयोगों तथा विशेष प्रोग्रामिंग अभ्यास के प्रावधान शामिल थे। इस पाठ्यक्रम का प्रस्ताव विभिन्न क्षेत्रों (डोमेन) में नवागतों के साथ साथ प्रोफेशनल व्यक्तियों को किया गया था। शिक्षण तकनीक का प्रयोग इस तरह से किया गया



पाठ्यक्रम अध्यापक द्वारा व्याख्यान



ताकि सभी को समझ में आ सके, उन्हें भी जिन्हें कम्प्यूटेशनल मेथड एवं प्रोग्रामिंग की कोई पूर्व जानकारी नहीं थी। मैटलैब के अधुनातन अनुप्रयोग (एडवांस एप्लिकेशन) की केस स्टडी भी उच्चस्तरीय प्रेरित शोधार्थियों और संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई तथा उन्होंने कम्प्यूटेशनल पद्धतियों (कम्प्यूटेशनल मेथड्स) के अनुप्रयोग को हाल ही में किये गये अपने शोध कार्य के माध्यम से प्रदर्शित किया।

(IV) स्मार्ट सिटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन (25-26 नवम्बर 2016)

पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान (पीडीपीएम आईआईआईटीडीएमजे) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईटीडी) द्वारा संयुक्त रूप से स्मार्ट सिटी (एनसीएससी 2016) पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन थिंक इंडिया फोरम, जबलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड और ईयू- इंडिया-एफआई मीडिया प्रोजेक्ट के सहयोग से 25 नवम्बर से 26 नवम्बर 2016 तक किया गया। सम्मेलन पीडीपीएम आईआईआईटीडीएमजे के परिसर में आयोजित किया गया। समारोह प्रोफेसर पी.के.जैन के नेतृत्व में आयोजित हुआ।

पीडीपीएम आईआईआईटीडीएम जबलपुर के निदेशक सम्मेलन के संरक्षक थे और प्रोफेसर एम पी गुप्ता, विभागाध्यक्ष, प्रबंध अध्ययन, ईयू- इंडिया एफआई मीडिया पार्टनर, आईआईटी दिल्ली ने सम्मेलन अध्यक्ष के रूप में मार्गदर्शन किया। सम्मेलन का संचालन सीएससी की एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. प्रिती खन्ना एवं सहायक प्रोफेसर डा. विनोद कुमार जैन ने किया।

एनसीएससी का आयोजन पूरे देश में 100 स्मार्ट सिटी बनाने की भारत सरकार के दृष्टिकोण के परिप्रेक्ष्य में किया गया। इसका उद्देश्य स्मार्ट सिटी के विकास के मुद्दे और चुनौतियों को लक्षित करना था। सम्मेलन का उद्देश्य ऐसे समाधान भी लेकर आना था जिससे आर्थिक रूप से गतिशील और पर्यावरण हितैषी स्मार्ट शहरों का विकास हो सके जो विरासत को संरक्षित तथा अपने नागरिकों को बेहतर सुविधायें मुहैया करा सकें।

सम्मेलन में ख्यातिप्राप्त विद्वानों को न केवल भारत से बल्कि विदेश से भी आमंत्रित किया गया। वक्ताओं की विस्तृत सूची में श्री जेम्स क्लार्क (ईयू स्ट्रेटेजिक लाएजन मैनेजर, को- आर्किनेटर, ईयू- इंडियाएफआई मीडिया प्रोजेक्ट, टेलीकम्यूनिकेशन सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स एवं वाटरशेड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलाजी आयरलैंड), श्री अभिषेक बी शर्मा (प्रबंध निदेशक, बियांड इवोल्यूशन टेक साल्यूशंस प्रा. लिमिटेड गुरुग्राम), प्रोफेसर एम पी गुप्ता (आईआईटी दिल्ली), प्रोफेसर कपिल गुप्ता (आईआईटी मुंबई), प्रोफेसर गोपाल आर पाटिल (आईआईटी मुंबई), प्रोफेसर एम परिदा एवं प्रोफेसर काजमी (आईआईटी रुड़की), श्री राहुल तोमर (सीटीओ, स्मार्ट सिटीज लैब, जर्मनी) तथा पीटर मूर्यशकिन (फ्रानहोफर, आईएआईएस, जर्मनी) शामिल थे।

देशभर से इस विषय पर अपने विचार/पेपर प्रस्तुत करने हेतु प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गई थीं। स्मार्ट सिटी की चुनौतियाँ विषय के अंतर्गत एक प्रदर्शनी सह प्रतियोगिता एवं समूह चर्चा भी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में प्रतिभागियों को स्मार्ट सिटी पर प्रोटोटाइप/माडल/कांसेप्ट पोस्टर के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। सम्मेलन में भाग लेने के लिये प्रतिभागी/टीम की उम्र, प्रोफेशन या पृष्ठभूमि पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं था। प्रत्येक प्रविष्टि पर विशेषज्ञों की टीम द्वारा सृजनात्मकता, नवाचार और मौलिकता के आधार पर निर्णय लिया गया। समापन समारोह में दो सर्वोत्तम प्रविष्टियों को सम्मानित किया गया। सम्मेलन जबलपुर के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों तथा इंदौर, भोपाल, रायपुर, नागपुर, मुंबई आदि निकटवर्ती शहरों के राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के 340 विद्यार्थियों, शोध अध्येताओं और संकाय सदस्यों की उत्साहवर्धक प्रतिभागिता के कारण अविस्मरणीय बन गया।



(V) नवाचार एवं समाज पर कार्यशाला मुख्य अतिथि श्री डी एम गुप्ता, अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ

जबलपुर एकेडेमिया इनिशिएटिव द्वारा नवाचार एवं समाज विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन 5 से 6 दिसम्बर 2016 तक किया गया। जबलपुर एकेडेमिया इनिशिएटिव (जय) जबलपुर शहर के 6 शैक्षणिक संस्थानों का एक संयुक्त उपक्रम है। प्रतिभागी संस्थाओं में पीडीपीएम ट्रिपल आईटीडीएम जबलपुर, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश, मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय एवं जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। अपनी तरह की देश की अनूठी पहलों में से एक "जय" का लक्ष्य मूल रूप से सामाजिक उददेश्यों हेतु शैक्षणिक संस्थानों का एक नेटवर्क तैयार करना है।

कार्यशाला का उद्घाटन 5 दिसंबर 2016 को किया गया जिसमें जबलपुर शहर और उसके आसपास के विभिन्न संस्थानों के 227 प्रतिभागी शामिल हुए थे। श्री डी एम गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष, आयुध निर्माणी बोर्ड, उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। कार्यशाला के दो दिनों की अवधि में 12 सत्र हुए जिनमें से प्रत्येक सत्र नवाचार के अलग अलग पहलू पर केंद्रित था जैसे प्रौद्योगिकीय नवाचार, सामाजिक नवाचार, चिकित्सा सुविधा नवाचार, सामाजिक उद्यमिता और कृषि नवाचार इत्यादि।



मुख्य अतिथि श्री डी एम गुप्ता, अन्य विशिष्ट अतिथियों के साथ



अधोसंरचना विकास

संस्थान अपने स्वयं के परिसर में संचालित हो रहा है, जो डुमना एयरपोर्ट के नजदीक 250 एकड़ की खूबसूरत भूमि पर विकसित है। संस्थान परिसर का विकास कार्य अपने अंतिम चरण में है। परिसर के कई भवनों में उनकी पूर्ण क्षमता के साथ कामकाज शुरू हो गया है। अन्य भवन भी अपने निर्माण के बिल्कुल अंतिम चरण में हैं। आशा है कि ये भवन उपयोग हेतु अतिशीघ्र तैयार हो जायेंगे। परिसर के सभी कार्यशील क्षेत्र सीमेंट की पक्की सड़कों एवं पगडंडियों से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। अधिकांश संकाय सदस्यों को पिछले वर्ष निर्मित नर्मदा रेसिडेंसी ५ और आवासीय टावर में स्थानांतरित कर दिया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बास्केट बाल कोर्ट (इंडोर), टाइप-5 आवास (2 नग) के भवनों को इस वर्ष आधिपत्य में लिया गया है।

परिसर तीन मुख्य हिस्सों में विभाजित है—शैक्षणिक क्षेत्र, छात्रावास क्षेत्र, और आवास क्षेत्र। शैक्षणिक क्षेत्र के सभी भवन रिंग रोड से जुड़े हुए हैं। निम्न मुख्य शैक्षणिक भवन रिंग रोड के समीप स्थित हैं।

शैक्षणिक क्षेत्र

1. कोर लैब संकुल:

यह एक दोमंजिला भवन है जिसमें कोर लैब को संचालित करने की सुविधाएँ हैं। निदेशालय, कुलसचिव कार्यालय, केंद्रीय पुस्तकालय, कम्प्यूटर सेंटर, लेखा अनुभाग, वर्कशाप, भौतिकी प्रयोगशाला, कुछ शोध प्रयोगशालायें तथा कुछ संकाय सदस्य कक्ष आदि इस भवन से संचालित किये जा रहे हैं।



कोर लैब संकुल



2. व्याख्यान कक्ष एवं ट्यूटोरियल संकुल

यह संस्थान परिसर का मुख्य भवन है। कक्षा सम्बंधी सभी गतिविधियाँ इस भवन में निष्पादित होती हैं। इसके अतिरिक्त कुछ शोध प्रयोगशालायें, आईडियेशन स्टूडियो, तथा कुछ संकाय सदस्य कक्षाओं के लिये भी इस भवन में स्थान दिया गया है। शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता, एवं विद्यार्थी मामलों के अधिष्ठाता के लिये भी भवन में व्यवस्था की गई है। 600 क्षमता वाले व्याख्यान सभागार को प्रेक्षागृह के रूप में उपयोग में लाया जा रहा है। इस भवन के अंदर 120 क्षमता वाला एक व्याख्यान कक्ष आभासी कक्षा के रूप में पहले से ही उपयोग में है।



व्याख्यान कक्ष एवं ट्यूटोरियल संकुल

3. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पी.एच.सी.)

यह भवन शैक्षणिक क्षेत्र और आवासीय क्षेत्र के जंक्शन प्वाइंट पर स्थित है। यह परिसर के सभी भागों के साथ सीमेंट की पक्की सड़कों से अच्छी तरह से जुड़ा है। इसे इसी वर्ष उपयोग में लिया गया है। विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों/कर्मचारियों हेतु डिस्पेंसरी की सुविधा पूरे समय के लिये उपलब्ध कराई गई है। संविदा पर नियुक्त किये गये विभिन्न चिकित्सक अलग अलग समय पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित रहते हैं।



प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पी.एच.सी.)



4. पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर सेंटर

भवन बिल्कुल बनकर तैयार है, केवल कुछ सिविल कार्यों एवं सर्विस हिस्सों के जिन्हें कमीशन किया जाना शेष रह गया है। यह एलएचटीसी के नजदीक है और परिसर के अन्य भवनों से इसकी अच्छी कनेक्टिविटी है। भवन के बहुत शीघ्र कामकाज किये जाने योग्य तैयार हो जाने की आशा है।



पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर सेंटर

5. प्रशासनिक ब्लॉक

यह भवन परिसर के मुख्य प्रवेश की बाईं ओर स्थित है। सर्विस एरिया से सम्बंधित शेष काम जितनी जल्दी पूरा हो जाता है, उतनी ही जल्दी भवन में कामकाज शुरू हो जाने की आशा है।



प्रशासनिक ब्लॉक



6. आगंतुक आवास

यह अतिथि भवन है जो शैक्षणिक क्षेत्र और आवासीय क्षेत्र के जंक्शन प्वाइंट पर स्थित है। भवन में पूरी तरह से कामकाज हो रहा है। भवन को और सुरुचिसम्पन्न बनाने हेतु इस वर्ष उद्यानिकी संबंधी काम भी शुरू किये गये हैं।



आगंतुक आवास

छात्रावास क्षेत्र

1. हॉल आफ रेसीडेंस प्लू

यह एक एकल बैठक भवन है। वर्तमान में, इस भवन के दो खंडों में छात्राओं के रहने की व्यवस्था की गई है। भवन का यह हिस्सा दूसरे हिस्सों से अलग है जिसके लिये उपयुक्त पार्टीशन का उपयोग किया गया है।



हॉल आफ रेसीडेंस ।



2. हॉल आफ रेसीडेंस III:

यह एक तीन स्तरीय भवन है जिसमें कुल 498 विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था है। यह सड़क, पगडंडी एवं अन्य भागों से अच्छी तरह से जुड़ा है। भवन में मनोरंजन की सुविधायें यथा- टीवी देखने का कक्ष, नृत्य एवं नाट्य कक्ष, कैंटीन इत्यादि की व्यवस्था है। भवन में एक इंडोर बैडमिंटन कोर्ट भी विकसित किया गया है जिसके निर्माण में अस्थाई पार्टीशन का प्रयोग किया गया है।



हॉल आफ रेसीडेंस III

3. हॉल आफ रेसीडेंस IV:

यह भी एक तीन स्तरीय छात्रावास भवन है जिसकी कुल क्षमता 498 है। भवन सड़क, पगडंडी एवं अन्य भागों से अच्छी तरह से जुड़ा है। इसमें कैंटीन, टीवी देखने का कक्ष, वाचनालय, नृत्य एवं नाट्य कक्ष, इत्यादि सुविधायें हैं।



हॉल आफ रेसीडेंस IV



4. **मेस एवं डाईनिंग हाल**

यह केंद्रीय मेस भवन है जो सभी छात्रावासों के लिये है और चालू स्थिति में है। भवन सभी छात्रावासों के साथ सड़कों और पगडंडियों से अच्छी तरह से जुड़ा है।



मेस एवं डाईनिंग हाल

5. **टाईप टूट आवास (2 नग)**

भवन छात्रावास क्षेत्र में स्थित है और यह छात्रावास अधीक्षकों को आवास उपलब्ध कराता है।

6. **सुरक्षा भवन**

भवन, परिसर के बिल्कुल अंतिम छोर पर महगवाँ गाँव की ओर स्थित है। वर्तमान में भवन का उपयोग इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी एकेडेमी हेतु प्रस्तावित है।

7. **हॉल आफ रेसीडेंस VII:**

यह एक स्नातकोत्तर छात्रावास भवन है जिसके दो भाग हैं।

अ. विवाहितों के लिये आवास (फेज-I)

भवन में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिये एक बेड रूम वाले 98 पलैट हैं। यह अपनी पूर्णता की ओर है। जैसे ही भवन के सर्विस एरिया से जुड़े काम पूरे हो जायेंगे, भवन में कामकाज शुरू हो जाने की आशा है।



स्नातकोत्तर छात्रावास फेज -I एवं -II



ब. अविवाहितों के लिये आवास (फेज-II)

भवन के छात्रावास खंड लगभग पूरे हो चुके हैं। इसमें एकल सीट वाले कमरे हैं जिसमें अविवाहित स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के आवास का प्रावधान है। एक सुविधा खंड भी है जो छात्रावास एकक से विधिवत जुड़ा हुआ है। जैसे ही सर्विस एरिया से जुड़े काम पूरे हो जायेंगे, भवन कामकाज शुरू करने योग्य हो जायेगा।

8. हाल आफ रेसीडेंस VIII : (महिला छात्रावास)

भवन स्नातकोत्तर छात्रावास से लगा हुआ है। इसमें 250 छात्राओं के आवास की क्षमता है। भवन के अंदर छात्रावास अधीक्षक का आवास भी है। भवन का स्ट्रक्चरल भाग लगभग पूरा हो चुका है।



हाल आफ रेसीडेंस VIII: (महिला छात्रावास)

9. विद्यार्थी गतिविधि केंद्र

विद्यार्थी गतिविधि के एक केंद्र के रूप में बास्केट बाल कोर्ट का निर्माण पूरा हो चुका है। इसमें अतिशीघ्र कामकाज होने की उम्मीद है। शेष भवन के स्ट्रक्चरल भाग जिसमें एम्फीथियेटर भी है, का काम लगभग पूरा हो चुका है।



विद्यार्थी गतिविधि केंद्र



आवासीय क्षेत्र :-

1. नर्मदा रेसीडेंसी ॥

यह एक जी 5 आवासीय टॉवर है जिसमें 2 बेडरूम वाले फ्लैट हैं। भवन अपनी क्षमता तक लगभग पूरी तरह भर चुका है। भवन, परिसर के अन्य हिस्सों के साथ सीमेंट की सड़को से जुड़ा हुआ है।



नर्मदा रेसीडेंसी ॥

2. रेवा रेसीडेंसी ॥

इस आवासीय भवन में कर्मचारियों के लिये 2 बेडरूम वाले फ्लैट हैं। भवन पूर्णता की ओर है। जैसे ही सेवा संबंधी कार्य यथा- बिजली सप्लाई, पानी की आपूर्ति, सीवरेज निकास आदि पूरे हो जाते हैं, भवन में कामकाज शुरू हो जायेगा। भवन, परिसर के अन्य हिस्सों के साथ सीमेंट की पक्की सड़कों से जुड़ा हुआ है।



रेवा रेसीडेंसी ॥



3. नर्मदा रेसीडेंसी III

यह भी एक जी 5 आवासीय टॉवर है जिसमें संकाय सदस्यों के लिये 3 बेडरूम वाले फ्लैट हैं। भवन केवल कुछ सिविल कार्यों के अलावा अपनी पूर्णता की ओर है। भवन के कामकाज लायक होने के लिये केवल सर्विस एरिया के कुछ कार्य शेष हैं। भवन, परिसर के अन्य हिस्सों के साथ सीमेंट की सड़कों से जुड़ा हुआ है।



नर्मदा रेसीडेंसी III

वृक्षारोपण :- विभिन्न भवनों के आसपास एवं सड़कों और पगडंडियों से लगे हुए वृक्षारोपण के कार्य वर्ष भर किये गये हैं। इसमें राज्य वन विभाग और उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान से प्राप्त बहुमूल्य कंसल्टिंग सेवाओं से सहयोग लिया गया। परिसर के अंदर सघन वृक्षारोपण का काम उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के नियमित प्रतिसाद और देखरेख में किया जा रहा है।



खरीदे गये मुख्य उपकरण



आर.एफ. सिग्नल जनरेटर एवं ए.डी.एस. लाइसेंस रीन्युवल (लागत: रू. 18,87,900)



करन्ट वोल्टेज एनालाइजर (एस.एम.यू.) (लागत: रू. 3,25,000)



वार्षिक लेखा वित्त वर्ष 2016-17

वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान उपलब्ध निधि एवं किए गए व्यय

1. वित्त वर्ष 2016-17 में प्राप्त अनुदान

विवरण	अनुदान (रु. लाख में)
वेतन	1306.75
सामान्य व्यय	893.60
परिसंपत्तियों के निर्माण पर व्यय	—
कुल	2200.35

2. वित्त वर्ष 2016-17 में व्यय

विवरण	अनुदान (रु. लाख में)
वेतन	1120.75
सामान्य व्यय	1501.64
परिसंपत्तियों के निर्माण पर व्यय	41.22
कुल	2663.61

(अ) वित्त वर्ष 2016-17 में वेतन पर व्यय

विवरण	राशि (रु. लाख में)
शैक्षणिक	664.05
गैर शैक्षणिक	247.01
वेतन के अन्य मद	209.69
कुल	1120.75



(ब) वित्तीय वर्ष 2016-17 के सामान्य व्यय

विवरण	राशि (रु. लाख में)
बाहरी जनबल	369.63
विद्युत	201.09
छात्रवृत्ति / अस्स्टेन्टसिप	554.80
मरम्मत एवं रख रखाव	39.02
यात्रा भत्ता	26.55
परिवहन व्यय	21.43
मानदेय	55.23
छात्र सहायता सेवा	15.88
अन्य सेवा	218.01
कुल	1501.64

(स) वित्तीय वर्ष 2016-17 के पूँजीगत व्यय

विवरण	राशि (रु. लाख में)
सिविल और इलेक्ट्रिकल्स	6.53
फर्नीचर और फिक्चर	2.16
लैब और कार्यालयीन यंत्र	10.48
कंप्यूटर हार्डवेयर और साफ्टवेयर	19.58
पुस्तकें / पत्रिकाएँ	2.47
कुल	41.22



पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन
एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर

आर्थिक चिट्ठा दिनांक 31 मार्च, 2017

राशि ₹ में

निधियों के स्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष 2016-17	पूर्व वर्ष 2015-16
संग्रह निधियां/ विशिष्ट रूप से चिह्नित निधियां	1	301,66,36,785	303,81,77,149
चालू दायित्व एवं प्रावधान	2	0	0
	3	42,16,33,028	21,79,44,136
योग		343,82,69,813	325,61,21,285
निधियों का उपयोग			
स्थायी संपत्तियां	4		
मूर्त आस्तियां		65,27,56,901	68,36,94,103
अमूर्त आस्तियां		78,05,052	2,19,88,769
प्रगतिशील पूंजीगत कार्य		201,65,02,810	201,62,06,794
निर्धारित/बंदोबस्ती धन से निवेश	5		
लंबी अवधि हेतु		0	0
कम अवधि हेतु		0	0
अन्य निवेश	6	33,55,65,527	1,75,89,473
चालू संपत्तियां	7	17,40,47,967	31,11,68,946
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशियां	8	25,15,91,557	20,54,73,200
योग		343,82,69,813	325,61,21,285
महत्वपूर्ण लेखांकन नितियां	23		
खातों में आकस्मिक देनदारियां और टिप्पणी	24		

नरेश जोशी
सहा. कुलसचिव (वि.ले.)

रामफल द्विवेदी
कुलसचिव

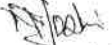
प्रमोद कुमार जैन
निदेशक





पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन
एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर
आय-व्यय खाता 01/04/2016 से 31/03/2017 की अवधि हेतु

राशि ₹ में

विवरण	अनुसूचीयां	चालू वर्ष 2016-17	पूर्व वर्ष 2015-16
ए आय			
अकादमिक प्राप्तियां	9	6,82,54,421	4,84,51,083
अनुदान एवं दान	10	20,14,34,867	20,22,82,517
आंतरिक कोष से ऋण	1.2	6,08,04,204	4,58,88,934
नवेश से आय	11	1,32,06,131	1,32,01,245
ब्याज से आय	12	28,88,977	23,93,195
अन्य आय	13	28,00,847	38,81,158
पूर्व अवधि आय	14	4,38,434	6,40,121
योग (ए)		34,98,27,880	31,67,38,253
बी व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	12,01,63,823	10,77,71,480
अकादमिक व्यय	16	6,57,04,563	6,30,85,827
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	7,02,69,337	7,04,53,266
परिवहन व्यय	18	21,43,617	30,88,951
सुधार एवं रखरखाव	19	39,02,142	37,59,999
वित्तीय लागत	20	55,589	11,928
ह्रास	4	5,60,59,984	5,37,32,548
अन्य व्यय	21	0	0
पूर्व अवधि व्यय	22	23,06,293	1,04,960
योग (बी)		32,06,05,348	30,20,08,959
व्यय के उपर आय का आधिक्य शेष (ए-बी)		29,222,532	14,729,294
सामान्य निधि को अंतरण			
आंतरिक आय	9, 11, 12, 13	8,71,50,376	6,79,26,681
भवन निधि		0	0
सामान्य निधि का आधिक्य / (कमी) शेष जो कि सामान्य निधि में ले जाया गया		8,71,50,376	6,79,26,681
विशिष्ट निधि का आधिक्य / (कमी) शेष जो कि संग्रह / पूंजीकोष में ले जाया गया		(57,927,843)	(53,197,387)
महत्वपूर्ण लेखांकन नितियां	23		
खातों में आकस्मिक देनदारियां और टिप्पणी	24		
खातों में आकस्मिक देनदारियां और टिप्पणी	24		


नरेश जोशी
सहा. कुलसचिव (वि.ले.)


रामफल द्विवेदी
कुलसचिव


प्रमोद कुमार जैन
निदेशक



पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन
एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर

प्राप्ति और भुगतान खाता
वित्तीय वर्ष 2016-2017 के लिए

राशि ₹ में

सं. क्र.	प्राप्तियां	चालू वर्ष 2016-17	पूर्व वर्ष 2015-16	सं. क्र.	भुगतान	चालू वर्ष 2016-17	पूर्व वर्ष 2015-16
I	ओपनिंग बैलेंस			I	व्यय		
A)	कैश बैलेंस	0	0	A)	कर्मचारी भुगतान एवं लाभ	45,77,966	9,96,54,975
B)	बैंक बैलेंस			B)	शैक्षणिक खर्च	5,99,67,993	6,44,39,585
1)	केनरा बैंक अनुदान खाता, जबलपुर	4,91,865	4,72,765	C)	प्रशासनिक और सामान्य खर्च	3,01,19,259	6,77,04,613
2)	एसबीआई अनुदान खाता, जबलपुर	6,72,578	5,37,468	D)	परिवहन खर्च	8,24,134	30,88,951
3)	इलाहाबाद बैंक छात्र शुल्क खाता, जबलपुर	2,94,76,978	6,47,92,920	E)	मरम्मत और रख रखाव	24,55,187	42,15,667
4)	एसबीआई प्रोजेक्ट खाता	0	6,387	F)	वित्त लागत	56,343	12,426
5)	भारतीय स्टेट बैंक (छात्र शुल्क खाता)	0	35,86,383				
6)	इलाहाबाद बैंक अनुदान चालु खाता	24,45,747	17,15,78,320	II	निर्धारित / बंदोबस्ती धन के खिलाफ भुगतान	59,65,038	0
7)	इलाहाबाद अनुदान बचत बैंक खाता	24,52,63,021	0	III	प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के खिलाफ भुगतान	42,46,878	10,30,87,755
8)	परियोजना खाता	0	0	IV	प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्ति के खिलाफ भुगतान	0	0
ए)	इलाहाबाद परियोजना खाता	1,49,34,102	1,04,28,886	A)	केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति	23,14,908	11,64,093
बी)	ई और आईसीटी अकादमी खाता	46,96,416	0	B)	विदेशी छात्रवृत्ति	3,05,020	3,07,350
सी)	स्टार्टअप खाता	0	0	V	किये गए निवेश और जमा		
9)	सहायक बैंक खाते			A)	निर्धारित / निधि के बाहर फंड	0	0
क)	हॉल 01	31,59,810	52,59,309	B)	स्वयं के धन से बाहर (निवेश - अन्य)	0	0
ख)	हॉल 03	76,34,787	78,01,519	VI	अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा		
ग)	हॉल 04	38,47,037	24,73,772	A)	कराए गए निवेश और जमा	25,16,14,369	25,60,40,384
घ)	जिमखाना	24,55,452	40,49,303	B)	किए गए निवेश और जमा (सहायक लेखा)	0	1,05,00,000
ड)	पुस्तकालय			VII	अचल संपत्तियों और कैपिटल कार्य में प्रगति पर व्यय		
च)	एसबीआई / सीपीएफ / न्यू पेंशन खाता	2,95,420	2,49,969	A)	अचल संपत्तियों की खरीदी	21,08,960	3,30,52,052
II	अनुदान प्राप्त			B)	पूजी कार्य में प्रगति पर व्यय	0	37,61,725
A)	भारत सरकार से (एमएचआरडी) (योजना) - सामान्य	8,93,60,000	11,14,50,000	VIII	अन्य भुगतान सहित		
B)	भारत सरकार से (एमएचआरडी) (योजना) - पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन के लिए	0	17,00,00,000	A)	एसोसिएशन शुल्क (अन्य संस्थान)	0	40
C)	भारत सरकार से (एमएचआरडी) (योजना) - वेतन के लिए	13,06,74,930	7,85,50,000	B)	जीआईएस (अन्य संस्थान)	7,200	7,260
III	शैक्षणिक शुल्क			C)	सामान्य भविष्य निधि (अन्य संस्थान)	9,60,000	2,95,548
A)	शैक्षणिक फीस	6,25,80,784	4,53,57,598	D)	जीएसएलआईएस	2,12,510	2,77,028
B)	अग्रिम फीस प्राप्ति	2,07,74,600	1,50,04,780	E)	प्रोफेशनल कर पॉइंड	2,76,896	2,81,676
C)	छात्र कॉसन मनी	3,000	15,90,235	F)	ब्ल्यू सी टी पॉइंड	36,407	96,893
D)	पूर्व उप छात्र संघ	0	3,27,000	G)	श्रम कल्याण उपकर	18,204	48,035
E)	छात्र कल्याण कोष	0	4,36,000	H)	नई पेंशन	1,53,22,952	1,51,36,485
F)	अतिरिक्त जमा शुल्क	28,176	1,85,22,103	I)	टीडीएस भुगतान	1,25,78,929	1,04,27,322
G)	हॉल प्रबंधन खाता	42,902	57,58,500	J)	वैट का भुगतान	6,67,127	9,51,793
H)	छात्र लाभ खाता	0	34,08,750	K)	शुद्ध दिवस योगदान	0	16,400
IV	निर्धारित / बंदोबस्ती धन के खिलाफ प्राप्तियां	3,27,17,438	0	L)	सेवा कर	98,205	1,57,403
V	प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के खिलाफ प्राप्तियां	10,32,191	10,50,94,849	IX	अनुदान के रिफंड	0	0
VI	प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्ति के खिलाफ प्राप्तियां			X	जमा एवं अग्रिम		
A)	केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति प्राप्ति	21,49,838	15,42,840	A)	सीपीडब्ल्यूडी, भोपाल	0	11,78,29,675



पं. द्वारका प्रसाद मिश्र
भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी
अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर

सं. क्र.	प्राप्तियां	चालू वर्ष 2016-17	पूर्व वर्ष 2015-16	सं.क्र.	भुगतान	चालू वर्ष 2016-17	पूर्व वर्ष 2015-16
B)	विदेशी छात्रवृत्ति	2,22,200	4,74,970	B)	डीजीएसएंडडी	6,000	26,31,238
				C)	अग्रिम रोबोकॉन के लिए	25,116	1,00,000
				D)	नगर के फाटक परियोजना के लिए अग्रिम	1,25,79,477	0
VII	निवेश से आय पर			E)	एएमईसी/एनडब्ल्यूएसजी कार्यशाला के लिए अग्रिम	3,00,000	0
A)	निर्धारित/बंदोबस्ती धन	37,75,228	0	F)	कॉनिफस 2014 के लिए अग्रिम	1,90,000	0
B)	अन्य निवेश	14,49,293	1,32,01,245	G)	अग्रिम करने के लिए एनआईसीएसआई	0	54,93,094
C)	अन्य निवेश (सहायक लेखा)	44,589	1,41,398	H)	सुरक्षा जमा राशि	0	1,53,476
VIII	प्राप्त ब्याज			I)	ईएमडी और पीबीजी	46,44,568	28,30,469
A)	प्राप्त ब्याज	40,50,644	23,88,375	J)	सुरक्षा जमा-एमपीपीकेबीवीसीएल	0	28,32,000
B)	प्राप्त ब्याज (सहायक लेखा)	6,42,069	4,43,545	K)	डीएवीपी को अग्रिम	0	35,712
IX	निवेश भुनाया	0	0	L)	अनुकूलन कार्यशाला के लिए अग्रिम	0	1,00,000
X	अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा भुनाया			M)	टी एफ आर आई को अग्रिम	0	7,50,000
A)	निवेश और जमा परिपक्व संस्थान	3,00,00,000	25,60,40,384	N)	नवाचार परियोजना के लिए अग्रिम	22,68,805	1,89,000
B)	निवेश और जमा परिपक्व ई एंड आईसीटी अकादमी	90,00,000	2,00,000	XI	अन्य भुगतान		
XI	अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)			A)	हॉल प्रबंधन के खाते	17,00,262	57,25,548
A)	अन्य आय	48,02,220	45,94,368	B)	छात्र लाभ खाता	16,94,600	33,76,650
				C)	छात्र कॉसन मनी	11,96,000	21,04,000
XII	जमा और अग्रिम			D)	अतिरिक्त जमा शुल्क भुगतान	1,47,99,072	1,10,33,122
A)	सुरक्षा जमा राशि	8,25,000	1,34,179	E)	छात्र संघ सब पैड	0	3,50,750
B)	ईएमडी और पीबीजी	40,86,347	51,83,653	F)	छात्र कल्याण कोष	0	1,000
C)	सीएसएबी 2013 के लिए अग्रिम	0	0	G)	आयकर का भुगतान	0	21,91,684
D)	सुरक्षा जमा- एमपीपीकेबीवीसीएल	0	8,63,409	H)	ऑनलाइन परीक्षा व्यापम	0	18,000
E)	डीजीएसएंडडी से वापसी	7,31,695	13,10,664	I)	अन्य खर्च	1,47,328	0
F)	एएमईसी/एनडब्ल्यूएसजी कार्यशाला से प्राप्तियां		66,243	J)	प्रावधान भुगतान	7,30,68,419	0
G)	नवाचार परियोजना से अग्रिम	2,87,027	2,89,000	K)	लेनदारों को भुगतान	5,89,79,294	0
H)	कर्मचारियों और अन्य के खर्च से अग्रिम	31,21,019	0	XII	अंतिम शेष		
XIII	विविध प्राप्तियां			A)	नकदी संतुलन	0	0
A)	एसोसिएशन शुल्क (अन्य संस्थान)	0	40	B)	बैंक बैलेंस		
B)	जीआईएस (अन्य संस्थान)	0	7,260	1)	केनरा बैंक अनुदान खाता	0	4,91,865
C)	सामान्य भविष्य निधि (अन्य संस्थान)	0	2,71,548	2)	एसबीआई अनुदान खाता	3,48,231	6,72,578
D)	जीएसएलआईएस	0	2,96,596	3)	एसबीआई छात्र शुल्क खाता	0	0
E)	प्रोफेशनल कर	0	2,81,676	4)	एसबीआई प्रोजेक्ट खाता	0	0
F)	डब्ल्यू सी टी	8,039	96,893	5)	इलाहाबाद बैंक छात्र शुल्क खाता	3,74,18,166	2,94,76,978
G)	श्रम कल्याण उपकर	4,020	48,035	6)	इलाहाबाद बैंक अनुदान मौजूदा खाता	3,45,60,748	24,45,747
H)	नई पेंशन	0	1,42,96,414	7)	परियोजना खाता		
I)	टीडीएस	12,65,906	1,04,27,322	ए)	अलाहाबाद परियोजना खाता	3,60,53,290	1,49,34,102
J)	वैट	4,80,986	9,51,793	बी)	ई और आईसीटी अकादमी खाता	1,18,99,817	0
K)	झंडा दिवस योगदान	0	11,150	सी)	स्टार्टअप खाता	4,17,918	0
L)	सेवा कर	40,472	1,57,403	8)	इलाहाबाद अनुदान बचत बैंक ए ए सी	3,55,23,112	24,52,63,021
XIV	कोई अन्य प्राप्तियां			9)	एसबीआई टिकट खाता	1,84,351	0
A)	एनपीएस ब्याज और अन्य	9,22,720	18,000	10)	सहायक बैंक खाते		
B)	अन्य रसीद	19,92,938	0	क)	हॉल 01	27,81,110	31,59,810
C)	छात्र द्वारा प्राप्त	1,44,12,450	0	ख)	हॉल 03	72,01,125	76,32,787
D)	खातो से प्राप्य	50,02,058	0	ग)	हॉल 04	35,97,775	38,47,037
E)	कम्प्यूटर की अदायगी से प्राप्ती	11,17,673	0	घ)	जिमखाना	31,50,526	24,55,452
F)	परियोजना परामर्श देय	18,800	0	ड)	पुस्तकालय	3,67,599	2,95,419
				च)	एसबीआई-सीपीएफ/नई पेंशन खाता	0	0
				XIII	कोई अन्य भुगतान		
				क)	शुल्क प्राप्य छात्र	1,37,500	0
				ख)	परियोजना खाते पर ब्याज का भुगतान किया	1,05,227	0
				ग)	खर्च देय	29,60,546	0
				कूल		74,30,40,466	114,13,45,674

नरेश जोशी
सहा. कुलसचिव (वि.ले.)

रामफल द्विवेदी
कुलसचिव

प्रमोद कुमार जैन
निदेशक



महानिदेशक, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय प्राप्ति) का कार्यालय
नई दिल्ली, शाखा-ग्वालियर, चौथी मंजिल, आडिट भवन, झांसी मार्ग,
ग्वालियर - 474 002 (म.प्र.)

पत्र क्र. Central/AMG-II/SAR/PDPMIIIT DM/2016-17/D-73

दिनांक 13.09.2017

गोपनीय.

प्रति,

निदेशक

पं. द्वारका प्रसाद मिश्र

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन

एवं विनिर्माण संस्थान, डुमना मार्ग,

डाकघर-खमरिया, जबलपुर - 482 005

विषय : पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान का वर्ष
2016-17 लेखाओं पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन ।

महोदय,

कृपया पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान की वर्ष
2016-17 लेखाओं पर एतद् संलग्न पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का अवलोकन करें। आपसे यह सुनिश्चित
करने का अनुरोध है कि संसद के पटल पर प्रस्तुत किए जाने के पूर्व लेखा परीक्षित एकाउन्ट्स को संचालक
मण्डल से स्वीकृत करा लिया जाये ।

2. संसद के दोनों सदनों के पटल पर उक्त प्रतिवेदन के प्रस्तुत किए जाने की तिथि से
अधोहस्ताक्षरकर्ता को अवगत करा दिया जाये एवं मुद्रित सामग्री की एक प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के सूचनार्थ
उपलब्ध करा दी जाये ।

कृपया पावती भेजें ।

संलग्न : 1. पृथक लेखा परीक्षित प्रतिवेदन
अनुलग्नकों सहित

भवदीय

हस्ता/-
उपनिदेशक (केन्द्रीय)



भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा पं. द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर की 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष की लेखाओं पर जारी पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

01. हमने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत पंडित द्वारका प्रसाद मिश्र भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन एवं विनिर्माण संस्थान, जबलपुर (ट्रिपल आई.टी.डी.एम.) की 31 मार्च 2017 को समाप्त संलग्न तुलन पत्र (बैलेन्स शीट) तथा उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा और प्राप्तियाँ तथा भुगतान लेखा का लेखा परीक्षण किया है। लेखा परीक्षण वर्ष 2018-19 तक की अवधि हेतु न्यस्त किया गया है। इन वित्तीय प्रतिवेदनों के लिए ट्रिपल आईटीडीएम प्रबंधन उत्तरदायी होगा। हमारा दायित्व अपने लेखा परीक्षण के आधार पर इन वित्तीय प्रतिवेदनों के संबंध में अपना अभिमत व्यक्त करना है।
02. पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा केवल लेखा व्यवहार पर की गई उन टिप्पणियों का उल्लेख है जो वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण पद्धति के समतुल्य अनुरूपता, लेखाकरण मानकों एवं प्रकटन मापदण्डों आदि से संबंधित है। वित्तीय लेन-देन के कानून, नियम एवं विनियम (औचित्य एवं नियमितता) तथा क्षमता-सह-निष्पादन आदि पक्षों पर लेखा परीक्षा की यदि कोई राय होती है तो तत्सम्बन्धी जानकारी निरीक्षण प्रतिवेदन/सी.ए.जी. लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से अलग से दी जाती है।
03. हमने लेखा परीक्षण संबंधी अपना कार्य भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षण के मानकों के अनुरूप निष्पादित किया है। इन मानकों के अनुसार हम लेखा परीक्षण की योजना बनाते हैं एवं उसका निष्पादन करते हैं ताकि हमें इस आशय की आश्वस्त मिल सके कि वित्तीय विवरण दोषपूर्ण भौतिक विवरणों से पूरी तरह मुक्त हैं। लेखा परीक्षण की प्रक्रिया में प्रायोगिक तौर पर उन साक्ष्यों की जांच की जाती है जिन्हें धनराशियों तथा वित्तीय विवरणों में उनके उल्लेख की प्रामाणिकता हेतु प्रस्तुत किया जाता है। लेखा परीक्षण में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त सिद्धांतों एवं सार्थक व्यय विवरण का भी निर्धारण किया जाता है। साथ ही समग्र वित्तीय विवरणों का भी आकलन किया जाता है। हमारा विश्वास है कि हमारा लेखा परीक्षण हमारे अभिमत के लिए समुचित आधार निर्मित करता है।
04. अपने लेखा परीक्षण के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि -
 - (क) हमने उन समस्त सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों को प्राप्त कर लिया है जो हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारे लेखा परीक्षण के उद्देश्य से आवश्यक थे।
 - (ख) इस प्रतिवेदन हेतु प्रयुक्त तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा, तथा प्राप्त एवं भुगतान लेखा को मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के आदेश क्र. 29-4/2012-IFD दिनांक 17 अप्रैल 2015 द्वारा निर्धारित प्रारूप में व्यवस्थित कर लिया गया है।
 - (ग) हमारे अभिमत के अनुसार संस्थान द्वारा लेखा एवं अन्य संगत दस्तावेजों को विधिवत अद्यतन किया गया है जैसा कि इन दस्तावेजों के परीक्षण से हमें पता चला है।



(घ) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि –

(अ) तुलन-पत्र (बैलेन्स शीट)

1. निधि का अनुप्रयोग

1.1 चालू कार्य में पूंजी निवेश (अनुसूची-4) रू. 201.65 करोड़

1.1.1 इसमें रू. 23.47 करोड़ की वह धनराशि शामिल है जो नर्मदा रेजीडेंसी-2 तथा आगंतुक निवास निर्माण के पूरे हो चुके कार्य की लागत है जिसे व्यय किया जा चुका है लेकिन उसे पूंजीगत नहीं किया गया है। परिणामतः रू. 23.47 करोड़ के कैपिटल वर्क्स-इन-प्रोग्रेस का ओवर स्टेटमेंट, रू. 23.00 करोड़ के नियत परिसम्पत्ति (फिक्स्ड एसेट्स) का अण्डर स्टेटमेंट तथा रू. 0.47 करोड़ का अंडरस्टेटमेंट आफ एक्सपेंडिचर (मूल्य ह्रास) सामने आया।

1.2 निवेश-अन्य (अनुसूची 6) रू. 33.56 करोड़

इसमें बैंकों में टर्म डिपॉजिट के रूप में जमा की गई 33.56 करोड़ की धनराशि शामिल है। एम.एच.आर.डी. द्वारा जारी संशोधित लेखा प्रारूप के अनुसार बैंकों में टर्म डिपॉजिट के रूप में जमा धनराशि को चालू परिसम्पत्ति (करेंट एसेट) के अंतर्गत दर्शाया जाना है न कि निवेश (इन्वेस्टमेंट) के अंतर्गत। इसके परिणामस्वरूप रू. 33.56 करोड़ के इन्वेस्टमेंट का ओवर स्टेटमेंट तथा करेंट एसेट्स का अंडर स्टेटमेंट परिलक्षित हुआ।

(ब) सामान्य

1. सार्थक लेखा नीति (अनुसूची-23) के बिन्दु 3.6 से यह तथ्य उद्घाटित हुआ कि वर्ष के दौरान किसी भी अतिरिक्त आय पर पूरे वर्ष के लिए मूल्य ह्रास प्रभावी किया जाता है। तथापि, लेखा (अनुसूची-24) सम्बन्धी टिप्पणियों एवं आकस्मिक देयता के बिन्दु 3.3 से यह तथ्य उद्घाटित हुआ है कि सितम्बर के पहले क्रय की गई परिसम्पत्तियों पर पूरे वर्ष के लिए मूल्य ह्रास लगाया जाता है लेकिन सितम्बर के बाद खरीदी गई परिसम्पत्तियों पर अर्द्धवार्षिक आधार पर मूल्य ह्रास प्रभावी किया जाता है। अतः संस्थान द्वारा किए गए उक्त प्रकटन (डिस्क्लोजर) परस्पर विरोधी पाये गये।

2. आय एवं व्यय लेखा में कुल आय रू. 34,98,27,881/- दर्शायी गयी है जो रू. 34,98,2,880/- होनी चाहिए जिसमें संशोधन की आवश्यकता है।

लेखा परीक्षा टिप्पणियों का निष्कर्ष –

उपयुक्त टिप्पणियों का कुल मिलाकर निष्कर्ष यह है कि परिसम्पत्तियों को रू. 47 लाख अधिक आंका गया और व्यय को रू. 47 लाख कम।



(स) अनुदान :

वर्ष के दौरान संस्थान को रु. 22.00 करोड़ अनुदान के रूप में प्राप्त हुए । इसके अलावा संस्थान के पास व्यय से शेष 2 करोड़ की राशि एवं पिछले वर्ष की आंतरिक प्राप्तियों (परिसम्पत्ति अधिमूल्यांकन) के रूप में 4 करोड़ की राशि थी । इस प्रकार उपलब्ध अनुदान रु. 24.04 करोड़ में से संस्थान ने 31 मार्च 2017 तक रु. 20.83 करोड़ का उपयोग किया जबकि रु. 3.21 करोड़ की राशि शेष अनुदान के रूप में अप्रयुक्त रही ।

(3) पिछले पैरा में किए गए हमारे प्रेक्षण के आधार पर हम यह रिपोर्ट करते हैं कि इस प्रतिवेदन की आधार सामग्री—तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, लेखा बही के अनुसार पाई गई ।

(4) हमारे अभिमत में और हमारी सम्पूर्ण जानकारी में एवं हमें उपलब्ध कराये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण पठित सह लेखा नीति तथा नोट्स आन एकाउन्ट्स और उपरिलिखित सार्थक लेखा सामग्री तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नकों में उल्लिखित अन्य विषय वस्तु भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार सत्य एवं निष्पक्ष छवि प्रस्तुत करते हैं ।

(अ) जहाँ तक इसका सम्बन्ध 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्षावधि के लिए ट्रिपल आई.टी.डी.एम. जबलपुर के क्रियाकलाप सम्बन्धी तुलन पत्र से है और

(ब) जहाँ तक इसका सम्बन्ध उसी अवधि और तिथि तक के लिए घाटे के आय एवं व्यय लेखा से है ।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 13.09.2017

कृते
भारत के नियंत्रक एवं
महालेखाकार

हस्ता/—
महानिदेशक, लेखा परीक्षा
(केन्द्रीय प्राप्ति)



सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 : प्रतिवेदन

संस्थान ने हमेशा से ही सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के परिपालन पर विशेष ध्यान दिया है। संस्थान ने अपने तंत्र को पारदर्शी बनाने हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं एवं अपनी ओर से अधिकाधिक जानकारी देश के नागरिकों को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने के प्रयास किए हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के परिपालन में संस्थान ने निम्न व्यक्तियों को निम्न पदों पर नियुक्त किया है:

श्री रिजवान अहमद सहा. कुलसचिव (स्थापना) जनसूचना अधिकारी	श्री आर. पी. द्विवेदी कुलसचिव प्रथम अपीलीय अधिकारी	प्रो. पी. एन. कोंडेकर प्राध्यापक पारदर्शिता अधिकारी
---	--	---

अधिनियम के तहत वर्ष 2015-16 के दौरान प्राप्त आवेदनों एवं इन पर हुई कार्यवाही का विवरण निम्नानुसार है :

संस्थान को प्राप्त आवेदनों की संख्या	—	58
संस्थान द्वारा जवाब दिये गये आवेदनों की संख्या	—	58
संस्थान को प्राप्त प्राथमिक अपीलों की संख्या	—	12
निर्णय की गई अपीलों की संख्या	—	12
शुल्क एवं अतिरिक्त शुल्क के रूप में आय	—	रु. 746 /—

(किसी भी संशय की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।)

